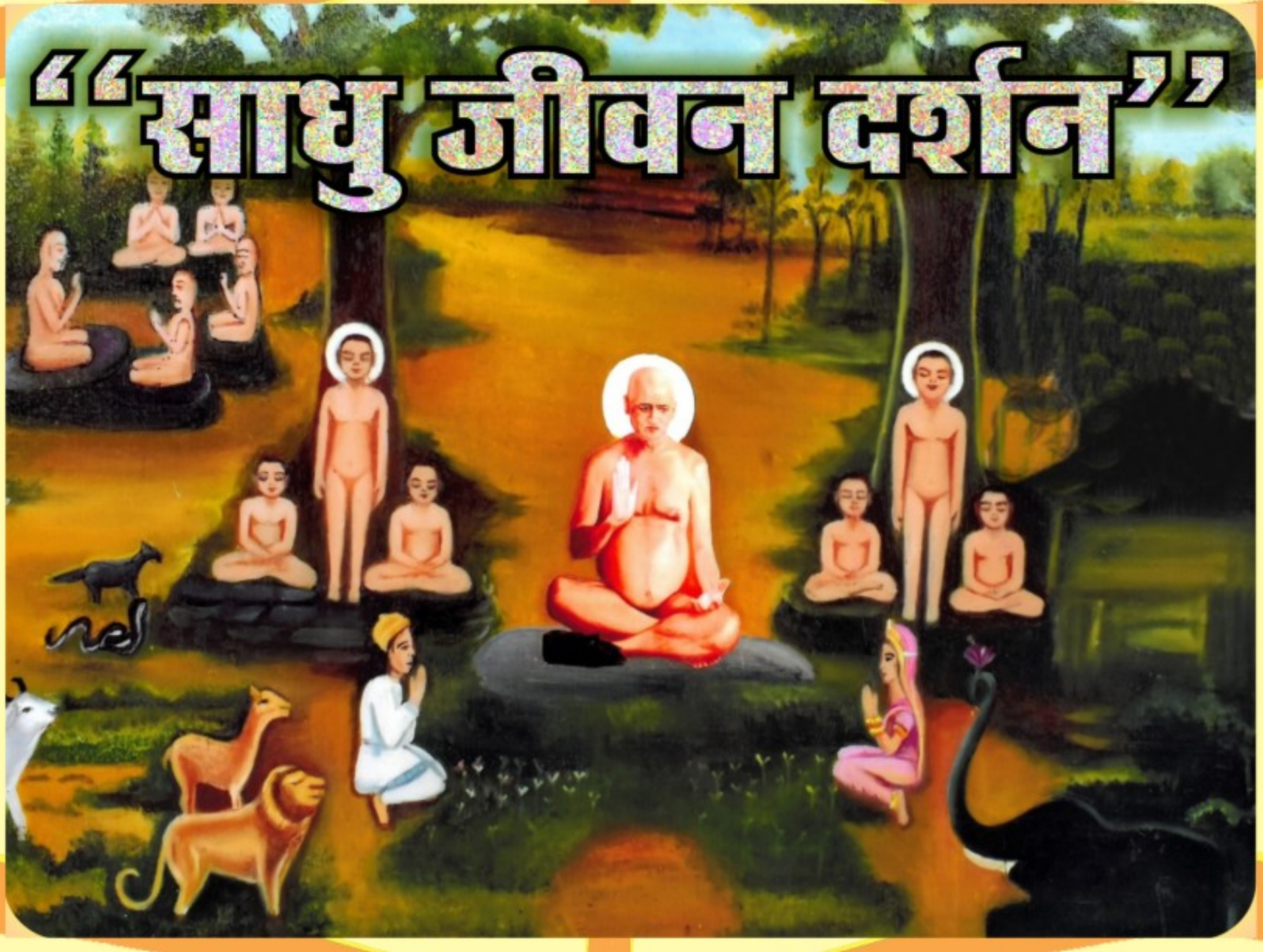
“साधु जीवन दर्शन”

आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज के दर्शन करते हुए भारत के राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी

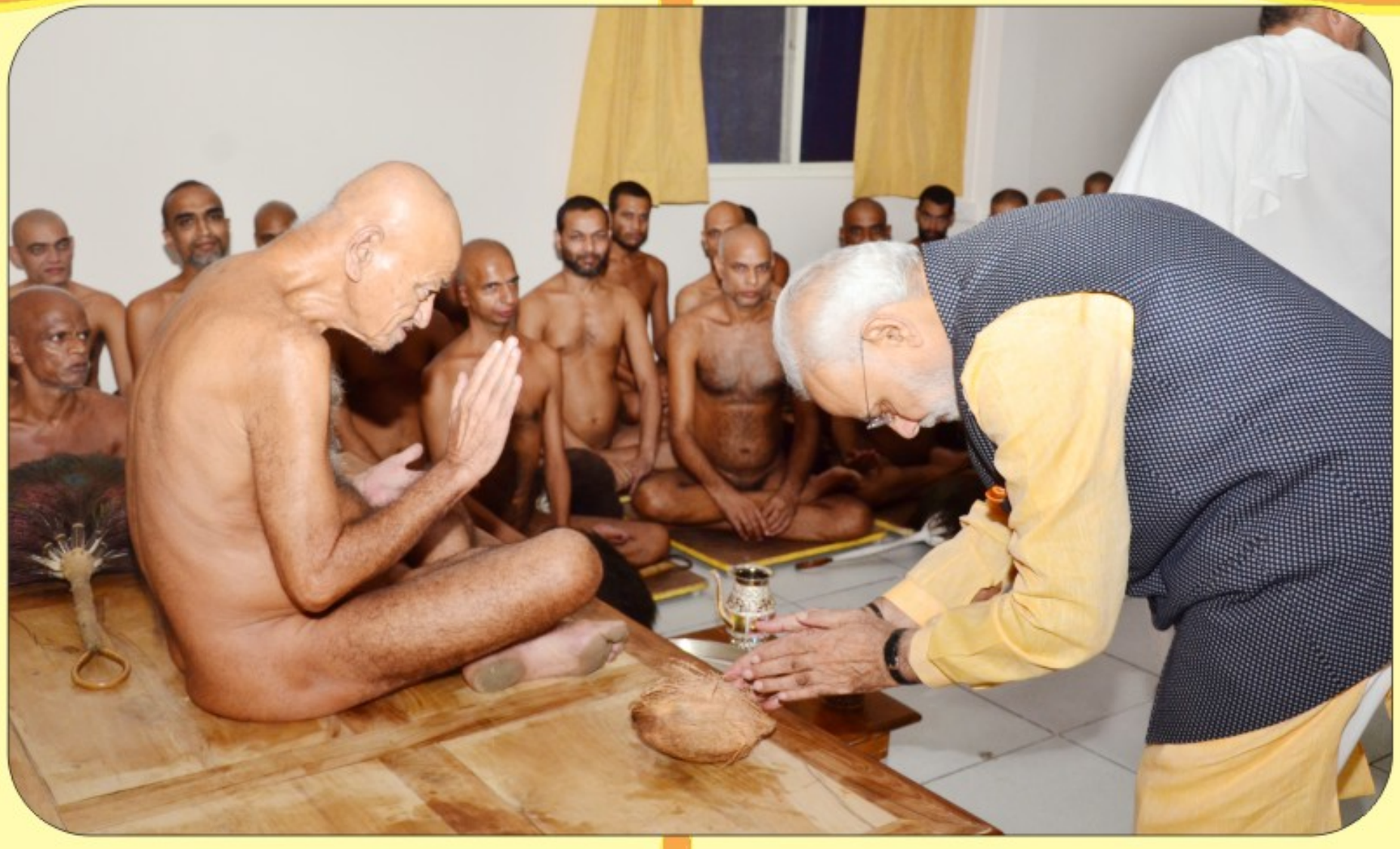

आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज के दर्शन करते हुए भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी

साधु जीवन दर्शन

प्रकाशक – जैन विद्यापीठ सागर (म.प्र.)

कृति	:	**'साधु जीवन दर्शन'** (साधुओं का जीवन परिचय)
मार्गदर्शक	:	प.पू. मुनि श्री १०८ अजितसागर जी महाराज प.पू. मुनि श्री १०८ भावसागर जी महाराज
प्रसंग	:	सर्वश्रेष्ठ साधक परम पूज्य आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज का ५३ वाँ मुनि दीक्षा दिवस
संकलन/संयोजना	:	नरेश जैन (गोपाल एग्रो इंडस्ट्रीज सी.एम. मसाले) राजनांदगांव (छ.ग.) ९४२५२३८२७१
वेवसाइट/ एप	:	www.vidyasagar.guru
ग्राफिक्स/ डिजाइन	:	१. सौभाग्य सोधिया, पनागर १७९३७७४५८ २. दीपक जैन, आकृति प्रिन्टर्स, बीना ९९८१३३१७००
प्रकाशक एवं प्राप्ति स्थल	:	जैन विद्यापीठ भाग्योदय तीर्थ, सागर (म.प्र.) चलित दूरभाष ९१०९०९०२२२, ९१०९०९०१११
सहयोग राशि	:	पुनः प्रकाशन हेतु

अधिकार- किसी को भी प्रकाशित करने का अधिकार है, किन्तु स्वरूप, ग्रन्थ का नाम, लेखक, सम्पादक एवं स्तर परिवर्तन न करें, हम आपके सहयोग के लिए तत्पर हैं, प्रकाशन के पूर्व हमसे लिखित अनुमति अवश्य प्राप्त करें। आप इसे डाउनलोड भी कर सकते हैं।

भावाभिव्यक्ति

आज साधुओं के पास कम लोग जा पाते हैं कदाचित् जाकर उनके बारे में पूछते हैं तो प्राय: साधु अपना परिचय नहीं बताते हैं, इसलिये यह कृति तैयार हुयी है। इसमें बाल ब्रह्मचारी संघ नायक आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के शिष्यों की प्रेरणा/मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। फिर कई श्रावकों का भी परिश्रम रहा। कई वर्षो में कार्य हो पाया है। इसके पूर्व भी कई पुस्तकें निकली है, जिनमें साधुओं का परिचय था। उनको देखकर लोगों ने तारीफ की और कहा कि पूरे संघ का हो जाये तो अच्छा रहेगा। लोगों की माँग देखकर यह **''साधु जीवन दर्शन''** कृति भी तैयार हुयी है इसमें कुछ जानकारियाँ अधूरी है पूर्ण करने का प्रयास किया लेकिन प्राप्त नहीं हो पाई है। इसके संकलन में मुनि श्री १०८ योगसागर जी, मुनि श्री १०८ सुधासागर जी, मुनि श्री १०८ प्रमाणसागर जी, मुनि श्री १०८ प्रशांतसागर जी, मुनि श्री १०८ निर्वेगसागर जी, मुनि श्री १०८ प्रसादसागर जी, मुनि श्री १०८ अभयसागर जी, मुनि श्री १०८ अजितसागर जी, मुनि श्री १०८ संभवसागर जी, मुनि श्री १०८ पूज्यसागर जी, मुनि श्री १०८ विमलसागर जी, मुनि श्री १०८ अनंतसागर जी, मुनि श्री १०८ धर्मसागर जी, मुनि श्री १०८ वीरसागर जी, मुनि श्री १०८ विशालसागर जी, मुनि श्री १०८ अचलसागर जी, मुनि श्री १०८ धवलसागर जी, मुनि श्री १०८ अतुलसागर जी, मुनि श्री १०८ भावसागर जी, क्षुल्लक श्री १०५ धैर्यसागर जी महाराज आदि ने सहयोग दिया है। अन्य कार्य में बहुत सारे लोगों ने सहयोग किया है जिनमें प्रमुख है ब्र. संजय भैया (पनागर) इंदौर, ब्र. भरत भैया (धर्मोदय साहित्य), चित्र संयोजना में ब्र. मनोज भैया (लल्लन) जबलपुर सौभाग्य सोधिया (सोधिया प्रिंटर्स) पनागर, अनिल (तिवरी) नागपुर, आदीश्वर जैन बैगलुरु, प्रदीप पाटनी ''रत्नाकर'' जयपुर, सुमित जैन सोमी (बैंक) सिवनी, रोहित जैन (सी.ए.) मंडला आदि ने सहयोग दिया है। यह कार्य लगभग१२ वर्षों में हो पाया है। यदि कुछ त्रुटि हो तो अवगत करायें जिससे आगे सुधार किया जा सके।

गुरु चरण चंचरीक
ब्र. डॉ. आशीष, पनागर

पुण्यार्जक परिवार

श्री प्रेमचंद – श्रीमती पदमा जैन गुना (म.प्र.)

श्री विवेक कुमार – श्रीमती सुषमा जैन

कु. वैशाली, कु. वैशालिका जैन सिंगापुर

पुण्यार्जक परिवार

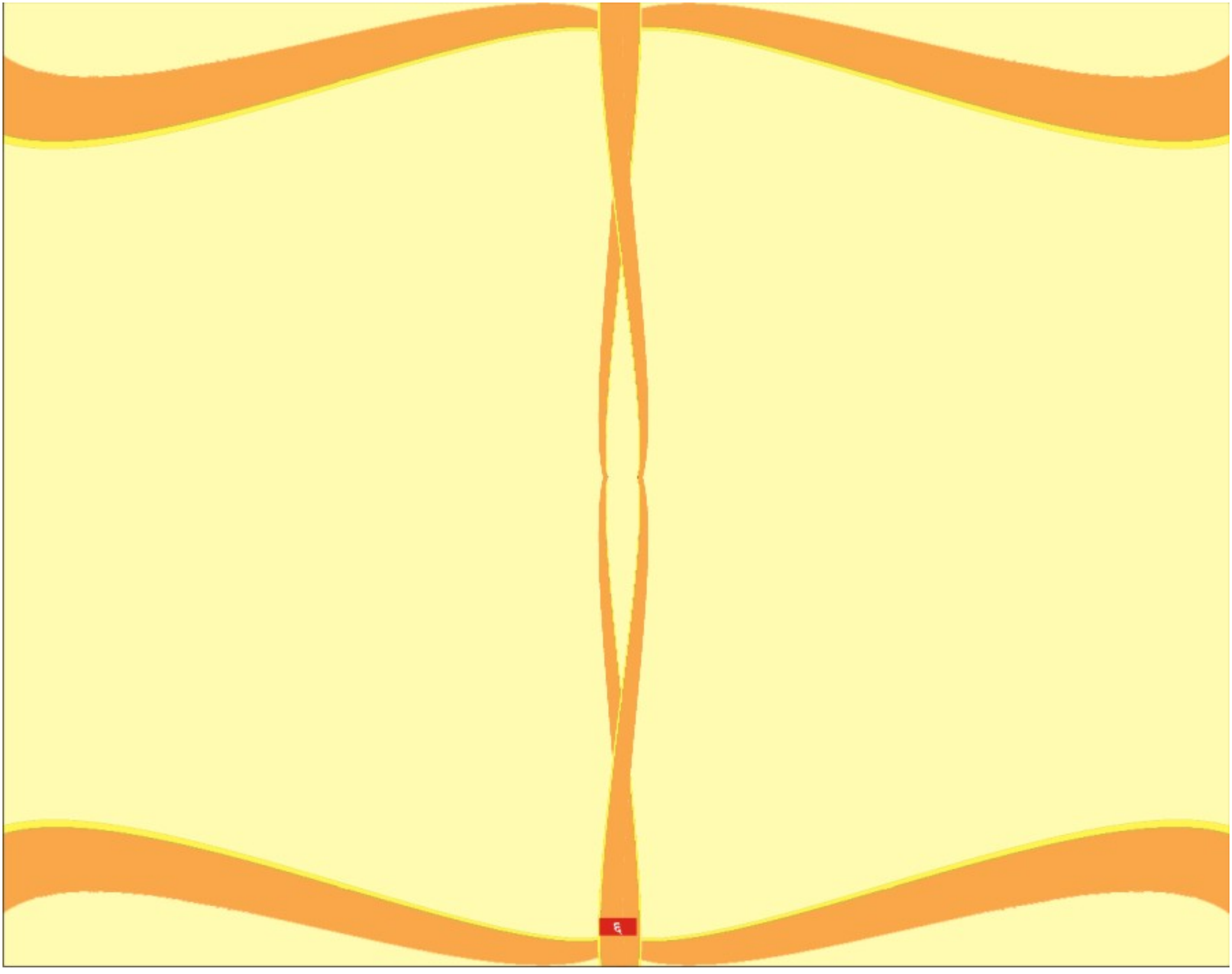

विशिष्ट सहयोगी/प्राप्ति स्थान

१. नरेश जैन (गोपाल एग्रो प्रोडक्ट, सी.एम. मसाले), राजनादगांव (छ.ग.)
मो.: ९४२५२३८२७१

२. अनिल जैन (तिवरी) आदि ट्रेडर्स नागपुर (महा.) मो.: ९४२२११४१८०

३. इंजी. संजीव नायक देवरी जिला-सागर (म.प्र.) मो.: ९८९३९९१२४४

४. अंकुर जैन (गुरुवर ट्रेडर्स) सागर (म.प्र.) मो.: ९४२४४२७३३६

५. प्रदीप पाटनी ''रत्नाकर'' जयपुर मो.: ९८२९०१५८१९

६. सौरभ चौधरी (पनागर) जबलपुर (म.प्र.) मो.: ९१३१२०६२८६, ९९८१८५८९८७

७. रोहित जैन (सी.ए.) मंडला (म.प्र.) मो.: ९४२५१६५०५८

८. प्रयास जैन मडंला (म.प्र.) मो.:९७७००२५७३८

९. सुमित जैन (सोमी), (सहकारी बैंक) सिवनी (म.प्र.) मो.:९४०७०१४५१०

१०. लकी जैन, लकी कलर लैंब छिन्दवाड़ा (म.प्र.) मो.: ९४२४३४२७३०

११. सजल जैन (गोल्डी मेचिंग सेंटर जबलपुर मो.: ९४२४३११३७०

१२. शुलभ जैन पुणे (म.प्र.) मो.: ९१५८८८२१९८

१३. प्रवीण जैन (उज्जैन वाले) बीना जिला-सागर (म.प्र.) मो.: ९८२७८११९५३

१४. राजीव जैन (वसाहरी वाले) बीना जिला-सागर (म.प्र.) मो.: ९८२६५५७७७१

१५.

१६.

आचार्य श्री विद्यासागर जी की साहित्य साधना

संस्कृत शतकम् - १. शारदा स्तुति शतकम् २. श्रमण शतकम् ३. निरंजन शतकम् ४.भावना शतकम् ५. परीषहजय शतक ६. सुनीति शतकम् ७. चेतन्यचन्द्रोदय शतकम् ८. धीवरोदय शतकम्।

हिन्दी काव्य - ९. मूकमाटी महाकाव्य १०. नर्मदा का नरम कंकर ११. डूबो मत, लगाओ डूबकी १२. तोता क्यों रोता ? १३. चेतना के गहराव में ।

स्तुति सरोज - १४. आचार्य श्री शांतिसागर जी स्तुति १५. आचार्य श्री वीरसागर जी स्तुति १६. आचार्य श्री शिवसागर जी स्तुति १७. आचार्य श्री ज्ञानसागर जी स्तुति ।

१८.अध्यात्म-भक्तिगीत, हिन्दी शतक - १९. निजानुभव शतक २०. मुक्तक शतक २१. श्रमण शतक २२. निरंजन शतक २३.भावनाशतक २४. परीषहजय शतक २५. सुनीति शतक २६. दोहादोहन शतक (मंगल कामना) २७. पूर्णोदय शतक २८. सूर्योदय शतक २९. सर्वोदय शतक ३० जिनस्तुति शतक ३१.चेतन्य चन्द्रोदय शतक ३२. धीवरोदय शतक ३३.विन्जाणु वेक्खा प्राकृत ३४. कन्नड़ कविता ३५. बंगला कविता ३६. अंग्रेजी कविता ३७. ५०० से अधिक हाइकू कवितावली ३८. शताधिक प्रकाशित प्रवचनावली 30. त्रिसहस्राधिक अप्रकाशित प्रवचनावली।

पद्यानुवाद - १. कुन्दकुन्द का कुन्दन (समयसार) २.निजामृतपान (समयसार कलश) ३. अष्टपाहुड ४. नियमसार ५. बारस अणुवेक्खा ६. पंचास्तिकाय ७. इष्टोपदेश (बसंततिलका छंद) ८. प्रवचनसार ९. समाधि सुधा शतक (समाधि शतक) १०. नवभक्तियाँ (आचार्य पूज्यपादकृत) सिद्धभक्ति, चैत्यभक्ति, पंचमहागुरु भक्ति, शांति भक्ति, योगि भक्ति, आचार्य भक्ति, चारित्र भक्ति, निर्वाण भक्ति, नंदीश्वर भक्ति ११.समन्तभद्र की भद्रता (स्वयंभू स्तोत्र) १२. रयणमंजूषा (रत्नकरंडक श्रावकाचार) १३. आप्त मीमांसा(देवागम स्तोत्र) १४. द्रव्यसंग्रह (वसंततिलका छंद) १५. गोमटेश अष्टक १६. योगसार १७. आप्त परीक्षा १८. जैन गीता (समण सुत्तं) १९. कल्याण मंदिर स्तोत्र २०. एकीभाव स्तोत्र २१. जिनेन्द्र स्तुति २२. गुणोदय (आत्मानुशासन) २३. स्वरूप संबोधन २४. इष्टोपदेश (ज्ञानोदय) २५. द्रव्य संग्रह (ज्ञानोदय) **सृजन** - चेतन चद्रोदय, प्रवचन/कक्षा, स्वाध्याय समयोपदेश भाग १,२,३,४ (समयसार कक्षा) इष्टोपदेश कक्षा, दिव्योप देश (द्रव्य संग्रह) प्रवचन सार कक्षा गुरुवर्यम।

अप्रकाशित - भगवती आराधना कक्षा, रत्नकरण्डक श्रावकाचार कक्षा, राजवर्तिक कक्षा, पंचास्तिकाय, श्रुत आराधना भाग १,२,३।

मूकमाटी रचयिता आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज द्वारा दीक्षित साधुओं का विवरण ०७-०४-२०२१

अभी तक कुल दीक्षा	
मुनि दीक्षा	१३०
आर्यिका दीक्षा	१७२
एलक दीक्षा	२२
क्षुल्लक दीक्षा	१४
क्षुल्लिका दीक्षा	०३
कुल दीक्षा	**३४१**

वर्तमान में प्रभावनारत् साधु	
मुनि	१०६
आर्यिका	१५७
एलक	०६
क्षुल्लक	०४
क्षुल्लिका	००
कुल दीक्षा	**२७५**

समाधिस्थ साधु	
मुनि	११
आर्यिका	०९
एलक	०२
क्षुल्लक	०४
क्षुल्लिका	०३
कुल दीक्षा	**२९**

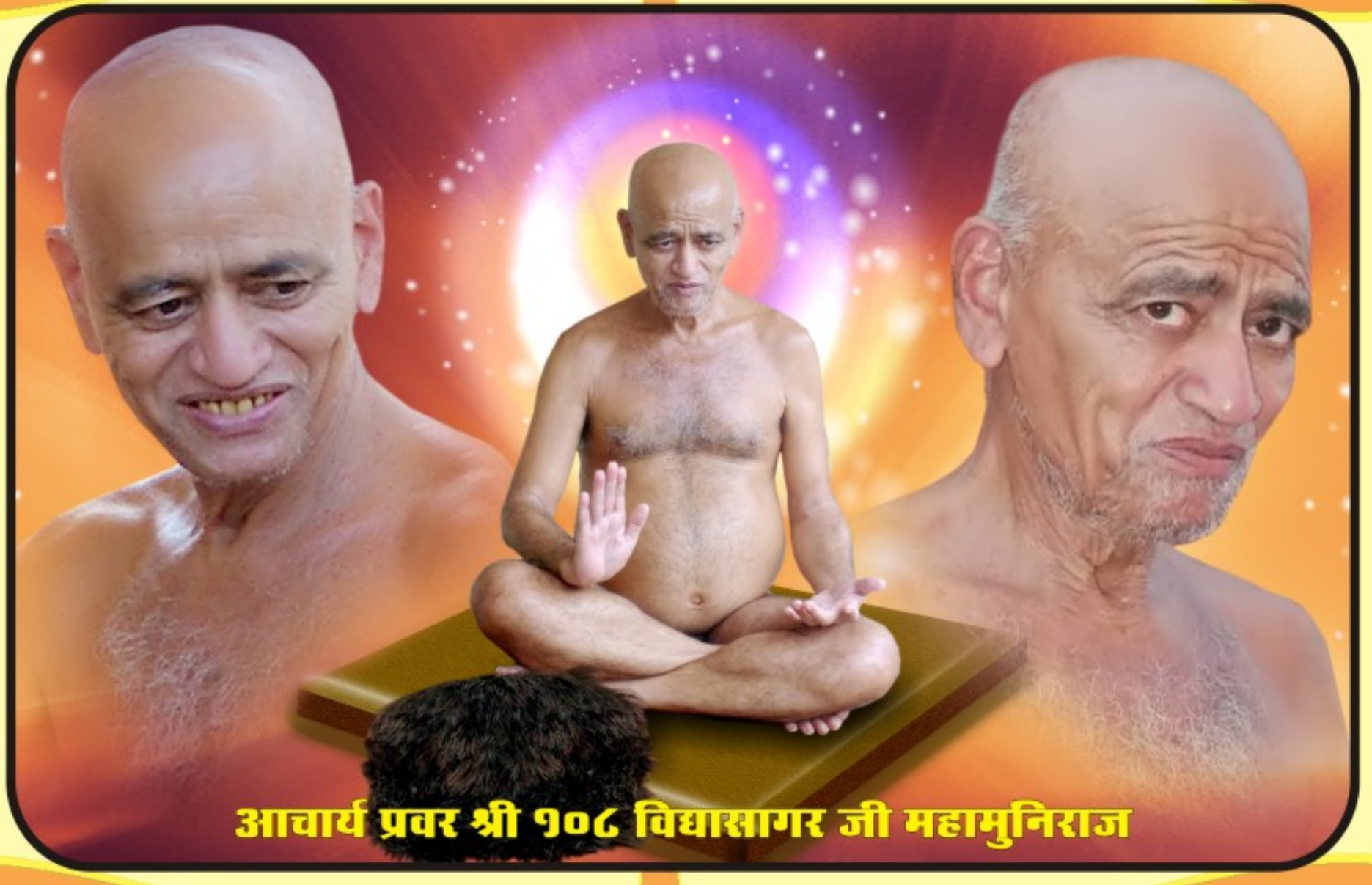
आचार्य प्रवर श्री १०८ विद्यासागर जी महामुनिराज

आद्य वक्तव्य

युग बीतते हैं, सृष्टियाँ बदलती हैं, दृष्टियों में भी परिवर्तन आता है। कई युगदृष्टा जन्म लेते हैं। अनेकों की सिर्फ स्मृतियाँ शेष रहती है, लेकिन कुछ व्यक्तित्व अपनी अमर गाथाओं को चिरस्थाई बना देते हैं। उन्हीं महापुरुषों का जीवन अक्षरों में लिखा जाता है, जो असंख्य जनमानस के जीवन को घने तिमिर से निकालकर उज्ज्वल प्रकाश से प्रकाशित कर देते हैं। ऐसे ही निरीह, निर्लिप्त, निरपेक्ष, अनियत बिहारी एवं स्वावलम्बी जीवन जीने वाले युगपुरुषों की सर्वोच्च श्रेणी में नाम आता है दिगम्बर जैनाचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का, जिन्होंने स्वेच्छा से अपने जीवन को पूर्ण वीतरागमय बनाया। त्याग और तपस्या से स्वयं को श्रृंगारित किया। स्वयं के रूप को संयम के ढाँचे में ढाला। अनुशासन को अपनी ढाल बनाया और तैयार कर दी हजारों संयमी युवाओं की सुगठित धर्मसेना।

सैकड़ों मुनिराज, आर्यिकाएँ, ब्रह्मचारी भाई-बहिनें। जो उनकी छविमात्र को निहार-निहार कर चल पड़े घर-द्वार छोड़ उनके जैसा बनने के लिए। स्वयं चिद्रूप, चिन्मय स्वरूप बने और अनेक चैतन्य कृतियों का सृजन करते चले गये जो आज भी अनवरत जारी है। इतना ही नहीं अनेक भव्य श्रावकों की सल्लेखना कराकर हमेशा-हमेशा के लिए भव-भ्रमण से मुक्ति का सोपान भी प्रदान किया है।

महामनीषी, प्रज्ञा सम्पन्न गुरुवर की कलम से अनेक भाषाओं में अनुदित मूकमाटी जैसे क्रान्तिकारी- आध्यात्मिक-महाकाव्य का सृजन हुआ। जिस पर अनेक साहित्यकारों ने अपनी कलम चलायी परिणामतः मूकमाटी मीमांसा के खण्ड प्रकाशित हुए। आपके व्यक्तित्व और कर्तृत्व पर लगभग 50 शोधार्थियों ने डी.लिट्. पी-एच.डी. की उपाधि प्राप्त की।

अनेक भाषाओं के ज्ञाता आचार्य भगवन् की कलम से जहाँ अनेक ग्रन्थों के पद्यानुवाद किए गए तो वहीं नवीन संस्कृत और हिन्दी भाषा में छन्दोबद्ध रचनायें भी सृजित की गई। सम्पूर्ण विद्वत्जगत् आपके साहित्य का वाचन कर अचंभित हो जाता है। एक ओर अत्यन्त निस्पृही, वीतरागी छवि तो दूसरी ओर मुख से निर्झरित होती अमृतध्वनि को शब्दों की बजाय हृदय से ही समझना श्रेयस्कर होता है।

प्राचीन जीर्ण-शीर्ण पड़े उपेक्षित तीर्थक्षेत्रों पर वर्षायोग, शीतकाल एवं ग्रीष्मकाल में प्रवास करने से समस्त तीर्थक्षेत्र पुनर्जाग्रत हो गए। श्रावकवृन्द अब आये दिन तीर्थों की वंदनार्थ घरों से निकलने लगे और प्रारम्भ हो गई जीर्णोद्धार की महती परम्परा। प्रतिभास्थलियों जैसे शैक्षणिक संस्थान, भाग्योदय तीर्थ पूर्णायु जैसा चिकित्सा सेवा संस्थान, मूकप्राणियों के संरक्षणार्थ सैकड़ों गौशालाएँ, "भारत को इण्डिया नहीं भारत ही कहो का नारा", स्वरोजगार के तहत 'पूरी मैत्री' और 'हथकरघा' जैसे वस्त्रोद्योग की प्रेरणा देने वाले जगत् के आप इकलौते और अलबेले संत हैं।

कितना लिखा जाये आपके बारे में शब्द बौने और कलम पंगु हो जाती है, लेकिन भाव विश्राम लेने का नाम ही नहीं लेते।

यह वर्ष आपकी मुनि दीक्षा का स्वर्णिम काल है। भारतीय समुदाय का स्वर्णित काल है यह। आपके स्वर्णिम आभामण्डल तले यह वसुधा भी स्वयं को स्वर्णमयी बना लेना चाहती है। आपकी एक-एक पदचाप से उसे धन्य कर रही है। आपका एक-एक शब्द कृतकृत कर रहा है। एक नई रोशनी और ऊर्जा से भर गया है हर वह व्यक्ति जिसने क्षणभर को भी आपकी पावन निश्रा से श्वांसे ली हैं।

आपकी प्रज्ञा से प्रस्फुटित साहित्य आचार्य परम्परा की महान् धरोहर है। आचार्य धरसेनस्वामी, समन्तभद्र स्वामी, आचार्य अकलंकदेव, स्वामी विद्यानंदीजी, आचार्य पूज्यपाद महाराज जैसे श्रुतपारगी मुनियों की श्रृंखला को ही गुरुनाम गुरु महाकवि आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज, तदुपरांत आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज ने यथावत् प्रतिपादित करते हुए श्रमण संस्कृति की इस पावन धरोहर को चिरस्थायी बना दिया है।

यही कारण है कि आज भारतवर्षीय विद्वतवर्ग, श्रेष्ठीवर्ग एवं श्रावकसमूह आचार्य प्रवर की साहित्यिक कृतियों को प्रकाशित कर श्रावकों के हाथों में पहुँचाने का संकल्प ले चुका है। केवल आचार्य भगवन् द्वारा सृजित कृतियाँ ही नहीं बल्कि संयम स्वर्ण महोत्सव के इस पावन निमित्त को पाकर प्राचीन आचार्यों द्वारा प्रणीत अनेक ग्रंथों का भी प्रकाशन जैन विद्यापीठ द्वारा किया जा रहा है।

समस्त ग्रन्थों का शुद्ध रीति से प्रकाशन अत्यन्त दुरूह कार्य है। इस संशोधन आदि के कार्य को पूर्ण करने में संघस्थ मुनिराज, आर्यिका माताजी, ब्रह्मचारी भाई-बहिनों ने अपना अमूल्य सहयोग दिया। उन्हें जिनवाणी माँ की सेवा का अपूर्व अवसर मिला, जो सातिशय पुण्यार्जन तथा कर्मनिर्जरा का साधन बना।

जैन विद्यापीठ आप सभी के प्रति कृतज्ञता से ओतप्रोत है और आभार व्यक्त करने के लिए उपयुक्त शब्द खोजने में असमर्थ है।

गुरु चरण चंचरीक

आचार्य श्री विद्यासागर जी की त्याग साधना

आजीवन नमक, गुड़ शक्कर, हरी फल साग, तेल का त्याग। चटाई का त्याग। सूखे मेवा का त्याग। सभी प्रकार के भौतिक साधनों का त्याग। थूकने का त्याग। एक करवट से शयन। पूरे भारत में सबसे ज्यादा दीक्षा देने वाले। पूरे भारत में एक मात्र ऐसा संघ जो प्रायः बाल ब्रह्मचारी है। पूरे भारत में एक ऐसे आचार्य जिनका लगभग पूरा परिवार ही संयम के साथ मोक्षमार्ग पर चल रहा है। अनियत विहारी, प्रचार-प्रसार से दूर। नीरस आहार लेकर भी सरस व्यक्तित्व के धनी आचार्य श्री ने जनकल्याण के भाव से कई चेतन व अचेतन कृतियों का सृजन किया हैं।

बाल ब्रह्मचारी संघ नायक दिगम्बर जैनाचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज द्वारा प्रदत्त मुनि दीक्षाएँ

	स्थान	दिनाँक	मुनि दीक्षाएँ
१.	श्री सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरी जी (म.प्र.)	०८ मार्च १९८०	०१
२.	श्री मोराजी, सागर (म.प्र.)	१५ अप्रैल १९८०	०२
३.	श्री सिद्धक्षेत्र नैनागिर जी (म.प्र.)	२९ अक्टूबर १९८१	०२
४.	श्री सिद्धक्षेत्र नैनागिर जी (म.प्र.)	२० अगस्त १९८२	०३
५.	श्री तीर्थ क्षेत्र ईसरी जी (झारखंड)	२५ सितम्बर १९८३	०५
६.	श्री सिद्धक्षेत्र आहार जी (म.प्र.)	०१ जुलाई १९८५	०१
७.	श्री सिद्धक्षेत्र सोनागिर जी (म.प्र.)	३१ मार्च १९८८	०८
८.	श्री सिद्धक्षेत्र नेमावर जी (म.प्र.)	१६ अक्टूबर १९९७	१०
९.	श्री सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरि जी (म.प्र.)	११ फरवरी १९९८	०९
१०.	श्री सिद्धक्षेत्र नेमावर जी (म.प्र.)	११ अप्रैल १९९९	२३
११.	श्री दयोदय तीर्थ, जबलपुर जी (म.प्र.)	२१ अगस्त २००४	२५
१२.	श्री अतिशय तीर्थ क्षेत्र रामटेक (महाराष्ट्र)	१० अगस्त २०१३	२४
१३.	श्री तीर्थक्षेत्र शीतलधाम, विदिशा (म.प्र.)	१६ अक्टूबर २०१४	०४
१४.	श्री अतिशय क्षेत्र बीना वारहा (म.प्र.)	३१ जुलाई २०१५	०३
१५.	आ. श्री विद्यासागर गौशाला ललितपुर (उ.प्र.)	२८ नवम्बर २०१८	१०
		कुल संख्या	१३०

बाल ब्रह्मचारी संघ नायक दिगम्बर जैनाचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज द्वारा प्रदत्त आर्यिका दीक्षाएँ

	स्थान	दिनाँक	आर्यिका दीक्षाएँ
१.	श्री सिद्धक्षेत्र नैनागिरि जी (म.प्र.)	१० फरवरी १९८७	११
२.	श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी (म.प्र.)	०७ अगस्त १९८९	०८
३.	श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी (म.प्र.)	०९ अगस्त १९८९	०१
४.	नरसिंहपुर (म.प्र.)	२० फरवरी १९९०	०५
५.	नरसिंहपुर (म.प्र.)	२३ फरवरी १९९०	०२
६.	श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी (म.प्र.)	०४ जुलाई १९९२	१५
७.	श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी (म.प्र.)	०७ जुलाई १९९२	०२
८.	श्री अतिशय क्षेत्र पिसनहारी मढ़िया जबलपुर	२५ फरवरी १९९३	२५
९.	श्री अतिशय तीर्थक्षेत्र जी रामटेक (महा.)	१९ अगस्त १९९३	०१
१०.	श्री तीर्थक्षेत्र रामटेक (महा.)	२८ अगस्त १९९३	०१
११.	श्री सिद्धक्षेत्र सिद्धोदय नेमावर जी (म.प्र.)	०६ जून १९९७	२९
१२.	श्री सिद्धक्षेत्र सिद्धोदय नेमावर जी (म.प्र.)	१८ अगस्त १९९७	१४
१३.	श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डपुर जी (म.प्र.)	१३ फरवरी २००६	५८
		कुल संख्या	१७२

बाल ब्रह्मचारी संघ नायक दिगम्बर जैनाचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज द्वारा प्रदत्त एलक दीक्षाएँ

	स्थान	दिनाँक	एलक दीक्षाएँ
१.	श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी (म.प्र.)	१० जुलाई १९७७	०१
२.	श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी (म.प्र.)	१९ नवम्बर १९७७	०१
३.	श्री सिद्धक्षेत्र नैनागिर जी (म.प्र.)	०२ अक्टूबर १९७८	०१
४.	श्री सिद्धक्षेत्र नैनागिर जी (म.प्र.)	२१ अक्टूबर १९७८	०१
५.	श्री सिद्धक्षेत्र नैनागिर जी (म.प्र.)	१० जनवरी १९८०	०१
६.	श्री सिद्धक्षेत्र नैनागिर जी (म.प्र.)	१४ जनवरी १९८०	०२
७.	श्री सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरि जी (म.प्र.)	०७ नवम्बर १९८०	०१
८.	श्री सिद्धक्षेत्र नैनागिर जी (म.प्र.)	सितम्बर १९८१	०१
९.	श्री अतिशय क्षेत्र बीना बारहा (म.प्र.)	१० फरवरी १९८२	०१
१०.	श्री मोराजी, सागर (म.प्र.)	१५ अप्रैल १९८२	०३
११.	श्री सिद्धक्षेत्र मधुवन सम्मेदशिखर जी	२० फरवरी १९८३	०७
१२.	श्री अतिशय क्षेत्र थूवौन जी (म.प्र.)	१० जुलाई १९८७	०७
१३.	श्री अतिशय क्षेत्र पिसनहारी मढ़िया जबलपुर	२८ जुलाई १९८८	०४
१४.	श्री सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरि जी (म.प्र.)	२५ जुलाई १९९१	०८
१५.	श्री अतिशय क्षेत्र रामटेक जी (महा.)	२१ जुलाई १९९४	०१
१६.	श्री अतिशय क्षेत्र महुआ जी (गुज.)	२१ अगस्त १९९६	०४
१७.	श्री सिद्धक्षेत्र गिरनार जी (गुज.)	१९ दिसम्बर १९९६	०५
१८.	श्री सिद्धक्षेत्र सिद्धवरकूट जी (म.प्र.)	०१ अप्रैल १९९७	०१
१९.	श्री सिद्धक्षेत्र सिद्धवरकूट जी (म.प्र.)	१३ अप्रैल १९९७	०१
२०.	श्री सिद्धक्षेत्र नेमावर जी (म.प्र.)	०५ जनवरी १९९८	०६
२१.	गंजबासौदा जि. विदिशा (म.प्र.)	१५ फरवरी २००८	०१
२२.	श्री सिद्धक्षेत्र नेमावर जी (म.प्र.)	०७ अप्रैल २०२१	०१
		कुल	५७

बाल ब्रह्मचारी संघ नायक दिगम्बर जैनाचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज द्वारा प्रदत्त क्षुल्लक दीक्षाएँ

	स्थान	दिनाँक	क्षुल्लक दीक्षाएँ
१.	श्री सिद्धक्षेत्र सोनागिर जी (म.प्र.)	१८ दिसम्बर १९७५	०४
२.	श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी (म.प्र.)	०२ नवम्बर १९७६	०२
३.	श्री सिद्धक्षेत्र नैनागिर जी (म.प्र.)	०२ नवम्बर १९७८	०२
४.	श्री सिद्धक्षेत्र नैनागिर जी (म.प्र.)	१० जनवरी १९८०	०५
५.	श्री तीर्थक्षेत्र श्री ईसरी जी (झारखंड)	१५ अप्रैल १९८३	०१
६.	श्री सिद्धक्षेत्र आहार जी (म.प्र.)	०८ नवम्बर १९८५	०९
७.	श्री सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरि जी (म.प्र.)	१५ दिसम्बर १९८५	०१
८.	श्री सिद्धक्षेत्र नैनागिर जी (म.प्र.)	१० फरवरी १९८७	१२
९.	श्री सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरि जी (म.प्र.)	१६ मई १९९१	०७
१०.	श्री सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरि जी (म.प्र.)	२५ जुलाई १९९१	०१
११.	श्री तीर्थक्षेत्र रामटेक (महा.)	२३ जुलाई १९९४	०१
१२.	श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी (म.प्र.)	२३ सितम्बर १९९४	०१
१३.	श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी (म.प्र.)	०७ अक्टूबर १९९४	०३
१४.	श्री सिद्धक्षेत्र तारंगा जी (गुजरात)	२० अप्रैल १९९६	०७
१५.	श्री सिद्धक्षेत्र सिद्धवरकूट जी (म.प्र.)	०१ अप्रैल १९९७	०१
१६.	श्री सिद्धक्षेत्र नेमावर जी (म.प्र.)	०९ अगस्त १९९७	०७
		कुल संख्या	६४

	स्थान	दिनाँक	क्षुल्लिका दीक्षाएँ
१.	श्री सिद्धक्षेत्र आहार जी (म.प्र.)	०८ नवम्बर १९८५	०१
२.	श्री सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरि जी (म.प्र.)	१९ सितम्बर १९९१	०१
३.	श्री तीर्थ श्री मढ़िया जी, जबलपुर (म.प्र.)	२८ दिसम्बर१९९२	०१
		कुल संख्या	०३

बाल ब्रह्मचारी संघ नायक दिगम्बर जैनाचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज के चार्तुमास

क्र.	सन्	स्थान
१	१९६८	अजमेर (राजस्थान)
२	१९६९	केशरगंज, अजमेर (राजस्थान)
३	१९७०	किशनगढ़ - अजमेर (राजस्थान)
४	१९७१	किशनगढ़-मदनगंज (राजस्थान)
५	१९७२	नसीराबाद (राजस्थान)
६	१९७३	व्यावर, अजमेर (राजस्थान)
७	१९७४	सोनी जी की नसियाँ, अजमेर (राजस्थान)
८	१९७५	फिरोजाबाद (उ.प्र.)
९	१९७६	श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी (म.प्र.)
१०	१९७७	श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी (म.प्र.)
११	१९७८	श्री सिद्धक्षेत्र नैनागिर जी (म.प्र.)
१२	१९७९	श्री सिद्धक्षेत्र थूवौन जी (म.प्र.)
१३	१९८०	श्री सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरि जी (म.प्र.)
१४	१९८१	श्री सिद्धक्षेत्र नैनागिर जी (म.प्र.)
१५	१९८२	श्री सिद्धक्षेत्र नैनागिर जी (म.प्र.)
१६	१९८३	श्री तीर्थक्षेत्र ईसरी, गिरीडीह (झारखंड)
१७	१९८४	श्री तीर्थक्षेत्र पिसनहारी मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
१८	१९८५	श्री सिद्धक्षेत्र अहार जी (म.प्र.)
१९	१९८६	श्री अतिशय क्षेत्र पपौरा जी (म.प्र.)
२०	१९८७	श्री अतिशय क्षेत्र थूवौन जी (म.प्र.)
२१	१९८८	श्री तीर्थक्षेत्र पिसनहारी मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
२२	१९८९	श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी (म.प्र.)
२३	१९९०	श्री सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरि जी (म.प्र.)
२४	१९९१	श्री सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरि जी (म.प्र.)
२५	१९९२	श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी (म.प्र.)
२६	१९९३	श्री अतिशय क्षेत्र रामटेक जी (महाराष्ट्र)
२७	१९९४	श्री अतिशय क्षेत्र रामटेक जी (महाराष्ट्र)

क्र.	सन्	स्थान
२८	१९९५	श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी (म.प्र.)
२९	१९९६	श्री अतिशय क्षेत्र महुआ जी (गुजरात)
३०	१९९७	श्री सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जी (म.प्र.)
३१	१९९८	श्री सर्वोदय तीर्थ अमरंटक (म.प्र.)
३२	१९९९	श्री अतिशय क्षेत्र गोम्मटगिरि जी, इन्दौर (म.प्र.)
३३	२०००	श्री सर्वोदय तीर्थ अमरंटक (म.प्र.)
३४	२००१	श्री दयोदय तीर्थ, जबलपुर (म.प्र.)
३५	२००२	श्री सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र, नेमावर (म.प्र.)
३६	२००३	श्री सर्वोदय तीर्थ अमरंटक (म.प्र.)
३७	२००४	श्री दयोदय तीर्थ, जबलपुर (म.प्र.)
३८	२००५	श्री अतिशय क्षेत्र, बीना बारहा जी (म.प्र.)
३९	२००६	श्री सर्वोदय तीर्थ अमरंटक (म.प्र.)
४०	२००७	श्री अतिशय क्षेत्र, बीना बारहा जी (म.प्र.)
४१	२००८	श्री अतिशय रामटेक जी (महाराष्ट्र)
४२	२००९	श्री सर्वोदय तीर्थ अमरंटक (म.प्र.)
४३	२०१०	श्री अतिशय क्षेत्र, बीना बारहा जी (म.प्र.)
४४	२०११	श्री तीर्थ क्षेत्र चंद्रगिरि, डोंगरगढ़ (छ.ग.)
४५	२०१२	श्री तीर्थ क्षेत्र चंद्रगिरि, डोंगरगढ़ (छ.ग.)
४६	२०१३	श्री अतिशय क्षेत्र रामटेक जी (महाराष्ट्र)
४७	२०१४	श्री तीर्थक्षेत्र शीतलधाम, विदिशा (म.प्र.)
४८	२०१५	श्री अतिशय क्षेत्र, बीना बारहा जी (म.प्र.)
४९	२०१६	श्री दिगम्बर जैन मंदिर, हबीबगंज भोपाल (म.प्र.)
५०	२०१७	श्री अतिशय क्षेत्र रामटेक जी (महाराष्ट्र)
५१	२०१८	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, खजुराहो (म.प्र.)
५२	२०१९	श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र, नेमावर (म.प्र.)
५३	२०२०	श्री दिगम्बर जैन तीर्थोधाम, इंदौर (म.प्र.)

गुरु चरणों में समर्पित

संकलन में सहयोगी :- नरेश जैन (गोपाल एग्रो इंडस्ट्रीज) राजनांदगांव (छत्तीसगढ़), आदीश्वर जैन (महावीरा ट्रांसपोर्ट) वैगलुरु, इंजी. संजीव नायक देवरी ,**नागपुर** - अनिल (तिवरी)अंकुर जैन (गुरूवर ट्रेडर्स) सागर, अभिषेक चौधरी,सप्रेम जैन डोगरगढ़, निशांत जैन 'संचार' डोगरगढ़, संदीप पटेल नागपुर, ब्र. चंद्रप्रकाश जैन (पुणे), शुलभ ''मोदी'' पुणे, नितिन (गोटेगांव) बैंगलुरु, सौरभ कठरया बंडा, पंकज ''बीना'' देवरी, गौरव मोदी देवरी, संजय शिक्षक देवरी,शुभम् बजाज, सार्थक बजाज देवरी, ब्र. शांतिकुमार पौनूरमलई (तमिलनाडू), **जबलपुर**- ब्र. मनोज भैया (लल्लन), राजेश जैन अप टू डेट प्रिंट मीडिया, अमित (विद्यासागर मोबाइल), सौरभ चौधरी (पनागर) जबलपुर, आलोक (जयश्री ऑयल) दुर्ग, प्रदीप पाटनी रत्नाकर (जयपुर), अर्पित बिलहरा, अरविंद कुमार बड़कुल (बिलहरा),अविनाश जैन (हरिभूमि) सागर, आशीष जैन बिलासपुर, आकाश पाटन **पनागर** - डॉ. ब्र. आशीष भैया पनागर, दीपक सिंघई, अनुज सिंघई, रत्नेश जैन, **तेन्दूखेड़ा** - संयम जैन लकी ट्रेडर्स, सिद्धार्थ ''मोदी'', ईलू, अभय ''अब्बू'', हीरो ''भाग्यश्री प्रोविजन'', शैलेष ''शैलू'' बड़कुल, नीतेश (गुड्डू बाम्बे) **खुरई**- ब्र. आकाश भैया, नरेश ''गुरहा'', अनूप खड्डर, राहुल जैन (राहुल कलेक्शन), विकास जैन पंडित, मयंक मोदी,पुष्पक जैन, कपिल नारधा, पारस दिवाकीर्ति, **मंडला** - अभिलाष जैन 'बंटी' सौरभ 'वाली', अमित (सखी साडी), अशोक (आदि मोबाइल), सौरभ 'निक्की ', सोमेश (सौरभ मोबाइल), अभिषेक (नीतेश), शैलेष 'छोटू', मुकेश बंटी (आर.के. लॉज), डॉ. नीरज, रोहित (सी.ए.), राजकुमार जैन (एल.आई.सी.), प्रयास जैन, **खितौला** - अमित जैन (एम.आर.), दीपेश ''शानू'', पारस, नीरज **शहपुरा (भिटौनी)** - प्राविन्स, नितिन गुमास्ता, शिवा (आइसक्रीम), शैलू, प्रभात सोनू भीटा, सिद्धार्थ (देवश्री), अजित (ऋषभ गारमेंट), संयोग **पिडरई**- विवेक, पारस, रोहित, सुनील जैन कम्प्यूटर, पारस (ज्वेलर्स), अनुज प्रजल, राहुल, निक्की, सुधीर, सुनील **केवलारी** - हनी, मयूर, **सिवनी**- चंदन, सुमित, 'सोमी', सोनू, सुबोध, बाझल (बाझल ऑफसेट) **छपारा**- पीयर्स जैन, आनंद जैन, रानू जैन (दीदी गारमेंट्स), सुदेश जैन, प्रियम टेंट, इंजी. अर्पित जैन (जबलपुर) **छिन्दवाड़ा** - सिद्धान्त जैन (शुभ टेंट सप्लायर्स), लकी जैन (लकी कलर लैब), अभिषेक कौशल, नवीन, प्रशांत, पुनीत, अमूल, जतिन, संचय, पीयूष, संजय (मामा), प्रणय गंगवाल, गोटेगांव, इंजी. अभिषेक, ब्र. अभिषेक भैया, मनोज भैया **करेली** - आशीष जैन टी.व्ही. न्यूज चैनल रिर्पोटर, सिद्धांत जैन एकंर, शिवा जैन, प्रशांत जैन, हर्ष जैन **देवरी** - सोनू जैन, अनिमेष जैन, अंशुल बजाज **दमोह** - रोहण जैन **खिमलासा** - सौरभ मोदी, सुयश मोदी (जानू), अमन मोदी, **बीना** - अंकित मोदी, राजीव वसाहरी, तनिष्क (मानू) वसाहरी, अतिशय, ईशान

ग्राफिक्स :- सौभाग्य ''सोधिया'' पनागर, प्रवीण ''दानपति'' खितौला, प्रदीप जैन (शिखा ग्राफिक्स), विदिशा, विपुल जैन (भारिल्य ग्राफिक्स) विदिशा, राहुल (ऑनलाईन) खुरई, दीपेश अनु कम्प्यूटर्स खुरई, सचिन 'सागर' विदिशा, सिद्धार्थ (एस.एन.कम्प्यूटर) तेन्दूखेड़ा, आशीष कम्प्यूटर्स, राहुल कम्प्यूटर्स, नीलेश जैन, आस्था कम्प्यूटर्स शहपुरा भिटौनी, दीपक जैन आकृति प्रिंटर्स, बीना।

फोटोग्राफी :- भोला ''फोटोग्राफर'' महाराजपुर, राजेश जैन (राजकुमार स्टूडियो) जबलपुर, मनीष 'माही' फोटोग्राफर डोगरगढ़ (छ.ग.), मानव ''अरिहंत'' पनागर, संघी फोटो जबलपुर, हिमांशू फोटो गौरझामर, विशू ''छायाघर'' जबलपुर, राकेश जैन 'निश्चय' सागर, विवेक जैन करेली, अमन जैन खिमलासा।

अनुक्रमणिका

क्रमांक		पृष्ठ क्र.
१.	आचार्य श्री शान्तिसागर जी महाराज (दक्षिण) (समाधिस्थ)	२१
२.	आचार्य श्री वीरसागर जी महाराज (समाधिस्थ)	२२
३.	आचार्य श्री शिवसागर जी महाराज (समाधिस्थ)	२३
४.	आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज (समाधिस्थ)	२४
५.	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज	२५-२६
६.	निर्यापक मुनि श्री समयसागर जी महाराज	२७
७.	निर्यापक मुनि श्री योगसागर जी महाराज	२८
८.	निर्यापक मुनि श्री नियमसागर जी महाराज	२९
९.	मुनि श्री चेतनसागर जी महाराज *	*
१०.	मुनि श्री ओमसागर जी महाराज *	*
११.	मुनि श्री क्षमासागर जी महाराज (समाधिस्थ)	३०
१२.	मुनि श्री गुप्तिसागर जी महाराज □	□
१३.	मुनि श्री संयमसागर जी महाराज (समाधिस्थ)	३१
१४.	निर्यापक मुनि श्री सुधासागर जी महाराज	३२
१५.	मुनि श्री समतासागर जी महाराज	३३
१६.	मुनि श्री स्वभावसागर जी महाराज (समाधिस्थ)	३४
१७.	मुनि श्री समाधिसागर जी महाराज □	□
१८.	मुनि श्री सरलसागर जी महाराज	३५
१९.	मुनि श्री वैराग्यसागर जी महाराज (समाधिस्थ)	३६
२०.	मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज	३७
२१.	मुनि श्री आर्जवसागर जी महाराज □	□
२२.	मुनि श्री मार्दवसागर जी महाराज	३८
२३.	मुनि श्री पवित्रसागर जी महाराज	३९
२४.	मुनि श्री उत्तमसागर जी महाराज	४०
२५.	मुनि श्री चिन्मयसागर जी महाराज (समाधिस्थ)	४१
२६.	मुनि श्री पावनसागर जी महाराज	४२
२७.	मुनि श्री सुखसागर जी महाराज	४३
२८.	मुनि श्री अर्पूवसागर जी महाराज (समाधिस्थ)	४४
२९.	मुनि श्री प्रशांतसागर जी महाराज	४५

क्रमांक		पृष्ठ क्र.
३०.	मुनि श्री निर्वेगसागर जी महाराज	४६
३१.	मुनि श्री विनीतसागर जी महाराज	४७
३२.	मुनि श्री निर्णयसागर जी महाराज	४८
३३.	मुनि श्री प्रबुद्धसागर जी महाराज	४९
३४.	मुनि श्री प्रवचनसागर जी महाराज (समाधिस्थ)	५०
३५.	मुनि श्री पुण्यसागर जी महाराज	५१
३६.	मुनि श्री पायसागर जी महाराज	५२
३७.	मुनि श्री प्रसादसागर जी महाराज	५३
३८.	मुनि श्री अभयसागर जी महाराज	५४
३९.	मुनि श्री अक्षयसागर जी महाराज	५५
४०.	मुनि श्री प्रशस्तसागर जी महाराज	५६
४१.	मुनि श्री प्रयोगसागर जी महाराज	५७
४२.	मुनि श्री प्रबोधसागर जी महाराज	५८
४३.	मुनि श्री प्रणम्यसागर जी महाराज	५९
४४.	मुनि श्री प्रभातसागर जी महाराज	६०
४५.	मुनि श्री चन्द्रसागर जी महाराज	६१
४६.	मुनि श्री वृषभसागर जी महाराज	६२
४७.	मुनि श्री अजितसागर जी महाराज	६३
४८.	मुनि श्री संभवसागर जी महाराज	६४
४९.	मुनि श्री अभिनंदनसागर जी महाराज	६५
५०	मुनि श्री सुमतिसागर जी महाराज (समाधिस्थ)	६६
५१.	मुनि श्री पद्मसागर जी महाराज	६७
५२.	मुनि श्री सुपार्श्वसागर जी महाराज	६८
५३.	मुनि श्री चन्द्रप्रभसागर जी महाराज	६९
५४.	मुनि श्री पुष्पदंतसागर जी महाराज (समाधिस्थ)	७०
५५	मुनि श्री शीतलसागर जी महाराज *	*
५६.	मुनि श्री श्रेयांससागर जी महाराज	७१
५७.	मुनि श्री पूज्यसागर जी महाराज	७२
५८.	मुनि श्री विमलसागर जी महाराज	७३

* स्वास्थ्य आदि के कारण पद त्याग

□ अन्य संघ में दीक्षित

क्रमांक		पृष्ठ क्र.
५९.	मुनि श्री अनंतसागर जी महाराज	७४
६०.	मुनि श्री धर्मसागर जी महाराज	७५
६१	मुनि श्री शांतिसागर जी महाराज (समाधिस्थ)	७६
६२.	मुनि श्री कुन्थुसागर जी महाराज	७७
६३.	मुनि श्री अरहसागर जी महाराज	७८
६४.	मुनि श्री मल्लिसागर जी महाराज	७९
६५.	मुनि श्री सुव्रतसागर जी महाराज	८०
६६	मुनि श्री नमिसागर जी महाराज *	*
६७.	मुनि श्री नेमिसागर जी महाराज	८१
६८	मुनि श्री पार्श्वसागर जी महाराज *	*
६९.	मुनि श्री वीरसागर जी महाराज	८२
७०.	मुनि श्री क्षीरसागर जी महाराज □	□
७१.	मुनि श्री धीरसागर जी महाराज (समाधिस्थ)	८३
७२.	मुनि श्री उपशमसागर जी महाराज *	*
७३.	मुनि श्री प्रशमसागर जी महाराज *	*
७४.	मुनि श्री आगमसागर जी महाराज	८४
७५.	मुनि श्री महासागर जी महाराज	८५
७६.	मुनि श्री विराटसागर जी महाराज	८६
७७.	मुनि श्री विशालसागर जी महाराज	८७
७८.	मुनि श्री शैलसागर जी महाराज	८८
७९.	मुनि श्री अचलसागर जी महाराज	८९
८०.	मुनि श्री पुनीतसागर जी महाराज	९०
८१.	मुनि श्री वैराग्यसागर जी महाराज *	*
८२.	मुनि श्री अविचलसागर जी महाराज	९१
८३.	मुनि श्री विशदसागर जी महाराज	९२
८४.	मुनि श्री धवलसागर जी महाराज	९३
८५.	मुनि श्री सौम्यसागर जी महाराज	९४
८६.	मुनि श्री अनुभवसागर जी महाराज □	□
८७.	मुनि श्री दुर्लभसागर जी महाराज	९५
८८.	मुनि श्री विनम्रसागर जी महाराज	९६
८९.	मुनि श्री अतुलसागर जी महाराज	९७
९०.	मुनि श्री भावसागर जी महाराज	९८
९१.	मुनि श्री आनंदसागर जी महाराज	९९
९२.	मुनि श्री अगम्यसागर जी महाराज *	*
९३.	मुनि श्री सहजसागर जी महाराज	१००
९४.	मुनि श्री पुराणसागर जी महाराज	१०१
९५.	मुनि श्री नि:स्वार्थसागर जी महाराज	१०२
९६.	मुनि श्री निर्दोषसागर जी महाराज	१०३
९७.	मुनि श्री निर्लोभसागर जी महाराज	१०४
९८.	मुनि श्री नीरोगसागर जी महाराज	१०५
९९.	मुनि श्री निर्मोहसागर जी महाराज	१०६
१००.	मुनि श्री निष्पक्षसागर जी महाराज	१०७
१०१.	मुनि श्री निष्पृहसागर जी महाराज	१०८
१०२.	मुनि श्री निश्चलसागर जी महाराज	१०९
१०३.	मुनि श्री निष्कंपसागर जी महाराज	११०
१०४.	मुनि श्री निष्पंदसागर जी महाराज	*
१०५.	मुनि श्री निरामयसागर जी महाराज	१११
१०६.	मुनि श्री निरापदसागर जी महाराज	११२
१०७.	मुनि श्री निराकुलसागर जी महाराज	११३
१०८.	मुनि श्री निरूपमसागर जी महाराज	११४
१०९.	मुनि श्री निष्कामसागर जी महाराज	११५
११०.	मुनि श्री निरीहसागर जी महाराज	११६
१११.	मुनि श्री निस्सीमसागर जी महाराज	११७
११२.	मुनि श्री निर्भीकसागर जी महाराज	११८
११३.	मुनि श्री नीरागसागर जी महाराज	११९
११४.	मुनि श्री नीरजसागर जी महाराज	१२०
११५.	मुनि श्री निकलंकसागर जी महाराज (समाधिस्थ)	१२१

* स्वास्थ्य आदि के कारण पद त्याग

□ अन्य संघ में दीक्षित

क्रमांक		पृष्ठ क्र.
११६.	मुनि श्री निर्मदसागर जी महाराज	१२२
११७.	मुनि श्री निसर्गसागर जी महाराज	१२३
११८.	मुनि श्री निस्संगसागर जी महाराज	१२४
११९.	मुनि श्री शीतलसागर जी महाराज	१२५
१२०.	मुनि श्री शाश्वतसागर जी महाराज	१२६
१२१	मुनि श्री समरससागर जी महाराज	१२७
१२२.	मुनि श्री श्रमणसागर जी महाराज	१२८
१२३.	मुनि श्री संधानसागर जी महाराज	१२९
१२४.	मुनि श्री संस्कारसागर जी महाराज	१३०
१२५.	मुनि श्री ओंकारसागर जी महाराज	१३१
१२६.	मुनि श्री निर्ग्रन्थसागर जी महाराज	१३२
१२७.	मुनि श्री निर्भ्रान्तसागर जी महाराज	१३३
१२८.	मुनि श्री निरालससागर जी महाराज	१३४
१२९.	मुनि श्री निश्चिन्तसागर जी महाराज	१३५
१३०.	मुनि श्री निराकारसागर जी महाराज	१३६
१३१.	मुनि श्री निशंकसागर जी महाराज	१३७
१३२.	मुनि श्री निर्माणसागर जी महाराज	१३८
१३३.	मुनि श्री निर्लेपसागर जी महाराज	१३९
१३४.	मुनि श्री निरंजनसागर जी महाराज	१४०
१३५.	मुनि श्री निराश्रवसागर जी महाराज	१४१
१३६.	आर्यिका श्री गुरूमति माता जी	१४२
१३७.	आर्यिका श्री दृढ़मति माता जी	१४३
१३८.	आर्यिका श्री मृदुमति माता जी	१४४
१३९.	आर्यिका श्री ऋजुमति माता जी	१४५
१४०.	आर्यिका श्री तपोमति माता जी	१४६
१४१.	आर्यिका श्री सत्यमति माता जी	१४७
१४२.	आर्यिका श्री गुणमति माता जी	१४८
१४३.	आर्यिका श्री जिनमति माता जी (समाधिस्थ)	१४९
१४४.	आर्यिका श्री निर्णयमति माता जी	१५०
१४५.	आर्यिका श्री उज्ज्वलमति माता जी (समाधिस्थ)	१५१
१४६.	आर्यिका श्री पावनमति माता जी	१५२
१४७.	आर्यिका श्री प्रशांतमति माता जी	१५३
१४८.	आर्यिका श्री पूर्णमति माता जी	१५४
१४९.	आर्यिका श्री अनंतमति माता जी	१५५
१५०.	आर्यिका श्री विमलमति माता जी	१५६
१५१.	आर्यिका श्री शुभ्रमति माता जी	१५७
१५२.	आर्यिका श्री कुशलमति माता जी	१५८
१५३.	आर्यिका श्री निर्मलमति माता जी	१५९
१५४.	आर्यिका श्री साधुमति माता जी	१६०
१५५.	आर्यिका श्री शुक्लमति माता जी	१६१
१५६.	आर्यिका श्री साधनामति माता जी	१६२
१५७.	आर्यिका श्री विलक्षणामति माता जी	१६३
१५८.	आर्यिका श्री धारणामति माता जी	१६४
१५९.	आर्यिका श्री प्रभावनामति माता जी (समाधिस्थ)	१६५
१६०.	आर्यिका श्री भावनामति माता जी	१६६
१६१.	आर्यिका श्री चिन्तनमति माता जी	१६७
१६२.	आर्यिका श्री वैराग्यमति माता जी	१६८
१६३.	आर्यिका श्री आदर्शमति माता जी	१६९
१६४.	आर्यिका श्री दुर्लभमति माता जी	१७०
१६५.	आर्यिका श्री अंतरमति माता जी	१७१
१६६.	आर्यिका श्री अविचलमति माता जी *	*
१६७.	आर्यिका श्री अनुनयमति माता जी	१७२
१६८.	आर्यिका श्री अनुग्रहमति माता जी	१७३
१६९.	आर्यिका श्री अक्षयमति माता जी	१७४
१७०.	आर्यिका श्री अमूर्तमति माता जी	१७५
१७१.	आर्यिका श्री अखंडमति माता जी	१७६
१७२.	आर्यिका श्री आलोकमति माता जी	१७७

* स्वास्थ्य आदि के कारण पद त्याग

☐ अन्य संघ में दीक्षित

क्रमांक		पृष्ठ क्र.
१७३.	आर्यिका श्री अनुपममति माता जी	१७८
१७४.	आर्यिका श्री अपूर्वमति माता जी	१७९
१७५.	आर्यिका श्री अनुत्तरमति माता जी	१८०
१७६.	आर्यिका श्री अनर्घमति माता जी	१८१
१७७	आर्यिका श्री अतिशयमति माता जी (समाधिस्थ)	१८२
१७८.	आर्यिका श्री अनुभवमति माता जी	१८३
१७९.	आर्यिका श्री आनंदमति माता जी (समाधिस्थ)	१८४
१८०.	आर्यिका श्री सिद्धांतमति माता जी	१८५
१८१.	आर्यिका श्री अकलंकमति माता जी	१८६
१८२.	आर्यिका श्री निकलंकमति माता जी	१८७
१८३.	आर्यिका श्री आगममति माता जी	१८८
१८४.	आर्यिका श्री स्वाध्यायमति माता जी	१८९
१८५.	आर्यिका श्री नम्रमति माता जी	१९०
१८६.	आर्यिका श्री विनम्रमति माता जी	१९१
१८७.	आर्यिका श्री अतुलमति माता जी	१९२
१८८.	आर्यिका श्री विशदमति माता जी	१९३
१८९.	आर्यिका श्री पुराणमति माता जी	१९४
१९०.	आर्यिका श्री विनतमति माता जी	१९५
१९१.	आर्यिका श्री विपुलमति माता जी	१९६
१९२.	आर्यिका श्री मधुरमति माता जी	१९७
१९३.	आर्यिका श्री प्रसन्नमति माता जी	१९८
१९४.	आर्यिका श्री प्रशममति माता जी	१९९
१९५.	आर्यिका श्री अधिगममति माता जी	२००
१९६.	आर्यिका श्री मुदितमति माता जी	२०१
१९७.	आर्यिका श्री सहजमति माता जी	२०२
१९८.	आर्यिका श्री अनुगममति माता जी	२०३
१९९.	आर्यिका श्री अमंदमति माता जी	२०४
२००.	आर्यिका श्री अभेदमति माता जी	२०५

क्रमांक		पृष्ठ क्र.
२०१.	आर्यिका श्री एकत्वमति माता जी (समाधिस्थ)	२०६
२०२.	आर्यिका श्री कैवल्यमति माता जी	२०७
२०३.	आर्यिका श्री संवेगमति माता जी	२०८
२०४.	आर्यिका श्री निर्वेगमति माता जी	२०९
२०५.	आर्यिका निर्वाणमति माता जी	२१०
२०६.	आर्यिका शांतिमति माता जी (समाधिस्थ)	२११
२०७.	आर्यिका श्री सूत्रमति माता जी	२१२
२०८.	आर्यिका श्री सुनयमति माता जी (समाधिस्थ)	२१३
२०९.	आर्यिका श्री सकलमति माता जी	२१४
२१०.	आर्यिका श्री सविनयमति माता जी	२१५
२११.	आर्यिका श्री सतर्कमति माता जी	२१६
२१२.	आर्यिका श्री संयममति माता जी	२१७
२१३.	आर्यिका श्री समयमति माता जी	२१८
२१४.	आर्यिका श्री शोधमति माता जी	२१९
२१५.	आर्यिका श्री शाश्वतमति माता जी	२२०
२१६.	आर्यिका श्री सरलमति माता जी	२२१
२१७.	आर्यिका श्री शीलमति माता जी	२२२
२१८.	आर्यिका श्री सुशीलमति माता जी	२२३
२१९.	आर्यिका श्री शैलमति माता जी	२२४
२२०.	आर्यिका श्री शीतलमति माता जी	२२५
२२१.	आर्यिका श्री श्वेतमति माता जी	२२६
२२२.	आर्यिका श्री सारमति माता जी	२२७
२२३.	आर्यिका श्री सत्यार्थमति माता जी (समाधिस्थ)	२२८
२२४.	आर्यिका श्री सिद्धमति माता जी	२२९
२२५.	आर्यिका श्री सुसिद्धमति माता जी	२३०
२२६.	आर्यिका श्री विशुद्धमति माता जी	२३१
२२७.	आर्यिका श्री साकारमति माता जी	२३२
२२८.	आर्यिका श्री सौम्यमति माता जी	२३३
२२९	आर्यिका श्री सूक्ष्ममति माता जी *	*

* स्वास्थ्य आदि के कारण पद त्याग

☐ अन्य संघ में दीक्षित

क्रमांक		पृष्ठ क्र.
२३०.	आर्यिका श्री शांतमति माता जी	२३४
२३१.	आर्यिका श्री सुशांतमति माता जी	२३५
२३२.	आर्यिका श्री सदयमति माता जी	२३६
२३३.	आर्यिका श्री समुन्नतमति माता जी	२३७
२३४.	आर्यिका श्री शास्त्रमति माता जी	२३८
२३५.	आर्यिका श्री सुधारमति माता जी (समाधिस्थ)	२३९
२३६.	आर्यिका श्री उपशान्तमति माता जी	२४०
२३७.	आर्यिका श्री अकंपमति माता जी	२४१
२३८.	आर्यिका श्री अमूल्यमति माता जी	२४२
२३९.	आर्यिका श्री आराध्यमति माता जी	२४३
२४०.	आर्यिका श्री ऊँकारमति माता जी	२४४
२४१	आर्यिका श्री उन्नतमति माता जी *	*
२४२.	आर्यिका श्री अचिन्त्यमति माता जी	२४५
२४३.	आर्यिका श्री अलोल्यमति माता जी	२४६
२४४.	आर्यिका श्री अनमोलमति माता जी	२४७
२४५.	आर्यिका श्री उचितमति माता जी	२४८
२४६.	आर्यिका श्री उद्योतमति माता जी	२४९
२४७.	आर्यिका श्री आज्ञामति माता जी	२५०
२४८.	आर्यिका श्री अचलमति माता जी	२५१
२४९.	आर्यिका श्री अवगममति माता जी (समाधिस्थ)	२५२
२५०.	आर्यिका श्री स्वस्थमति माता जी	२५३
२५१.	आर्यिका श्री तथ्यमति माता जी	२५४
२५२.	आर्यिका श्री वात्सल्यमति माता जी	२५५
२५३.	आर्यिका श्री पथ्यमति माता जी	२५६
२५४.	आर्यिका श्री जाग्रतमति माता जी	२५७
२५५.	आर्यिका श्री कर्तव्यमति माता जी	२५८
२५६.	आर्यिका श्री गन्तव्यमति माता जी	२५९
२५७.	आर्यिका श्री संस्कारमति माता जी	२६०
२५८.	आर्यिका श्री निष्काममति माता जी	२६१
२५९.	आर्यिका श्री विरतमति माता जी	२६२
२६०.	आर्यिका श्री तथामति माता जी	२६३
२६१.	आर्यिका श्री उदारमति माता जी	२६४
२६२.	आर्यिका श्री विजितमति माता जी	२६५
२६३.	आर्यिका श्री संतुष्टमति माता जी	२६६
२६४.	आर्यिका श्री निकटमति माता जी	२६७
२६५.	आर्यिका श्री संवरमति माता जी	२६८
२६६.	आर्यिका श्री ध्येयमति माता जी	२६९
२६७.	आर्यिका श्री आत्ममति माता जी	२७०
२६८.	आर्यिका श्री चैत्यमति माता जी	२७१
२६९.	आर्यिका श्री पृथ्वीमति माता जी	२७२
२७०.	आर्यिका श्री निर्मदमति माता जी	२७३
२७१.	आर्यिका श्री पुनीतमति माता जी	२७४
२७२.	आर्यिका श्री विनीतमति माता जी	२७५
२७३.	आर्यिका श्री मेरुमति माता जी	२७६
२७४.	आर्यिका श्री आप्तमति माता जी	२७७
२७५.	आर्यिका श्री उपशममति माता जी	२७८
२७६.	आर्यिका श्री ध्रुवमति माता जी	२७९
२७७.	आर्यिका श्री असीममति माता जी	२८०
२७८.	आर्यिका श्री गौतममति माता जी	२८१
२७९.	आर्यिका श्री संयतमति माता जी	२८२
२८०.	आर्यिका श्री अगाधमति माता जी	२८३
२८१.	आर्यिका श्री निर्वाणमति माता जी	२८४
२८२.	आर्यिका श्री मार्दवमति माता जी	२८५
२८३.	आर्यिका श्री मंगलमति माता जी	२८६
२८४.	आर्यिका श्री परमार्थमति माता जी	२८७
२८५.	आर्यिका श्री ध्यानमति माता जी	२८८
२८६.	आर्यिका श्री विदेहमति माता जी	२८९

* स्वास्थ्य आदि के कारण पद त्याग

☐ अन्य संघ में दीक्षित

क्रमांक		पृष्ठ क्र.
२८७.	आर्यिका श्री अवायमति माता जी	२९०
२८८.	आर्यिका श्री पारमति माता जी	२९१
२८९.	आर्यिका श्री आगतमति माता जी	२९२
२९०.	आर्यिका श्री श्रुतमति माता जी	२९३
२९१.	आर्यिका श्री अदूरमति माता जी	२९४
२९२.	आर्यिका श्री स्वभावमति माता जी	२९५
२९३.	आर्यिका श्री धवलमति माता जी	२९६
२९४.	आर्यिका श्री विनयमति माता जी	२९७
२९५.	आर्यिका श्री समितिमति माता जी	२९८
२९६.	आर्यिका श्री अमितमति माता जी	२९९
२९७.	आर्यिका श्री परममति माता जी	३००
२९८.	आर्यिका श्री चेतनमति माता जी	३०१
२९९.	आर्यिका श्री निसर्गमति माता जी	३०२
३००.	आर्यिका श्री मननमति माता जी	३०३
३०१	आर्यिका श्री अविकारमति माता जी *	*
३०२.	आर्यिका श्री चारित्रमति माता जी	३०४
३०३.	आर्यिका श्री श्रद्धामति माता जी	३०५
३०४.	आर्यिका श्री उत्कर्षमति माता जी	३०६
३०५.	आर्यिका श्री संगतमति माता जी	३०७
३०६.	आर्यिका श्री लक्ष्यमति माता जी	३०८
३०७.	आर्यिका श्री भक्तिमति माता जी	३०९
३०८	एलक श्री दर्शनसागर जी महाराज ☐	☐
३०९	एलक श्री शीलसागर जी महाराज ☐	☐
३१०	एलक श्री करुणासागर जी महाराज *	*
३११	एलक श्री नि:शंकसागर जी (समाधिस्थ)	३१०
३१२.	एलक श्री दयासागर जी महाराज	३११
३१३.	एलक श्री मङ्गलसागर जी महाराज	३१२
३१४.	एलक श्री प्रशमसागर जी महाराज	३१३
३१५.	एलक श्री सम्यक्त्वसागर जी महाराज *	*
३१६.	एलक श्री वात्सल्यसागर जी महाराज ☐	☐
३१७.	एलक श्री निश्चयसागर जी महाराज	३१४
३१८.	एलक श्री उदारसागर जी महाराज ☐	☐
३१९.	एलक श्री निर्भयसागर जी महाराज ☐	☐
३२०.	एलक श्री सिद्धांतसागर जी महाराज	३१५
३२१.	एलक श्री संपूर्णसागर जी महाराज	३१६
३२२.	एलक श्री रयणसागर जी महाराज *	*
३२३.	एलक श्री विनयसागर जी महाराज *	*
३२४.	एलक श्री नम्रसागर जी महाराज	३१७
३२५.	एलक श्री प्रभावसागर जी महाराज *	*
३२६.	एलक श्री आनंदसागर जी महाराज (समाधिस्थ)	३१८
३२७.	एलक श्री विवेकानंदसागर जी महाराज	३१९
३२८.	एलक श्री उपशमसागर जी महाराज	३२०
३२९.	क्षुल्लक श्री प्रवचनसागर जी महाराज *	*
३३०.	क्षुल्लक श्री चारित्रसागर जी महाराज (समाधिस्थ)	३२१
३३१.	क्षुल्लक श्री सुगुप्तिसागर जी महाराज *	*
३३२.	क्षुल्लक श्री सिद्धांतसागर जी (समाधिस्थ)	३२२
३३३.	क्षुल्लक श्री ध्यानसागर जी महाराज	३२३
३३४.	क्षुल्लक श्री सौम्यसागर जी महाराज *	*
३३५.	क्षुल्लक श्री प्रसन्नसागर जी महाराज *	*
३३६.	क्षुल्लक श्री नयसागर जी महाराज	३२४
३३७.	क्षुल्लक श्री गम्भीरसागर जी महाराज	३२५
३३८.	क्षुल्लक श्री धैर्यसागर जी महाराज	३२६
३३९.	क्षुल्लक श्री निसर्गसागर जी महाराज*	*
३४०.	क्षुल्लक श्री पूर्णसागर जी महाराज*	*
३४१.	क्षुल्लक श्री धर्मसागर जी महाराज (समाधिस्थ)	३२७
३४२.	क्षुल्लक श्री पुनीतसागर जी महाराज (समाधिस्थ)	३२८
३४३.	क्षुल्लिका श्री संयम श्री माता जी (समाधिस्थ)	३२९
३४४.	क्षुल्लिका श्री आत्म श्री माता जी (समाधिस्थ)	३३०
३४५.	क्षुल्लिका श्री समाधि श्री माता जी (समाधिस्थ)	३३१

* स्वास्थ्य आदि के कारण पद त्याग

☐ अन्य संघ में दीक्षित

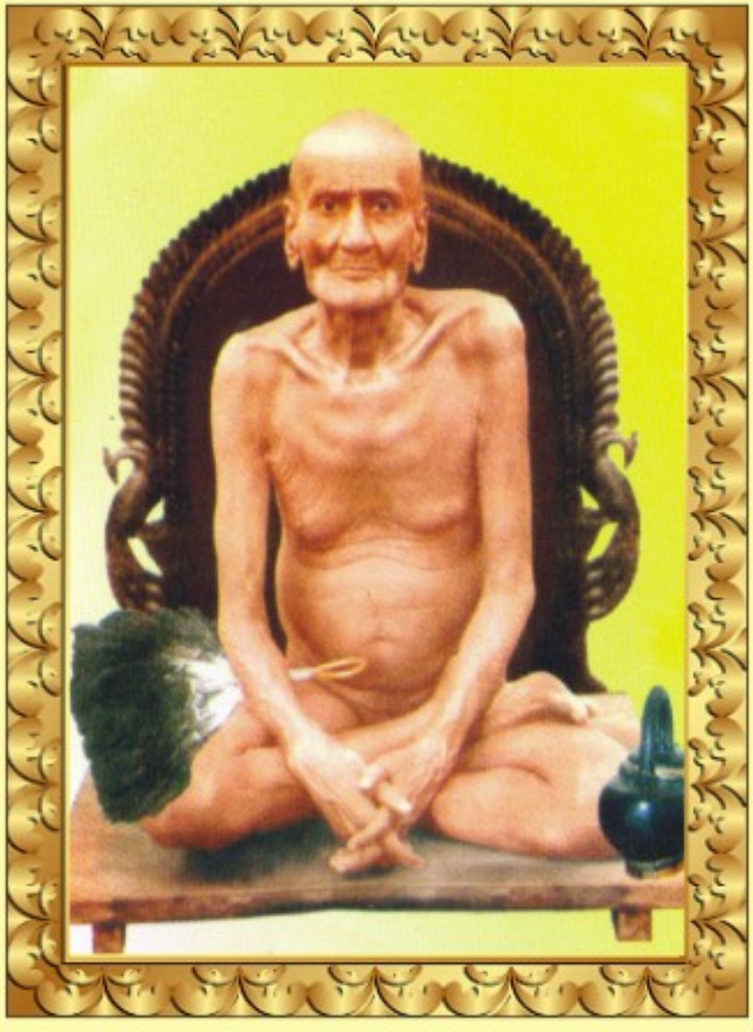

समाधिस्थ आचार्य १०८ श्री शांतिसागर जी महाराज (दक्षिण)

भारी प्रभाव मुझ पै तव भारती का,
देखो पड़ा इसलिये मुनि हूँ अभी का ।। 33 ।।

समाधिस्थ आचार्य श्री १०८ शांतिसागर जी महाराज (दक्षिण)

पूर्व का नाम	:	श्री सातगौड़ा पाटील (जैन)
पिता का नाम	:	श्री भीमगौड़ा जी पाटील (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती सत्यवती जी (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	(१) श्री आदिगौड़ा (२) श्री देवगौड़ा (३) आपका क्रम (४) श्री कुम्भगौड़ा (५) श्रीमती कृष्णा बाई
जन्म दिनाँक / दिन / तिथि / दिन / स्थान	:	२५/७/१८७२ बुधवार, आषाढ़ शुक्ल षष्ठी, वि.सं.१९२९ रात्रि, येरगुल (नाना के घर), येरगुल बेलगांव कर्नाटक (भोजग्राम के समीप)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक / दिन / तिथि / स्थान	:	१६-०६-१९१३, शुक्रवार, ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी वि.सं. १९७२, उत्तूर ग्राम, तहसील सुधोल जिला- बागलकोट (कर्नाटक)
एलक दीक्षा दिनांक / दिन / तिथि / स्थान	:	१५-०१-१९१६ शनिवार, पौष शुक्ल १४, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र गिरनारजी, जूनागढ़ (गुजरात)
मुनि दीक्षा दिनांक / दिन / तिथि / स्थान	:	२-३-१९२० मंगलवार, फाल्गुन शुक्ल, चतुर्दशी, वि.सं. १९७६, यरनाल, बेलगांव (कर्नाटक)
दीक्षा गुरु	:	मुनि श्री देवेन्द्रकीर्ति जी महाराज
आचार्य पद दिनांक / दिन / तिथि / स्थान	:	८-१०-१९२४ बुधवार अश्विन शुक्ल एकादशी वि.सं. १९८१, समडोली, जिला-सांगली (महा.)
समाधि दिनांक / दिन / तिथि / स्थान	:	१८-०९-१९५५, रविवार, द्वितीयभाद्रपद शुक्ल २, वि.सं. २०१२, प्रात: ६.५० पर , श्री दिग. जैन सिद्धक्षेत्र कुन्थलगिरी, उस्मानाबाद (महा.)

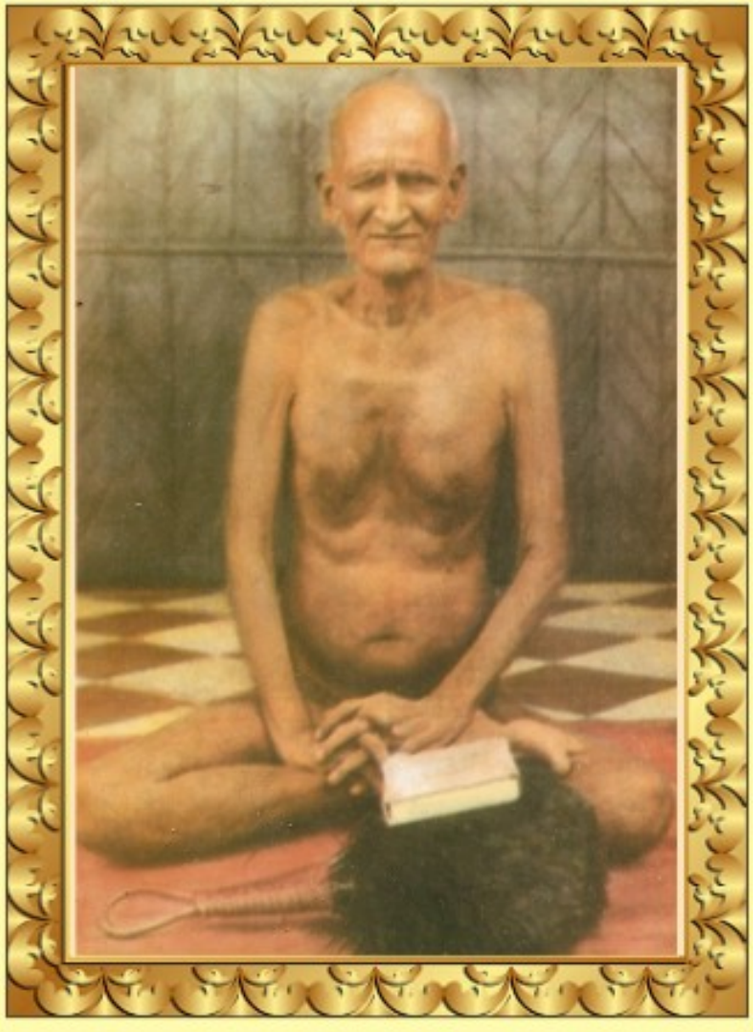

समाधिस्थ आचार्य श्री १०८ वीरसागर जी महाराज

श्री वीरसागर सुभाष-सरोज बन्धु।
मैं बार-बार तव-पाद पयोज वदुँ।।

समाधिस्थ आचार्य श्री १०८ वीरसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	श्री हीरालाल जी गंगवाल (जैन)
पिता का नाम	:	श्री रामसुख जी गंगवाल (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती भागूबाईजी (भाग्यवतीबाई) (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	
जन्म दिनांक/तिथि/	:	आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा, वि.सं. १९३३, सन् १८७६
दिन/ स्थान		ईरगांव (औरंगाबाद) महाराष्ट्र
क्षुल्लक दीक्षा	:	०८-०३-१९२४ शनिवार, फाल्गुन शुक्ल तृतीया
तिथि/स्थान		वि.सं. १९८०, कुम्भोज बाहुबली, कोल्हापुर (महा.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	दीक्षा नहीं ली।
मुनि दीक्षा	:	आश्विन शुक्ल एकादशी, वि.सं. १९८१
तिथि/स्थान		०८-१०-१९२४, समडोली, सांगली (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री शान्तिसागर जी महाराज (दक्षिण)
आचार्य पद	:	०८-०९-१९५५, द्वितीय भाद्रपद कृष्ण सप्तमी,
दिन/तिथि/दिन/ स्थान	:	वि.सं. २०१२, गुरुवार श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरि (खानियाजी) जयपुर (राजस्थान)
समाधि	:	२३-९-१९५७, सोमवार, आषाढ़ कृष्ण अमावस्या,
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०१४, श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरि (खानिया जी), जयपुर (राजस्थान)

समाधिस्थ आचार्य श्री १०८ शिवसागर जी महाराज

ये है मुनि 'आचार्य' हमारे पूज्य-पाद पालक प्यारे।
ध्यान इन्हीं का करें रात-दिन विनीत हम बालक सारे।।५२।।

समाधिस्थ आचार्य श्री १०८ शिवसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	श्री हीरालाल जी रावका (जैन)
पिता का नाम	:	श्री रामसुख जी रावका (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती दगड़ाबाई जी (जैन)
भाई-बहिन	:	तीन भाई, दो बहिन
(जन्म के क्रम से)		
जन्म तिथि/स्थान	:	वि.सं. १९५८, सन् १९०१, अड़गाँव, तहसील औरंगाबाद (महा.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	वि.सं. २०००, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र
तिथि/स्थान		सिद्धवरकूट, जिला-खरगौन (म.प्र.)
ऐलक दीक्षा	:	दीक्षा नहीं ली।
मुनि दीक्षा	:	१४-०७-१९४९, बुधवार, आषाढ़ शुक्ल एकादशी,
तिथि/स्थान		वि.सं. २००६, नागौर (राजस्थान)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री वीरसागर जी महाराज
आचार्य पद	:	०३-११-१९५७, रविवार, कार्तिक शुक्ल एकादशी,
तिथि/स्थान		वि.सं. २०१४, श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरि (खानियाजी) जयपुर (राजस्थान)
समाधि	:	१६-०२-१९६९, रविवार, फाल्गुन कृष्ण अमावस्या,
दिनाँक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०२५, श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी, करौली (राजस्थान)

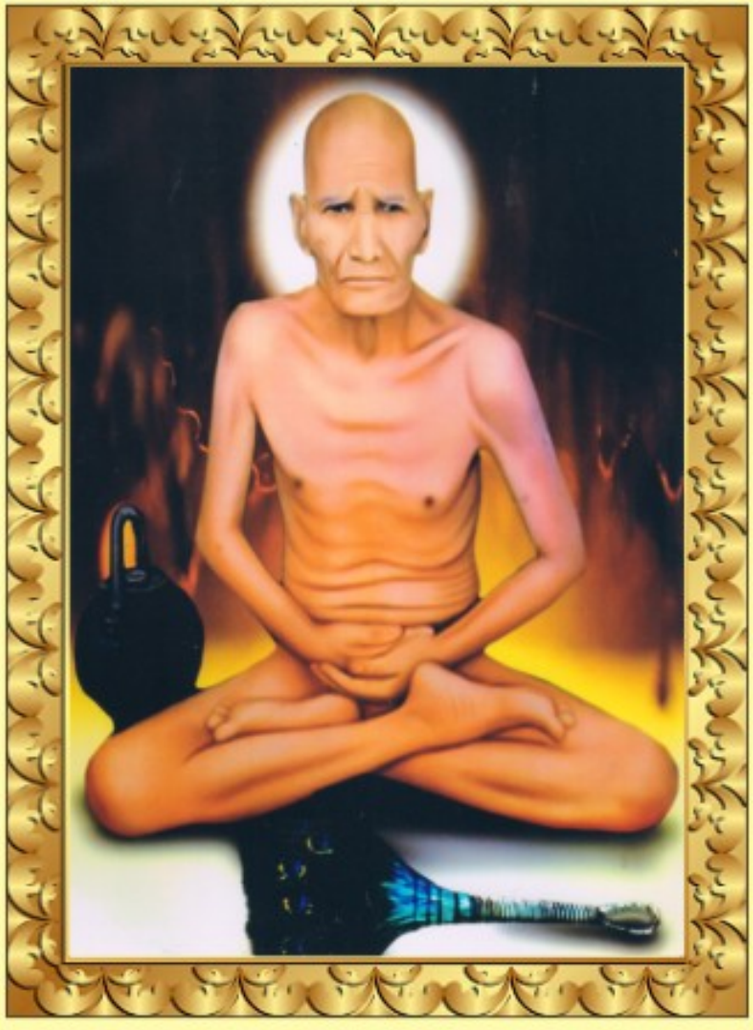

समाधिस्थ महाकवि आचार्य श्री १०८ ज्ञानसागर जी महाराज

जय हो ज्ञान सागर ऋषिराज!
तुमने मुझे सफल बनाया आज।।

साधु जीवन दर्शन

समाधिस्थ महाकवि आचार्य श्री १०८ ज्ञानसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	: **पं. श्री भूरामल जी जैन छाबड़ा** (शांतिकुमार भी था)
पिता का नाम	: श्री चतुर्भुज जी छाबड़ा (जैन)
माता का नाम	: श्रीमती घृतवरी जी छाबड़ा (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	: १) श्री छगनलाल २) आपका क्रम ३) श्री गंगाप्रसाद जी ४) श्री गौरीलाल जी ५) श्री देवीलाल जी
जन्म दिनांक/तिथि/स्थान/समय	: २४-०८-१८९७ भाद्र पद कृष्ण ११, वि.सं. 1954 राणोली, जिला-सीकर (राजस्थान)
शिक्षा	: प्रारंभिक शिक्षा गांव के विद्यालय में, शास्त्री-संस्कृत साहित्य एवं जैन दर्शन की उच्च स्तर की शिक्षा स्याद्वाद महाविद्यालय बनारस में
ब्रह्मचर्य व्रत	: २६-०६-१९४७, वि.सं. २००४
सातवीं प्रतिमा	: आषाढ़ शुक्ल ८ वि.सं. २००४ ई.सन् २६-०६-१९४७ अजमेर में आ. श्री वीर सागर जी से
क्षुल्लक दीक्षा	: वैशाख कृष्ण तृतीया, वि.सं. २०१२, २५-०४-१९५५ अक्षय तृतीया
क्षुल्लक दीक्षा गुरु	के दिन मन्सूरपुर, मुजफ्फर नगर (उ.प्र.) :
नामकरण	: क्षुल्लक श्री ज्ञानभूषण जी महाराज
ऐलक दीक्षा तिथि	: सन् १९५७, वि.सं. २०१४
दीक्षा गुरु	: आचार्य श्री देशभूषण जी महाराज से
मुनि दीक्षा	: २२-०६-१९५९ सोमवार, आषाढ़ कृष्ण २ में वि.सं. २०१६
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	श्री दिगम्बर जैन क्षेत्र खानियाजी, जयपुर (राज.)
दीक्षा गुरु	: आचार्य श्री शिवसागर जी महाराज (के प्रथम शिष्य के रूप में)
आचार्य पद	: ०७-०२-१९६९, शुक्रवार, फाल्गुन वदी ५, वि.सं. २०२५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	नसीराबाद, अजमेर (राजस्थान)
चारित्र चक्रवर्ती पद	: २० अक्टूबर १९७२, नसीराबाद में क्षु. श्री स्वरूपानंद जी की दीक्षा के समय।
आचार्य पद त्याग	: मार्गशीर्ष कृष्ण द्वितीया, २२ नवम्बर १९७२ नसीराबाद अजमेर, (राज.)
समाधि	: ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या, वि. सं. २०२३, १ जून १९७३ शुक्रवार को प्रात: १०:५० मिनट पर नसीराबाद अजमेर, (राज.)।
दीक्षित शिष्यगण	: आचार्य श्री विद्यासागर जी, आ. कल्प विवेकसागर जी, क्षुल्लक श्री विजयसागर जी, क्षु. श्री आदिसागर जी, क्षु.श्री स्वरूपानंद जी, एलक श्री सन्मतिसागर जी, क्षु. श्री सुखसागर जी, क्षु. श्री संभवसागर जी महाराज थे।
साहित्य सृजन	: संस्कृत ग्रंथ - महाकाव्य - जयोदय (दो भाग), वीरोदय, सुदर्शनोदय, भद्रोदय, दयोदय (चम्पू काव्य), मुनि मनोरंजनाशीति (मुक्तक काव्य) ऋषि कैसा होता है ? (मुक्तक काव्य), सम्यक्त्वसार शतक, प्रवचनसार प्रतिरूपक, शांतिनाथ पूजन विधान। हिन्दी ग्रंथ-ऋषभावतार, गुणसुन्दर वृतान्त, भाग्योदय जैन विवाह विधि, तत्वार्थसूत्र टीका, कर्त्तव्यपथ प्रदर्शन विवेकोदय, सचित्त विवेचन, सचित्त विचार, दैवागम स्तोत्र पद्यानुवाद नियमसार, अष्टपाहुड, पवित्र मानव जीवन, स्वामी कुंदकुंद और सनातन जैन धर्म, इतिहास के पन्ने, मानव धर्म, समयसार तात्पर्य वृत्ति टीका।

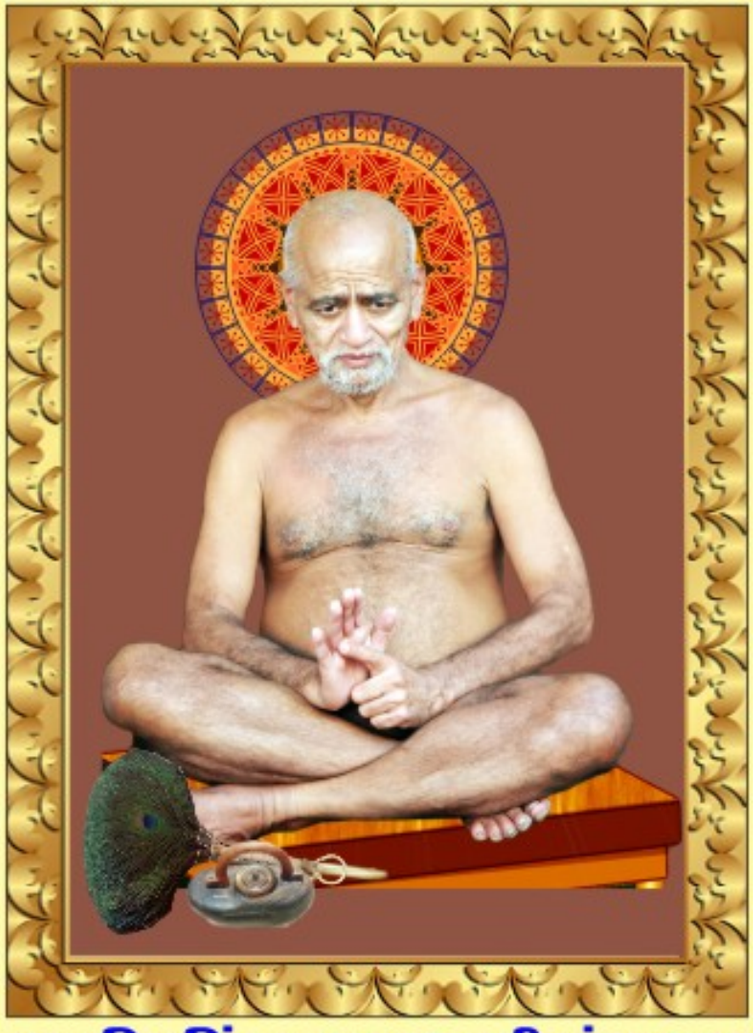

राष्ट्रहित चिंतक बालब्रह्मचारी संघनायक

आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

बाबा बड़े बड़ी कृपा, की मुझ पे आदीश।
पूर्ण हुई मम कामना, पाकर जिन आशीष ।।

प. पू. आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बालब्रह्मचारी विद्याधर जी जैन (अष्टगे गोत्र)
पिता का नाम	:	श्री मल्लप्पाजी जैन अष्टगे गौत्र (समाधिस्थ मुनि श्री मल्लिसागरजी)
माता श्री	:	श्रीमति श्रीमंतीजी (समाधिस्थ आर्यिका श्री समयमतिजी)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री महावीरप्रसाद (गृहस्थावस्था में) २) आपका क्रम ३) बा.ब्र. बहिन शांता जी ४) बा.ब्र. बहिन स्वर्णा जी ५) बा.ब्र. अनन्तनाथ जी (वर्तमान में निर्यापक मुनि श्री योगसागर जी) ६) बा.ब्र. शान्तिनाथ जी (वर्तमान में निर्यापक मुनि श्री समयसागर जी)
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	आश्विन शुक्ल १५, (शरद पूर्णिमा), संवत् २०२३ दि. १०-१०-१९४६, गुरुवार, रात्रि ११.३० बजे सदलगा, चिक्कौड़ी, जिला-बेलगाँव (कर्नाटक)
शिक्षा	:	९ वीं कक्षा (कन्नड़ से)
मातृभाषा	:	कन्नड
अन्य भाषा	:	मराठी, हिन्दी, अंग्रेजी, प्राकृत, अपभ्रंश, संस्कृत आदि
ब्रह्मचर्य व्रत	:	सन् १९६६ में, आचार्य श्री देशभूषणजी महाराज से
सातवीं प्रतिमा	:	आचार्य श्री देशभूषण जी से सन् १९६६ में श्रवण बेलगोला हासन (कर्नाटक)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३० जून १९६८, रविवार, आषाढ़ शुक्ल ५, वि.सं. २०२५ अजमेर (राज.)
दीक्षा गुरु	:	महाकवि आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज
आचार्य पद दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-११-१९७२ बुधवार, मार्ग शीर्ष कृष्ण २, वि.सं. २०२९, नसीराबाद (राज.) में महाकवि आचार्य श्री ज्ञान सागर जी ने अपना आचार्य पद प्रदान किया।
दीक्षित शिष्य	:	बाल ब्रह्मचारी १३० मुनि, १७२ आर्यिकाएँ, २१ एलक,१४ क्षुल्लक, ३ क्षुल्लिका, (दीक्षा ०७ अप्रैल २०२१ तक) बा.ब्र. भाई १००० से अधिक, बा.ब्र. बहिनें १००० से अधिक (प्रतिभामंडल की बहिनें)

साधु जीवन दर्शन

आचार्य श्री के विशेष त्याग - नमक, मीठा सन् 1969 से, चटाई सन् 1985 से (आहारजी), हरी फल साग सन् 1994 (रामटेक से), 9 उपवास लगातार (मुक्तागिरी सन् 1990 में)।

आचार्य श्री विद्यासागर जी के प्रेरणा/मार्गदर्शन, सान्निध्य में प्रभावक कार्य

- मूकमाटी मीमांसा (भाग 1,2,3) लगभग 283 संस्कृत, हिन्दी जैन-जैनेतर विद्धानों के लेख जो भारतीय ज्ञानपीठ से प्रकाशित हो चुकी हैं।
- मूकमाटी पर 4 डी. लिट ., 50 पी.एच.डी., 8 एम.फिल., 2 एम.एड. तथा 6 एम.ए. आदि पर शोधप्रबंध लिखे जा चुके हैं, मूकमाटी के मराठी, अंग्रेजी, बंगला, कन्नड़, गुजराती में अनुवाद हुये हैं/हो रहे हैं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी के द्वारा रामटेक में मूकमाटी के उर्दू अनुवाद का विमोचन हुआ था।
- पूर्व राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटील जी के द्वारा 14-06-2012 को राष्ट्रपति भवन में 'द साइलेंट अर्थ मूकमाटी' के अंग्रेजी अनुवाद का विमोचन हुआ था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा भोपाल में मूकमाटी के गुजराती अनुवाद का विमोचन हुआ था।
- आचार्यश्री का साहित्य अनेक विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल हो चुका है/कई जगह प्रक्रिया चल रही हैं।
- जबलपुर-जयपुर ट्रेन का नाम ''दयोदय एक्सप्रेस'' हुआ था।
- श्री दि. जैन सिद्ध क्षेत्र (बड़े बाबा का मंदिर) कुण्डलपुर जिला - दमोह (म.प्र.)
- नव निर्माण श्री समवशरण दि. जैन मंदिर सिलवानी जिला - रायसेन (म.प्र.)
- बिलासपुर में मंदिर निर्माण। शीतलधाम, हबीबगंज, पटनागंज, रहली, बीना बारहा, कोनी जी, बहोरीबंद, पनागर, थूवोन जी, ईशुरवारा का विकास।
- श्री पार्श्वनाथ मंदिर तेंदूखेड़ा (पाटन) में मार्बल का प्रथम चौबीसी जिन मंदिर।
- श्री दिग. जैन ज्ञानोदय तीर्थ क्षेत्र नारेली (राज.)
- श्री दिग. जैन पुण्योदय तीर्थक्षेत्र (हरियाणा)
- श्री दिग. जैन महावीर धाम रायपुर (छ.ग.)
- श्री दिग. जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर (राज.)
- श्री विद्यासागर बी.एड. कालेज विदिशा (म.प्र.)
- श्री शांति विद्या छात्रावास उमरगा (महा.)
- श्री पार्श्वनाथ दिग. जैन गुरुकुल हैदराबाद (आ.प्र.)
- पूर्णायु आयुर्वेदिक चिकित्सालय जबलपुर (म.प्र.)
- प्रतिभास्थली पंचम शाखा, इंदौर (म.प्र.), प्रतिभास्थली ललितपुर (उ.प्र.)
- श्री नंदीश्वर दीप पिसनहारी मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
- श्री शांतिनाथ दिग. (चौबीसी एवं पंचबालयति) जैन मंदिर, रामटेक जिला नागपुर (महा.) एवं प्रतिभास्थली तृतीय शाखा एवं परवारपुरा, नागपुर में पाषाण मंदिर का निर्माण।
- श्री सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र (त्रिकाल चौबीसी एवं पंचबालयति), नेमावर, तह. खातेगांव, जिला - देवास (म.प्र.)
- श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र चंद्रगिरि डोंगरगढ़ (म.प्र.), त्रिकाल चौबीसी एवं (प्रतिभास्थली द्वितीय शाखा)
- श्री ''सर्वोदय तीर्थ'' दि. जैन मंदिर अमरकंटक, जि. अनूपपुर (म.प्र.) (नवीन तीर्थ)
- श्री ''भाग्योदयतीर्थ'' (मानव सेवा एवं शिक्षा) फार्मेसी कालेज, नर्सिंग कालेज, सागर (म.प्र.)
- श्री शांतिनाथ दि. जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र बीना बारह, देवरी, जिला- सागर (म.प्र.) में शांतिधारा दुग्ध योजना 500 गाय का पालन, हथकरघा प्रशिक्षण।
- हथकरघा प्रशिक्षण केन्द्र विकास व स्वरोजगार, प्रतिभा प्रतिक्षा (कन्या आवासीय विद्यालय, इंदौर) 'अनुशासन' नाम से दिल्ली में बालकों का प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान, पूरी मैत्री स्वरोजगार योजना एवं जबलपुर।
- पपौरा जी तीर्थक्षेत्र प्रतिभास्थली चतुर्थ शाखा।
- श्री दिगम्बर जैन मंदिर पाषाण जिनालय रामपुरा एवं गोपालगंज सागर (म.प्र.)
- श्री दिगम्बर जैन समवशरण मंदिर ''शीतलधाम, हरीपुरा'' विदिशा (म.प्र.)
- श्री दि. जैन चौबीसी मंदिर टड़ा, जिला - सागर (म.प्र.)
- श्री दयोदय तीर्थ एवं प्रतिभा स्थली प्रथम शाखा (शिक्षा संस्कार के लिए) तिलवारा घाट, जबलपुर (म.प्र.)
- भारतवर्षीय प्रशासकीय प्रशिक्षण संस्थान (विभिन्न पदों की कोचिंग) जबलपुर (म.प्र.)
- आचार्य श्री विद्यासागर जी 'शोध संस्थान' भोपाल (म.प्र.)
- सुप्रीम कोर्ट से 7 जजों की बैंच से ऐतिहासिक गौ वध पर प्रतिबंध का फैसला हुआ।
- बैलों की रक्षा एवं गरीबों को रोजगार हेतु ''दयोदय जहाज'' का गंजबासौदा एवं विदिशा में वितरण।
- म.प्र. सरकार द्वारा पूरे म.प्र. में 'आचार्य विद्यासागर जी गौ संवर्द्धन योजना' लागू।
- पूरे देश में लगभग135 गौशालाओं में1,00,000 पशुओं का संरक्षण।
- पूरे देश में लगभग 350 पाठशालाओं में 40,000 बच्चों को धर्म की शिक्षा।
- ''ब्राह्मी विद्या आश्रम'' मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
- www.vidyasagar.net, vidyasagar.guru इन Site पर सभी जानकारी उपलब्ध।

60 से अधिक पंच कल्याणक, अनेक विधान आदि, कुण्डलपुर के बड़े बाबा का नये मंदिर में विहार (जैन समाज का ऐतिहासिक कार्य) उपराष्ट्रपति श्री भैरोंसिंह शेखावत से अमरकंटक में चर्चा, प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी से गोम्टगिरि इन्दौर में चर्चा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से 14-10-2016 को भोपाल में चर्चा, केन्द्रीय मंत्री श्रीमती मेनका गांधी से जबलपुर में चर्चा, अमित शाह, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष से कुण्डलपुर में चर्चा, सुमित्रा महाजन, लोकसभा अध्यक्ष से (कुण्डलपुर) 2016 में चर्चा, अनेक मुख्यमंत्रियों से चर्चा, श्री दिग्विजय सिंह, सुश्री उमाभारती, श्री शिवराज सिंह चौहान, श्री सुन्दरलाल पटवा, श्री बाबूलाल गौर, अशोक गहलोत, अजीत योगी, डॉ. रमन सिंह आदि से चर्चा, श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से चर्चा विदिशा में, विधानसभा अध्यक्ष श्री ईश्वरदास रोहाणी से चर्चा, राजस्थान के राज्यपाल श्री निर्मल चन्द्रजी जैन (जबलपुर) म.प्र. के राज्यपाल डॉ. बलराम जाखड़ से जबलपुर में, श्रीमती सुषमा स्वराज से सागर में चर्चा एवं अनेक केन्द्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यमंत्री, सुप्रीम कोर्ट के जजों, हाईकोर्ट के जजों, आयोग अध्यक्षों एवं विशिष्ट पदों वाले व्यक्तियों से चर्चा के दौरान अनेक धार्मिक प्रभावना के कार्य हुए और अनेक संतों से आचार्य श्री की चर्चायें हुई। राजनेता, चिंतक, विचाक, साहित्यकार, शिक्षाविद्, न्यायाधीश, धर्माचार्य, डॉक्टर, संपादक, अधिवक्ता, जिलाधीश, पुलिस अधीक्षक, कुलपति आदि ने मार्गदर्शन प्राप्त किया। आचार्य श्री के म.प्र., उ.प्र., महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, बिहार आदि राज्यों में प्रवास से अत्यंधिक प्रभावना हुई।

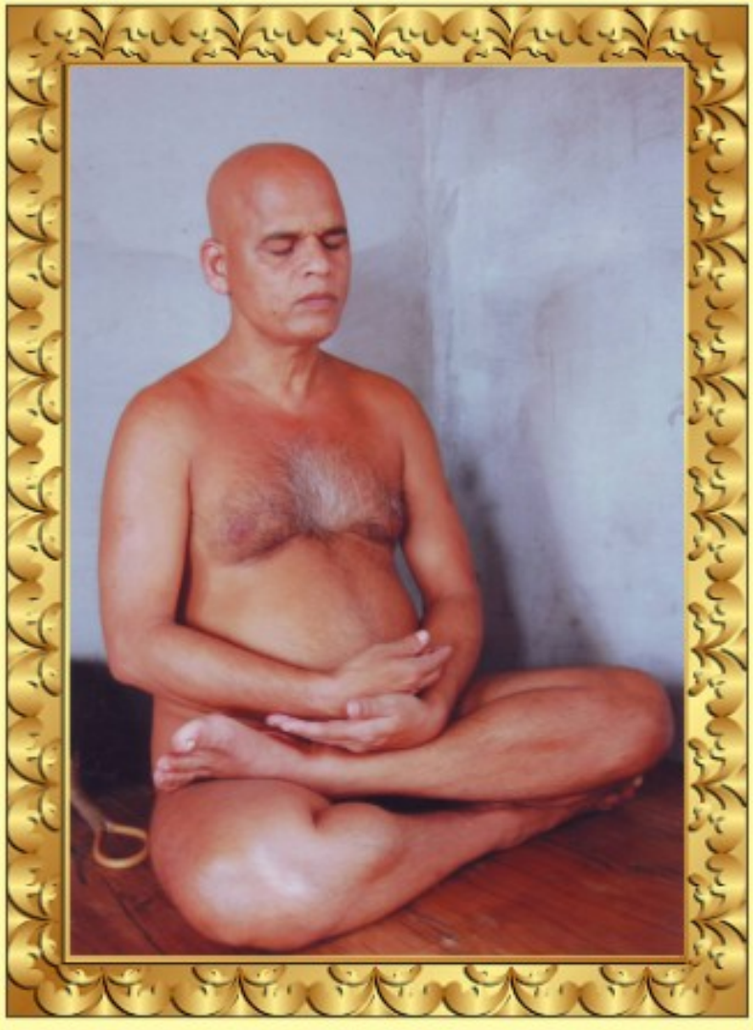

निर्यापक मुनि श्री १०८ समयसागर जी महाराज

मुक्ति वधु को पाने हेतु, भेष दिगम्बर को धारा।
रत्नत्रय के आभूषणों से, तुमने निज को श्रृंगारा।।

प. पू. निर्यापक मुनि श्री १०८ समयसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र.श्री शांतिनाथ जी जैन (अष्टगे) (सुकमाल)
पिता का नाम	:	श्री मलप्पाजी जैन (अष्टगे) (समाधिस्थ मुनि श्री मल्लिसागरजी महाराज)
माता का नाम	:	श्रीमती श्रीमंतिजी जैन (अष्टगे) (समाधिस्थ आर्यिका समयमति माताजी)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री महावीरजी, २) बा.ब्र. विद्याधरजी (वर्तमान में आ.श्री विद्यासागर जी) ३) ब्र.बहिन शांताजी, ४) ब्र. बहिन सुवर्णाजी ५) बा.ब्र. अनंतनाथजी (मुनिश्री योगसागरजी) ६) आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	२७-१०-१९५८, सोमवार (शरद पूर्णिमा), आश्विन शुक्ल पूर्णिमा, २०१५, सदलगा, बेलगांव (कर्नाटक) समय दोपहर - २ से २.३० बजे के बीच
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाई स्कूल (मराठी से)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०२-०५-१९७५, शुक्रवार, वैशाख कृष्ण सप्तमी वि.सं. २०३२, श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र महावीरजी (राज.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-१२-१९७५, गुरुवार, मार्गशीर्ष शुक्ल पूर्णिमा वि.सं. २०३२, श्री दिगम्बर सिद्धक्षेत्र सोनागिर, दतिया (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३१-१०-१९७८, मंगलवार, कार्तिक कृष्ण, अमावस्या, दीपावली, वि.सं. २०३५, श्री दिग. जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरि, छतरपुर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०८-०३-१९८०, शनिवार, चैत्र कृष्ण ६, वि.सं. २०३६ श्री दिग. जैन सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरी जी छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज
निर्यापक पद प्राप्ति तिथि	:	२८-११-२०१८, बुधवार, मार्गशीर्ष कृष्ण षष्ठी वी.नि. सं. २५४५ वि.सं. २०७५ गौशाला ललितपुर (उ.प्र.)
निर्यापक पद प्रदाता	:	बा.ब्र. संघनायक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महा.
विशेष	:	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज, निर्यापक मुनि श्री समयसागर जी महाराज एवं निर्यापक मुनि श्री योगसागर जी महाराज आप तीनों गृहस्थ जीवन के सगे भाई हैं एवं आप तीनों के गृहस्थ जीवन के माता-पिता भी आचार्य श्री धर्मसागरजी से दीक्षित हुए थे।

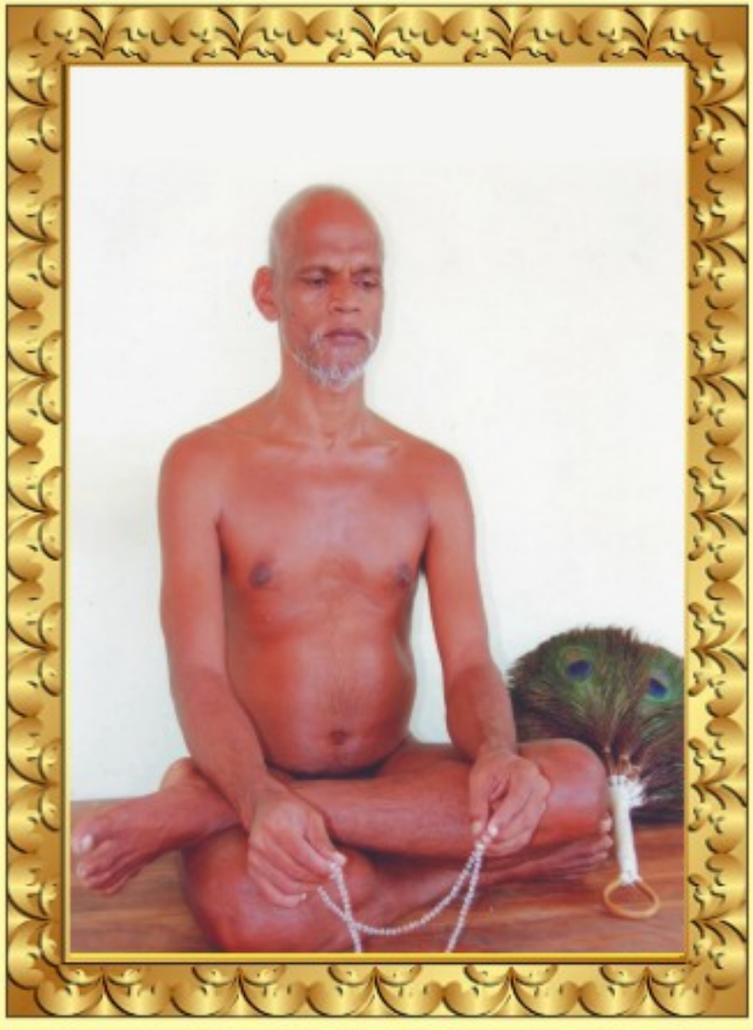

निर्यापक मुनि श्री १०८ योगसागर जी महाराज

स्वर्ण बने वह कोयला, और कोयला स्वर्ण।
पाप पुण्य का खेल है, आतम में ना वर्ण।।

निर्यापक मुनि श्री १०८ योगसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. श्री अनंतनाथ जी जैन (अष्टगे)
पिता का नाम	:	श्री मलप्पा जी जैन (अष्टगे) (समाधिस्थ मुनि श्री मल्लिसागरजी महाराज)
माता का नाम	:	श्रीमती श्रीमंतीजी जैन (अष्टगे) (समाधिस्थ आर्यिका समयमति माताजी)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री महावीरजी, २) बा.ब्र. विद्याधरजी (वर्तमान में आ.श्री विद्यासागर जी) ३) ब्र. बहिन शांताजी, ४) ब्र. बहिन सुवर्णाजी ५) आपका क्रम ६) श्री शांतिनाथजी (वर्तमान में मुनिश्री समयसागरजी)
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/स्थान/समय	:	१३-०९-१९५६, गुरुवार, भाद्रपद शुक्ल नवमीं, वि.सं. २०१३, दोप. १२ बजे, सदलगा, बेलगाँव (कर्नाटक)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाई स्कूल (मराठी माध्यम से)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०२-०५-१९७५, शुक्रवार, वैशाख कृष्ण सप्तमी वि.सं. २०३२, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महावीरजी (राज.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-१२-१९७५, गुरुवार, मार्गशीर्ष शुक्ल पूर्णिमा वि.सं. २०३२, श्री दिगम्बर सिद्धक्षेत्र सोनागिर, दतिया (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९-११-१९७७, सोमवार, कार्तिक शुक्ल नवमीं, वि.सं. २०३४, श्री दिग. जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर दमोह (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१५-०४-१९८०, मंगलवार, वैशाख कृष्ण अमावस्या, वि.सं. २०३७, मोराजी सागर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज
निर्यापक पद प्राप्ति तिथि	:	०८-०३-२०१९, रविवार, फाल्गुन कृष्ण १२ वी. नि. सं. २५४५, वि.सं. २०७५, श्री १००८ शांतिधाम, श्री शांतिनाथ दिग. जैन अतिशय क्षेत्र बीना बारहा तहसील देवरी जिला-सागर (म.प्र.)
निर्यापक पद प्रदाता	:	बा.ब्र. संघनायक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज, निर्यापक मुनि श्री समयसागर जी महाराज एवं निर्यापक मुनि श्री योगसागर जी महाराज आप तीनों गृहस्थ जीवन के सगे भाई हैं एवं आप तीनों के गृहस्थ जीवन के माता-पिता एवं दोनों बहिनें भी आचार्य श्री धर्मसागरजी से दीक्षित हुए थे। मुनिश्री अच्छे लेखक, कवि, साहित्यकार, तपस्वी, अध्यात्मयोगी, चिंतक, विचारक है। आपने आ. श्री शांतिसागर जी, आ. श्री शिवसागर जी, आ. श्री ज्ञानसागर जी, आ. श्री विद्यासागर जी की पूजन, बारह भावना, चौबीस तीर्थंकर स्तुति, काव्य, कवितायें आपकी प्रेरणास्पद कृति 'आत्म शिल्पी आ. श्री विद्यासागर' है। द्रव्य संग्रह की गाथानुसार कई करोड़ जाप कर चुके हैं कर रहे हैं। आपकी उपवास की साधना भी उत्कृष्ट है। १९९३ के गोम्टेश्वर में महामस्तकाभिषेक में आपकी सहभागिता रही हैं।

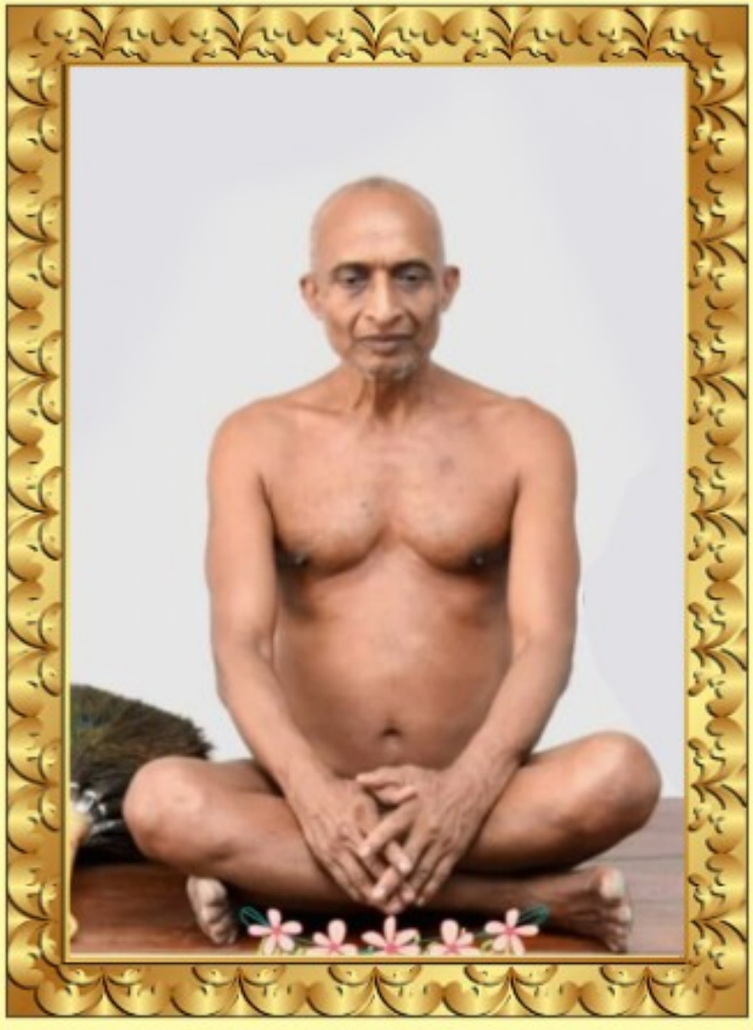

निर्यापक मुनि श्री १०८ नियमसागर जी महाराज

धूप और छाँव का मेल है जिंदगी।
बहते हुए जल का रेला है जिंदगी ।।

निर्यापक मुनि श्री १०८ नियमसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. महावीर जी प्रधाने (जैन)
पिता का नाम	:	श्री बाबूलाल जी प्रधाने (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती सोनाबाई जी (जैन)
भाई-बहिन के नाम	:	१) आपका क्रम २) श्री जिनप्पा जी
(जन्म के क्रम से)		३) श्री आदिनाथ जी
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०१-०५-१९५७, बुधवार, वैशाख शुक्ल द्वितीया
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०१४, सदलगा, बेलगाम (कर्नाटक)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	पी.यू.सी. (हायर सेकेण्डरी) (कन्नड़)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	जनवरी, १९७५, मदनगंज, किशनगढ़, अजमेर
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		राजस्थान
क्षुल्लक दीक्षा	:	१८-१२-१९७५, गुरुवार, मार्गशीर्ष शुक्ल पूर्णिमा
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०३२, श्री दिग. जैन सिद्धक्षेत्र सोनागिरि जी, दतिया (म.प्र.)
एलक दीक्षा	:	०७-१०-१९७८, बुधवार, आश्विन शुक्ल १० वि.स.
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		२०३५, दशमी (दशहरा) श्री दिग. जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिर जी छतरपुर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा	:	१५-०४-१९८०, मंगलवार, वैशाख कृष्ण अमावस्या
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०३७, मोराजी सागर, जिला सागर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज
निर्यापक पद प्राप्ति तिथि	:	१४-०७-२०१९, आषाढ़ शुक्ल १३, रविवार वी.नि. सं. २५४५ वि.सं. २०७६ श्री दिग. जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर, तहसील खातेगांव जिला देवास (म.प्र.)
निर्यापक पद घोषणाकर्ता	:	बा.ब्र. संघनायक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके द्वारा प्रसिद्ध कृतियों का संस्कृत, हिन्दी में सृजन हुआ है। अनेक पंचकल्याणक, विधान, वेदी शिलान्यास, मॉंदर निर्माण हुए, पाठशाला, शिविर के आयोजन हुए एवं अनेक प्रभावक कार्य हुए।

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ क्षमासागर जी महाराज

छाया, माया, देह का, मत करना विश्वास।
क्षणभंगुर है ये सभी विद्युत, विभा, विलास।।

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ क्षमासागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. वीरेन्द्र कुमार जी जैन (सिंघई)
पिता का नाम	:	श्री जीवनलाल जी जैन (सिंघई)
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती आशा देवी जी जैन (सिंघई)
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री संतोष जी २. श्री अरूण जी
(जन्म के क्रम से)		३. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२०-०९-१९५७, शुक्रवार, आश्विन कृष्ण11
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०१४ जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.टेक.
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१०-०१-१९८०, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		नैनागिरी जी छतरपुर (म.प्र.)
छुल्लक छीक्षा		१०-११-१९८०, माघ कृष्ण ८, गुरूवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी छतरपुर (म.प्र.)
एलक दीक्षा	:	०७-११-१९८० कार्तिक कृष्ण ३० (दीपावली)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला बैतूल (म.प्र.)
मुनि दीक्षा	:	२०-०८-१९८२, भाद्र शुक्ल २, शुक्रवार, वि.सं.
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		२०३९ जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि दिनांक, दिन	:	१३ मार्च २०१५ दिन शुक्रवार चैत्र कृष्ण ७ ज्येष्ठा
तिथि, स्थान		नक्षत्र वि.सं. २०७१ प्रात: ५ बजे सागर (म.प्र.)

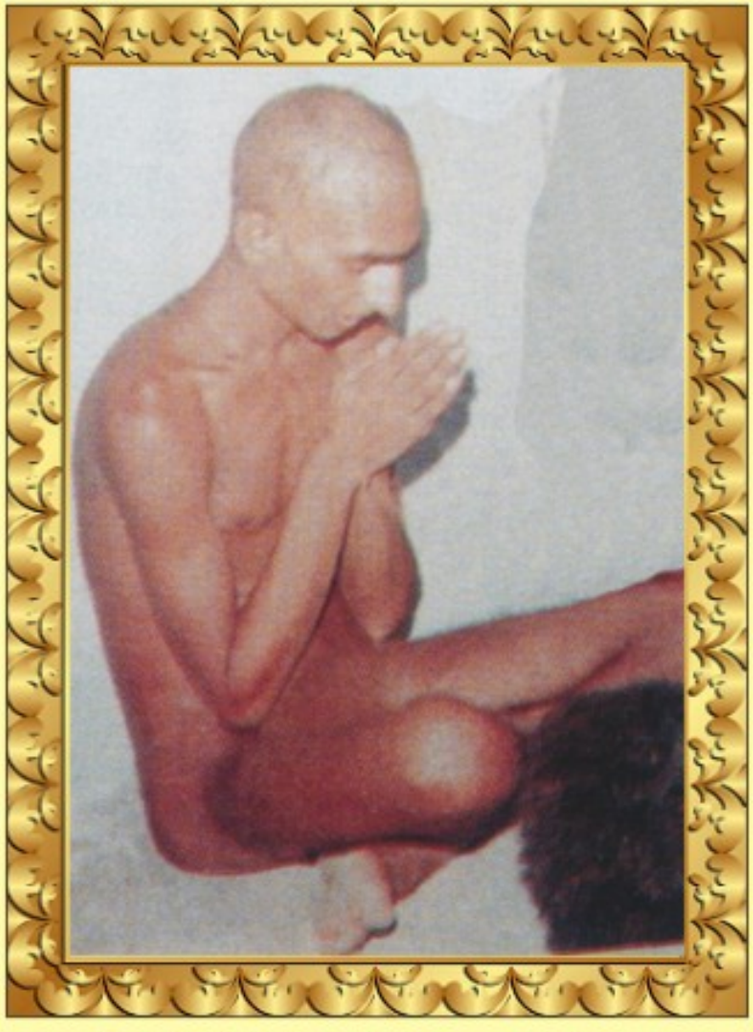

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ संयमसागर जी महाराज

कोई हस के मरा दुनिया में, कोई रो के मरा।
जिंदगी पाई मगर उसने जो कुछ हो के मरा।।

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ संयमसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. सतीश कुमार जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री पन्नालाल जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती सरस्वती देवी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री रमेशचंद २. श्री महेश ३. स्व. श्री कैलाशचंद ४. श्री संतोष ५. आपका क्रम ६. श्री अतीष ७. श्रीमती आशा ८. बा.ब्र. प्रभा दीदी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	वि.सं. २०१२, कटंगी, जिला-जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९७६ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र, कुण्डलपुर जी जिला-दमोह (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	०२-११-१९७८ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१४-०१-१९८० माघ कृष्ण ११ वि.सं. २०३६ सोमवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०८-१९८२, भाद्र शुक्ल ०२ शुक्रवार वि.सं. २०३९, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	१४ जून १९८४ मंगलवार ज्येष्ठ शुक्ल १४ वि.सं. २०४१ भेलपुर, वाराणसी (उ.प्र.)

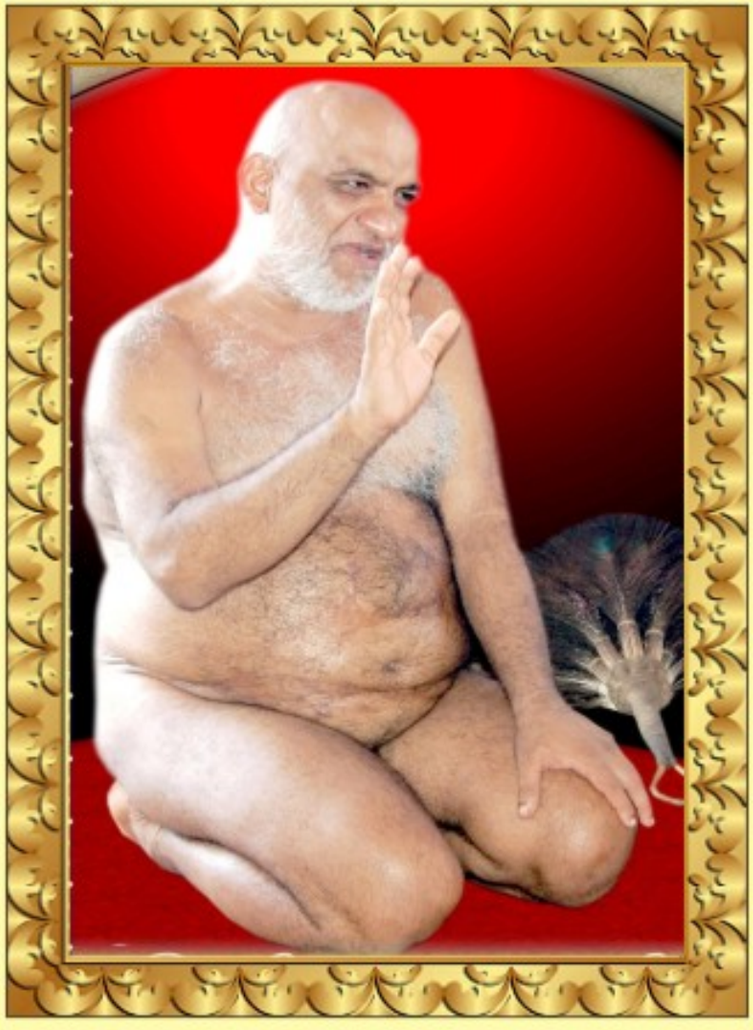

निर्यापक मुनि श्री १०८ सुधासागर जी महाराज

वह थकते हैं और चैन पाती है दुनिया।
कमाते हैं , वह और खाती है दुनिया ।।

निर्यापक मुनि श्री १०८ सुधासागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. जयकुमार जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री रूपचंद जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती शांतिदेवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री ऋषभ जी २. आपका क्रम ३. श्री ज्ञानचंद जी ४. श्रीमती निरंजना जी ५. श्रीमती कंचनमाला जी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२१-०८-१९५८, श्रावण शुक्ल सप्तमी (मोक्ष सप्तमी) अथवा (अगहन कृष्ण द्वितीया) वि.सं. २०१५, ईशुरवारा जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी. कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-१०-१९७८, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरी जी, छतरपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०१-१९८०, गुरुवार, माघ कृष्ण ०८, वि.सं. २०३६, श्री सिद्धक्षेत्र नैनागिरी जी, छतरपुर (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१५-०४-१९८२, गुरुवार, वैशाख कृष्ण ७ वि.सं. २०३९ मोरा जी सागर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०९-१९८३, रविवार, आश्विन कृष्ण तृतीया वि.सं. २०४०, ईसरी बाजार, जिला-गिरिडीह (झारखंड)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
निर्यापक पद प्राप्ति तिथि	:	१४-०७-२०१९, आषाढ़ शुक्ल १३, रविवार वी.नि. सं. २५४५ वि.सं. २०७६ श्री दिग. जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर, तहसील खातेगांव जिला देवास (म.प्र.)
निर्यापक पद घोषणाकर्ता	:	बा.ब्र. संघनायक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	क्षुल्लक अवस्था एवं एलक अवस्था में आपका नाम परमसागर जी महाराज था। मुनि दीक्षा के बाद आपका नाम मुनि श्री सुधासागर जी हो गया। आपने अनेक पंचकल्याणक, मंदिरों का जीर्णोद्धार आदि कार्य कराये हैं। आपकी प्रवचन शैली सभी को लाभकारी होती है आपके मार्गदर्शन में बहुत से ग्रंथों का प्रकाशन हुआ हैं।

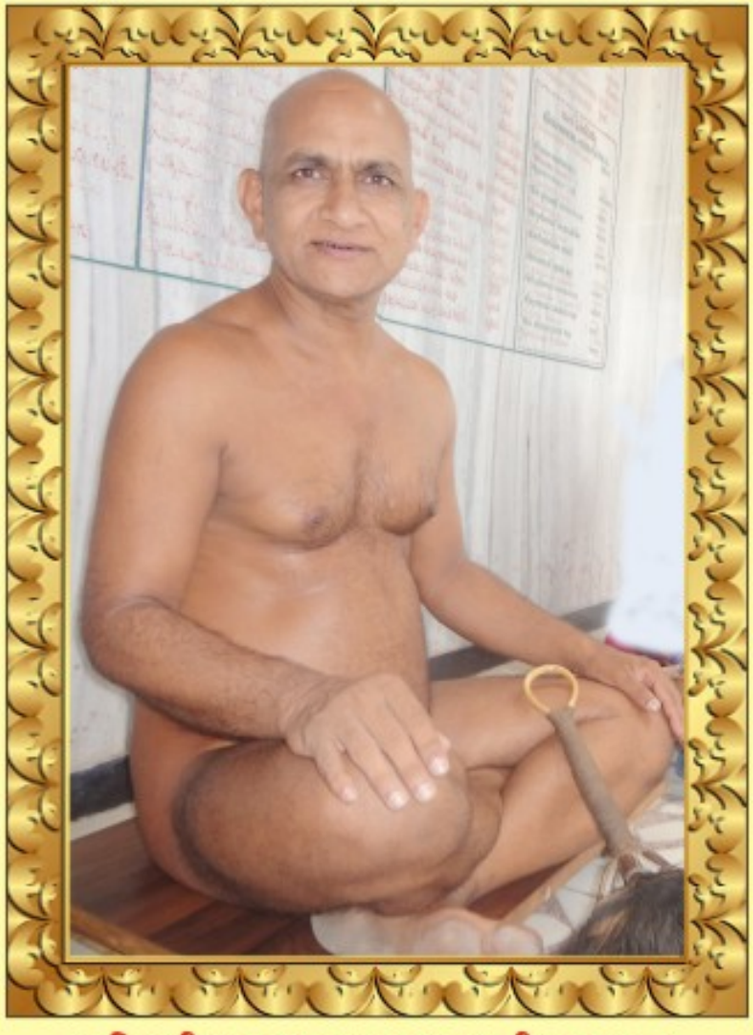

मुनि श्री १०८ समतासागर जी महाराज

तन मन की सब प्यास मिटाने, सागर भर जल पी डाला।
फिर भी प्यास शांत न हुई, धधक रही इच्छा ज्वाला॥

मुनि श्री १०८ समतासागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. प्रवीणकुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री राजाराम जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चिरौंजा देवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुरेन्द्र कुमार जी २. श्रीमती माया २. आपका क्रम ४. बा.ब्र. ममता जी (वर्तमान में श्री संयम मति माता जी) ५. बा.ब्र. सुनीता जी (वर्तमान में श्री स्वभाव मति माता जी) ६. बा.ब्र. बबीता जी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/स्थान/समय	:	१३-०७-१९६२ शुक्रवार, आषाढ़ शुक्ल ११ वि.सं. २०१९, नन्हीं देवरी, जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८० श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला बैतूल (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८३ गुरूवार, प्रथम फाल्गुन कृष्ण १३ वि.सं. २०३९, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सम्मेद शिखर जी मधुवन, जिला-गिरडीह, (झारखंड)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०९-१९८३ रविवार, अश्विन कृष्ण तृतीया वि.सं. २०४० ईशरी बाजार, जिला-गिरडीह (झारखंड)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी एलक दीक्षा हुई थी। आपके गृहस्थ जीवन की बहिन आर्यिका संयममति माता जी एवं स्वभावमति माता जी हैं, जो आपके गुरू से ही दीक्षित है।

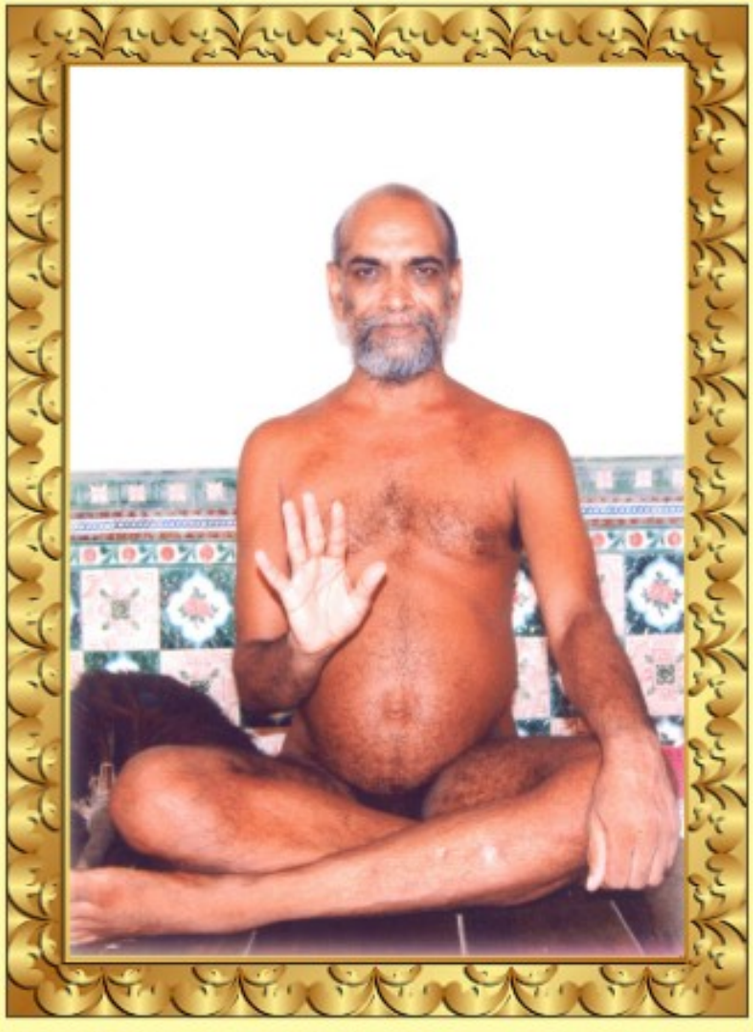

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ स्वभावसागर जी महाराज

अब सौंप दिया इस जीवन का सब भार तुम्हारे हाथों में।
है जीत तुम्हारे हाथों में और हार तुम्हारे हाथों में॥

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ स्वभाव सागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. अशोक कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री फूलचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गुलाबरानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती चंपा २. श्री मना ३. श्री कंछेदीलाल ४. श्रीमती मीना ५. श्री भागचंद ६. आपका क्रम ७. श्री प्रकाशचंद्र ८. श्री महेन्द्र ९. श्रीमती सहोदरा १०. श्री विजय ११. श्रीमती सविता
जन्म दिनांक/तिथि/	:	११-०७-१९५७, बुधवार, आषाढ़ शुक्ल १५
दिन/ स्थान	:	वि.सं. २०१४, नन्हीं देवरी (नाहरमऊ) जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.एस.सी. (अपराध शास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१७-०६-१९८०, सागर (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	
ऐलक दीक्षा	:	१०-०२-१९८३ गुरुवार, प्रथम फाल्गुन कृष्ण १३
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०३९, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सम्मेद शिखर ती मधुवन, जिला-गिरडीह, (झारखंड)
मुनि दीक्षा	:	२५-०९-१९८३, रविवार आश्विन कृष्ण तृतीया
तिथि/स्थान		वि.सं. २०४० ईसरी बाजार जिला-गिरडीह (झारखंड)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य गुरु विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी एलक दीक्षा हुई थी।
समाधि	:	११-०८-२०१७ शुक्रवार, भाद्रपद कृष्ण 4 वि.सं. २०७४ मालथौन जिला-सागर (म.प्र.)

मुनि श्री १०८ सरलसागर जी महाराज

इन्द्रिय सुख ही अक्षय सुख है, ऐसा अब तक माना था।
इन्द्रियों के वश होकर के निज को नहिं पहिचाना था॥

मुनि श्री १०८ सरलसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. महेन्द्र कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री बाबूलाल जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती गेंदा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री श्रीमती सुशीला बाई २. स्व. श्रीमती सुगंधी बाई ३. श्री कैलाश चंद्र ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२०-१०-१९५७, कार्तिक कृष्ण १२, वि.सं. २०१४ शहपुरा (भिटौनी) नीमखेड़ा जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९७६ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरी जी जिला छतरपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	१०-०१-१९८० शुक्रवार माघ कृष्ण ८ वि.सं. २०३६ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र, नैनागिरी जी, जिला छतरपुर (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८२ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बीना बारहा जी, जिला-सागर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०९-१९८३, अश्विन कृष्ण ०३, रविवार वि.सं. २०४० ईसरी बाजार, जिला-गिरडीह (झारखंड)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	क्षुल्लक अवस्था एवं एलक अवस्था में आपका नाम भावसागर जी महाराज था।

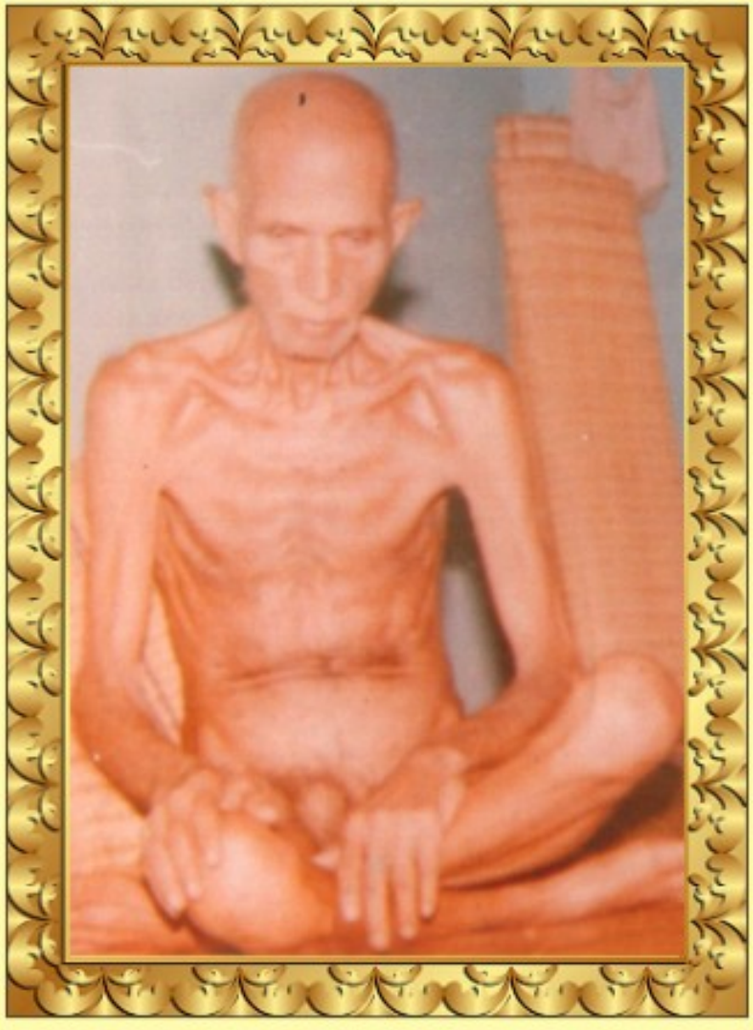

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ वैराग्यसागर जी महाराज

गुरू ज्ञानी गुरू पारखी, गुरू उदार गंभीर।
रहस्य उद्घाटक गुरू, गुरू प्रभु की तस्वीर।।

समाधिस्थ मुनि श्री 108 वैराग्यसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	श्री बदामीलाल जी जैन
पिता का नाम	:	श्री मंगलजीत जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती मिश्री बाई जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१९०३ सिरौंज, जिला-विदिशा (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-०७-१९८५ आषाढ़ शुक्ला १४ सोमवार वि.सं. २०४२ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र आहार जी, जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि दिनांक/दिन	:	०९-०९-१९८५ भाद्रपद कृष्ण दशमी वि.सं. २०४२ सायं ५:५० बजे
तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र आहार जी, जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
विशेष	:	आप २८ जून १९८५ को आये ३० जून १९८५ को निवेदन किया १ जुलाई १९८५ चातुर्मास स्थापना के दिन आचार्य श्री के द्वारा मुनि दीक्षा दी गयी संलेखना विधि प्रारंभ २९ जुलाई १९८५ को अन्न त्याग, ७ अगस्त १९८५ लौकी पानी का त्याग, ९ सितम्बर १९८५ को मठा एवं जल के त्याग पूर्वक ८२ वर्ष की आयु में आपकी समाधि हुई।

मुनि श्री १०८ प्रमाणसागर जी महाराज

जब साहित्य पढ़ो तक पहले पढ़ो ग्रंथ प्राचीन।
पढ़ना हो विज्ञान अगर तो पोथी पढ़ो नवीन ।।

मुनि श्री १०८ प्रमाणसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. नवीन कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री सुरेन्द्र कुमार जी जैन (सेठी)
माता का नाम	:	श्रीमती सोहनी देवी जी जैन (सेठी)
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री अनिल २. आपका क्रम
(जन्म के क्रम से)		३. श्री अरविंद ४. श्रीमती नीता
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२७-०७-१९६७, सोमवार, आषाढ़ कृष्णा ०५
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०२४, हजारीबाग (झारखंड)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	इन्टरमीडिएट
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०४-०३-१९८४, राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
क्षुल्लक दीक्षा	:	०८-११-१९८५ कार्तिक कृष्णा १० शुक्रवार वि.सं. २०४२, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र अहार जी, जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
एलक दीक्षा	:	१०-०७-१९८७, आषाढ़ शुक्ल १४ वि.सं.
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		२०४४, शुक्रवार, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र थूवौन जी जिला-गुना (म.प्र.)
मुनि दीक्षा	:	३१-०३-१९८८, गुरुवार, चैत्र शुक्ल १३ वि.सं.
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		२०४५ (महावीर जयंती) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी जी जिला-दतिया (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आप अग्रिम पंक्ति के साधु है आपकी प्रवचन शैली प्रभावक है आपने जैन तत्त्वविद्या जैसे ग्रन्थों के लेखन का कार्य किया है अनेक प्रभावक कार्य किये हैं।

मुनि श्री १०८ मार्दवसागर जी महाराज

हमने गुरू दर पे लुटा दी है, सब तमन्नाएँ।
लोग कहते हैं कि ये खुद को मिटा बैठे है।।

मुनि श्री १०८ मार्दवसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. वीरेन्द्र कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री भागचंद जी सिंघई (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती शीलारानी जी सिंधई (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुरेश २. श्री पं. लक्ष्मीचंद ३. श्री सुभाषचंद ४. श्री राजकुमार ५. श्री महेन्द्र ६. आपका क्रम ७. श्री प्रेमचंद ८. ब्र. राजेन्द्र ९. श्रीमती कमला बाई
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२४-०६-१९६२ बुधवार, आषाढ़ कृष्ण ३ वि.सं. २०१९ पठा, जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	पाँचवीं संस्कृत (माध्यम) शास्त्री
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-०३-१९८५ महावीर जयंती पर खुरई जिला-सागर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	०८-११-१९८५, कार्तिक कृष्ण १३, शुक्रवार वि.सं. २०४२, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र अहार जी, जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
एलक दीक्षा	:	१०-०७-१९८७, आषाढ़ शुक्ल १४ वि.सं. २०४४, शुक्रवार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र थूवौन जी जिला-गुना (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३१-०३-१९८८, चैत्र शुक्ल १३ गुरूवार वि.सं. २०४५ (महावीर जयंती) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी जी जिला-दतिया (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

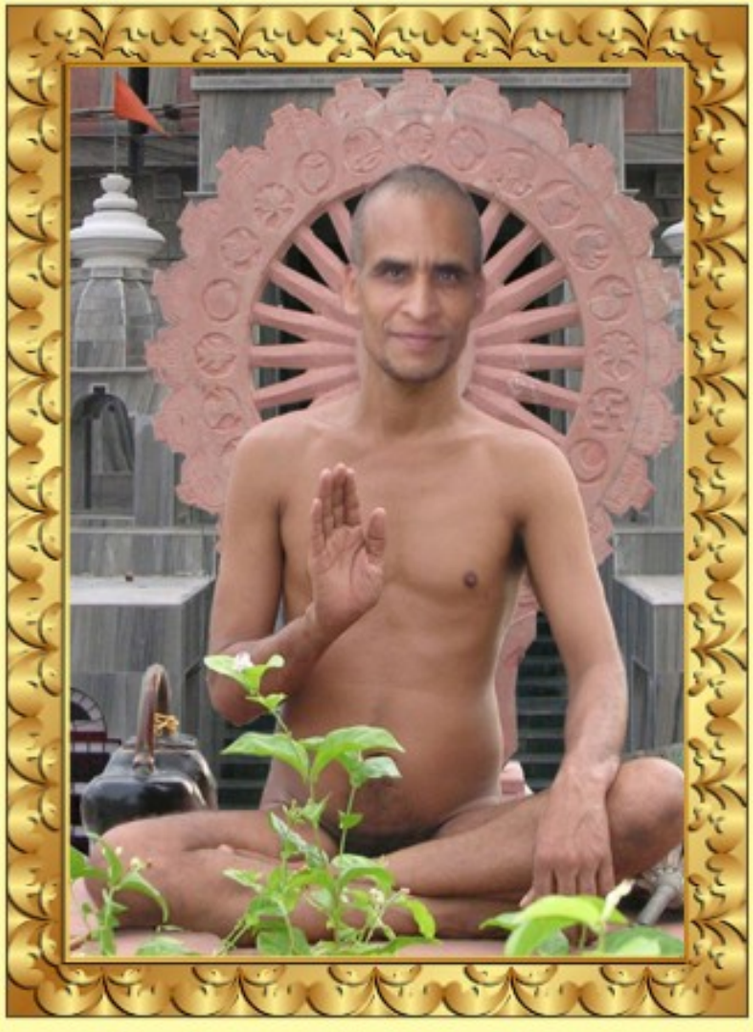

मुनि श्री १०८ पवित्रसागर जी महाराज

यही हमारी श्रमण संस्कृति भारत की पूँजी है।
सत्य, अहिंसा परमोधर्मः ध्वनि जहाँ गूँजी है।।

मुनि श्री १०८ पवित्रसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. कमलेश कुमार जी जैन (दानपति)
पिता का नाम	:	श्री राजेन्द्र कुमार जी जैन (दानपति)
माता का नाम	:	श्रीमती कुसुम देवी जी जैन (दानपति)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्री के.के. जैन ३. श्री अभय कुमार ४. श्रीमती पद्मा ५. श्री भूपेन्द्र ६. श्रीमती अंजना ७. श्री रूपेन्द्र ८. श्रीमती वंदना ९. श्री हेमन्त १०. श्रीमती श्रृद्धा ११. श्री विक्रांत
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	३१-०१-१९६१ माघ शुक्ल १५ पूर्णिमा मंगलवार वि.सं. 2017, जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८४ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जिला-जबलपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	१०-०२-१९८७ माघ शुक्ल १२ मंगलवार वि.सं.२०४४, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सोनागिर जी जिला-दतिया (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३१-०३-१९८८, चैत्र शुक्ल १३ गुरूवार वि.सं. २०४५ (महावीर जयंती) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी जी जिला-दतिया (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी एलक दीक्षा नहीं हुई थी।

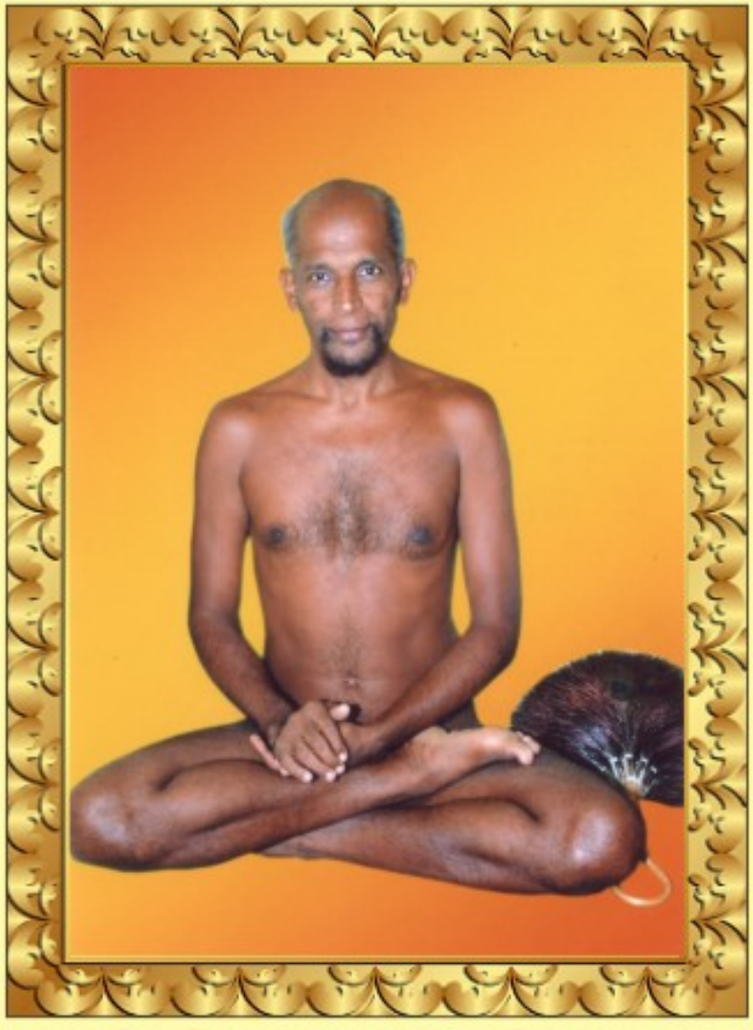

मुनि श्री १०८ उत्तमसागर जी महाराज

रहती नहीं जहाँ आशाएँ अभिलाषा।
सत्यं, शिवम्, सुंदरम् का यह अद्भुत संगम।।

मुनि श्री १०८ उत्तमसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. श्रीपाल जी जैन
पिता का नाम	:	श्री बाला साहेब जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती हौसा देवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमती सुशीला २. श्रीमती राजमति
(जन्म के क्रम से)		३. श्री भूपाल ४. श्री कलप्पा
		५. श्री अक्का ताई ६. श्री सागर
		७. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०१-०६-१९६० बुधवार, ज्येष्ठ शुक्ल ७ वि.सं.
दिन/ स्थान/समय		२०१७, अब्दुल्ला लाट, जिला-कोल्हापुर (महा.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाईस्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१५-०५-१९८४ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		सम्मेद शिखर जी में स्वयं
क्षुल्लक दीक्षा	:	१०-०२-१९८७ माघ शुक्ला १२, मंगलवार वि.सं. २०४४, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरी जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा	:	३१-०३-१९८८, चैत्र शुक्ल १३, गुरुवार,
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं.२०४५ (महावीर जयंती) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी जी जिला-दतिया (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी एलक दीक्षा नहीं हुई थी। आपने अनेक पूजन, कवितायें आदि की रचना की हैं।

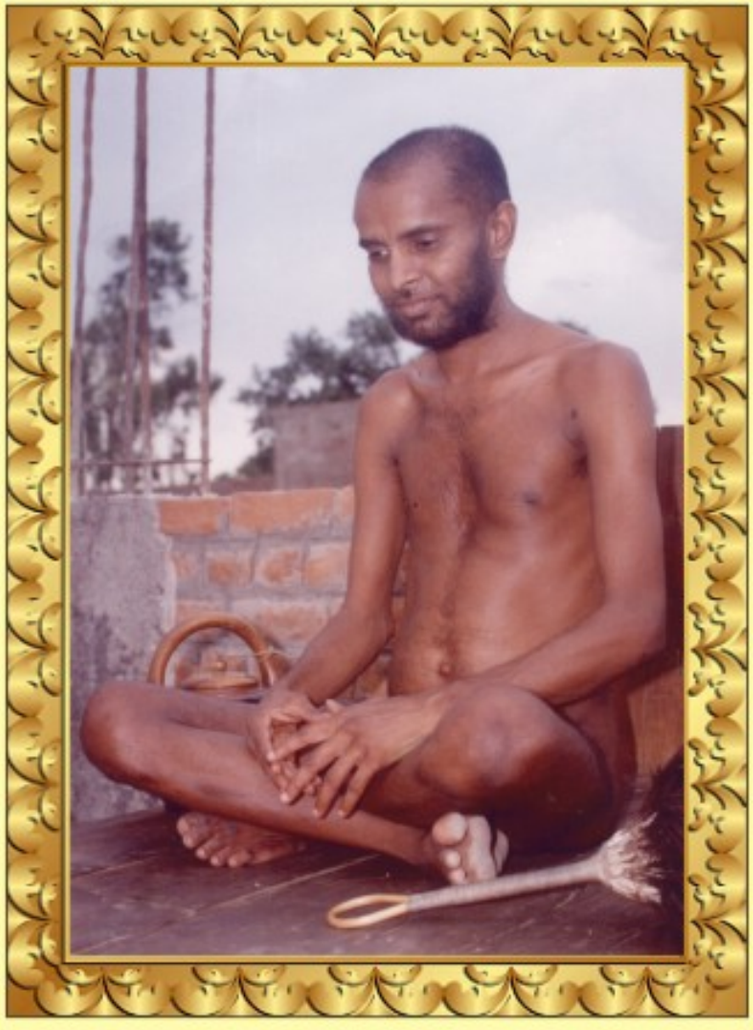

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ चिन्मयसागर जी महाराज

निज आतमा को साधते हैं, ज्ञान दर्शन चरित्र से।
वे साधु गिरने से बचाते, थामते व्रत त्वरित से॥

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ चिन्मयसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. धर्णेन्द्र जी जैन (भोले)
पिता का नाम	:	स्व. श्री अण्णाप्पा जी जैन (भोले)
माता का नाम	:	श्रीमती हीरादेवी जी जैन (भोले)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्री जितेन्द्र ३. सरस्वती ४. पद्मावती
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०६-०८-१९६१, आषाढ़ कृष्ण ११, रविवार वि.सं. २०१८ गणेशवाड़ी, जिला-कोल्हापुर (महा.) बाद में निवास जूगुल, तह.-अथणी, जिला-बेलगाँव (कर्नाटक)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंथलगिरी जी जिला-उस्मानाबाद (महाराष्ट्र) स्वयं श्री जी के सामने
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३१-०३-१९८८, चैत्र शुक्ल १३ गुरूवार वि.सं. २०४५ (महावीर जयंती) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी जी जिला-दतिया (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई थी।
समाधि	:	१८-१०-२०१९, आश्विन शुक्ल ५, शुक्रवार वि.सं. २०२६ जूगुल, तह.-अथणी, जिला-बेलगाँव (कर्नाटक)

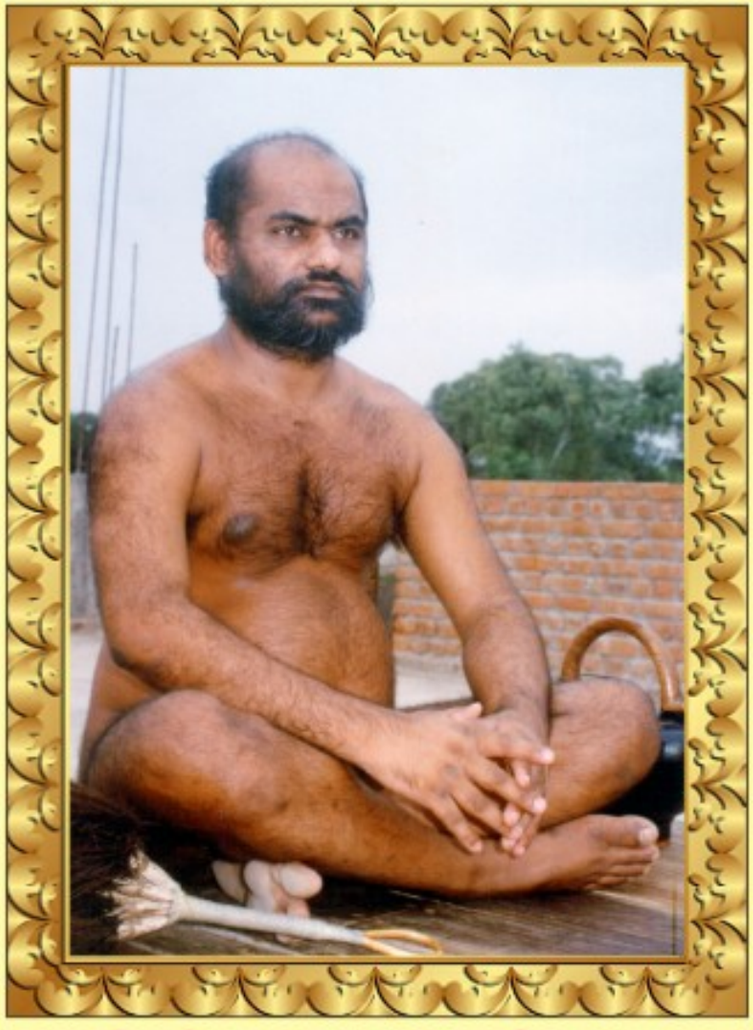

मुनि श्री १०८ पावनसागर जी महाराज

नहीं अतिथि की तिथि हैं, निश्चित कल का कुछ भी पता नहीं।
आज यहाँ हैं, कल वहाँ हैं, कोई सकता बता नहीं।।

मुनि श्री १०८ पावनसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. जयपाल जी जैन (खोते)
पिता का नाम	:	श्री परिप्पा जी जैन (खोते)
माता का नाम	:	श्रीमती शाला ताई जैन (खोते)
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री भारत २. श्रीमती माणिक
(जन्म के क्रम से)		२. ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१३-०८-१९६६, द्वितीय श्रावण कृष्णा 12
दिन/ स्थान/समय		शनिवार वि.सं. २०२३ कानड वाड़ी
		(साँगली) (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाईस्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१५-१०-१९८४ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		कुंथलगिरी जी जिला-उस्मानाबाद (महाराष्ट्र)
मुनि दीक्षा	:	३१-०३-१९८८, चैत्र शुक्ल १३ गुरूवार
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०४५ (महावीर जयंती)
		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी जी
		जिला-दतिया (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई थी।

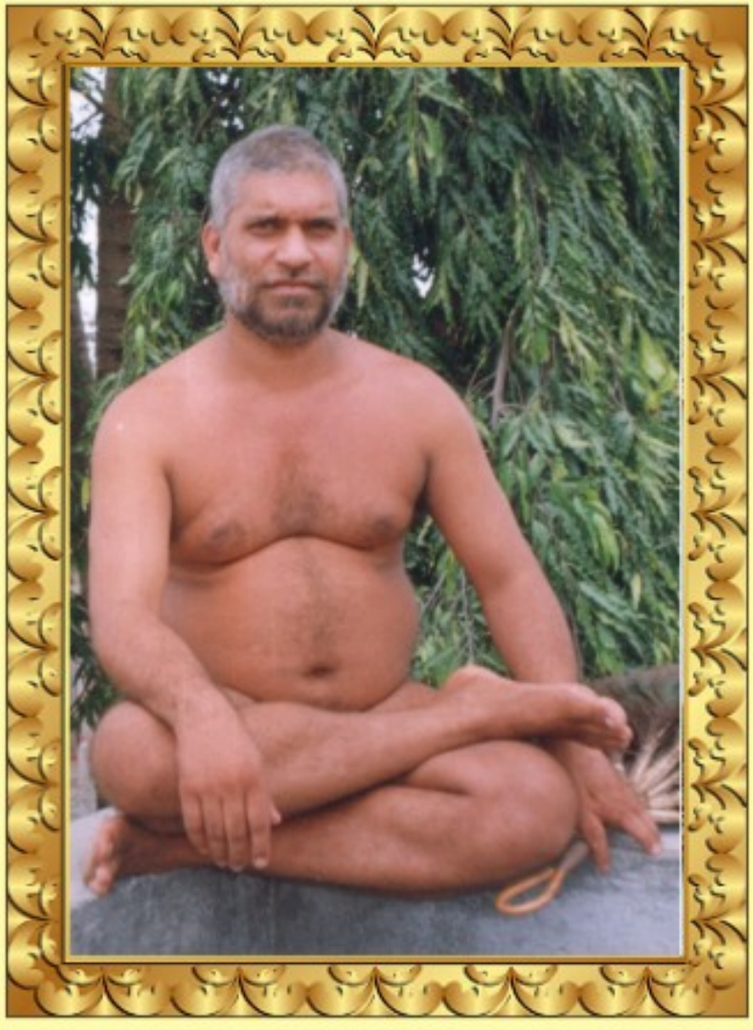

मुनि श्री १०८ सुखसागर जी महाराज

संसार के सब सहारे जब छूट जाते हैं।
तब संत चरण ही काम आते हैं।।

मुनि श्री १०८ सुखसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. प्रमोद कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री ताराचंद जी नायक (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती विमला देवी नायक (जैन)
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमती प्रभा देवी २. श्रीमती शशि
(जन्म के क्रम से)		३. आपका क्रम ४. श्रीमती अनीता
		५. श्रीमती सविता ६. श्री प्रवीण जी
		७. श्री संजीव जी ८. श्री राजीव जी
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२०-०१-१९६३, रविवार माघ कृष्ण १० वि.सं.
दिन/ स्थान/समय		२०१९, मुंगावली, जिला-अशोकनगर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम. फायनल
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१९८३ में क्षुल्लक श्री सन्मतिसागर जी से
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		गृह त्याग 1987 में
मुनि दीक्षा	:	३१-०३-१९८८, चैत्र शुक्ल १३ गुरूवार वि.सं.
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		२०४५ (महावीर जयंती) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी जी जिला-दतिया (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई थी।

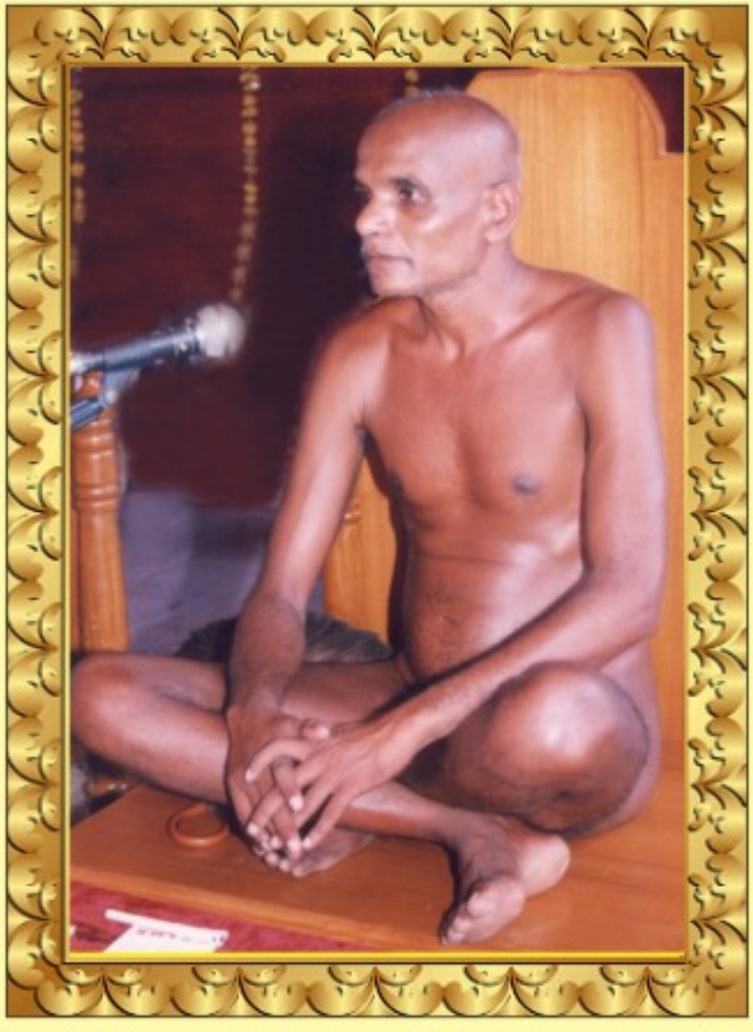

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ अपूर्वसागर जी महाराज

जीवन के हर मोड़ पर आशा और निराशा है।
मिलकर के बिछुड़ना, यही जीवन की परिभाषा है।।

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ अपूर्वसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. महावीर जी पाटिल (जैन)
पिता का नाम	:	श्री नेमगोंडा जी पटिल (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती सुशीला देवी जी पाटिल (जैन)
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री अनिल २. श्री चंद्रकांत
(जन्म के क्रम से)		३. श्रीमती लीलावती ४. श्रीमती जय श्री
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२१-०४-१९५९ मंगलवार
दिन/ स्थान/समय		धामनी, समडोली, जिला-सांगली (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाईस्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१९८२, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुंथलगिरि जी
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		जिला-उस्मानाबाद (महाराष्ट्र)
क्षुल्लक दीक्षा	:	१६-०५-१९९१ वैशाख शुक्ल ०३, गुरूवार, वि.सं.
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		२०४८ (अक्षय तृतीया), श्री दिगम्बर जैन
		सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
एलक दीक्षा	:	२५-०७-१९९१ आषाढ़ शुक्ल १४, गुरुवार वि.सं.
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		२०४८ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी,
		जिला-बैतूल (म.प्र.)
मुनि दीक्षा	:	१६-१०-१९९७, आश्विन शुक्ल १५ गुरूवार
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०५६ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय
		सिद्धक्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	२० अक्टूबर २००५, गुरूवार, तृतीया समडोला,
		जिला अंजली (महाराष्ट्र)

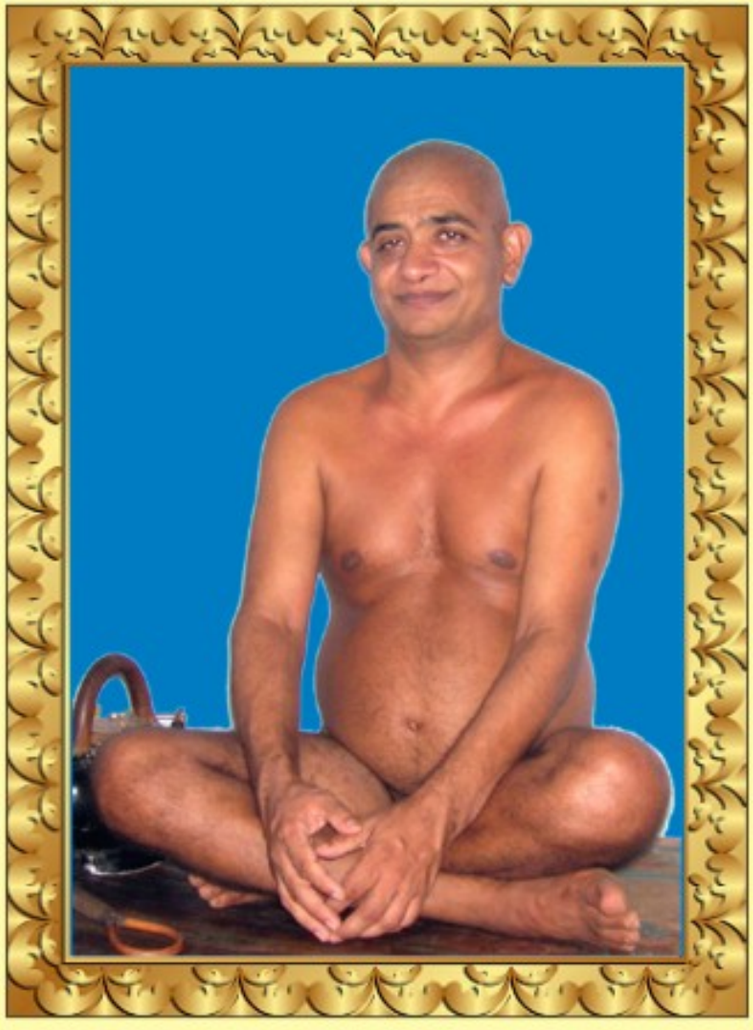

मुनि श्री १०८ प्रशांतसागर जी महाराज

जागन लाल वहीं है सुखिया जो इच्छा का त्यागी।
राग-द्वेष तज सकल परिग्रह भये परम अनुरागी।।

मुनि श्री १०८ प्रशांतसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. राजेश जी जैन
पिता का नाम	:	समाधिस्थ श्री देवचंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सुशीला रानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती मालती २. श्री विनोद ३. श्री अनिल ४. आपका क्रम ५. श्रीमती मंजू ६. श्रीमती मणी ७. श्रीमती रश्मि
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०३-०१-१९६१ मंगलवार, माघ कृष्ण द्वितीय वि.सं. २०१७ गोटेगाँव, जिला-नरसिंहपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०२-१९८९, गोटेगाँव, जिला-नरसिंहपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	१६-०५-१९९१, वैशाख शुक्ल ०३ गुरूवार वि.सं. २०४८ (अक्षय तृतीया), श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला-बैतूल (म.प्र.)
एलक दीक्षा	:	२५-०७-१९९१, आषाढ़ शुक्ल १४ वि.सं. २०४८, गुरूवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला-बैतूल (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, अश्विन शुक्ल १५ गुरूवार वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावरजी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपने जिन सरस्वती, सूत्रोंदय, कथोदय आदि ग्रन्थों का संकलन, संपादन किया हैं। पाठशालाओं का भी शुभारंभ करवाया हैं। अनेकों पंचकल्याणक, अनुष्ठान प्रभावक कार्य हुए हैं आपके सान्निध्य में।

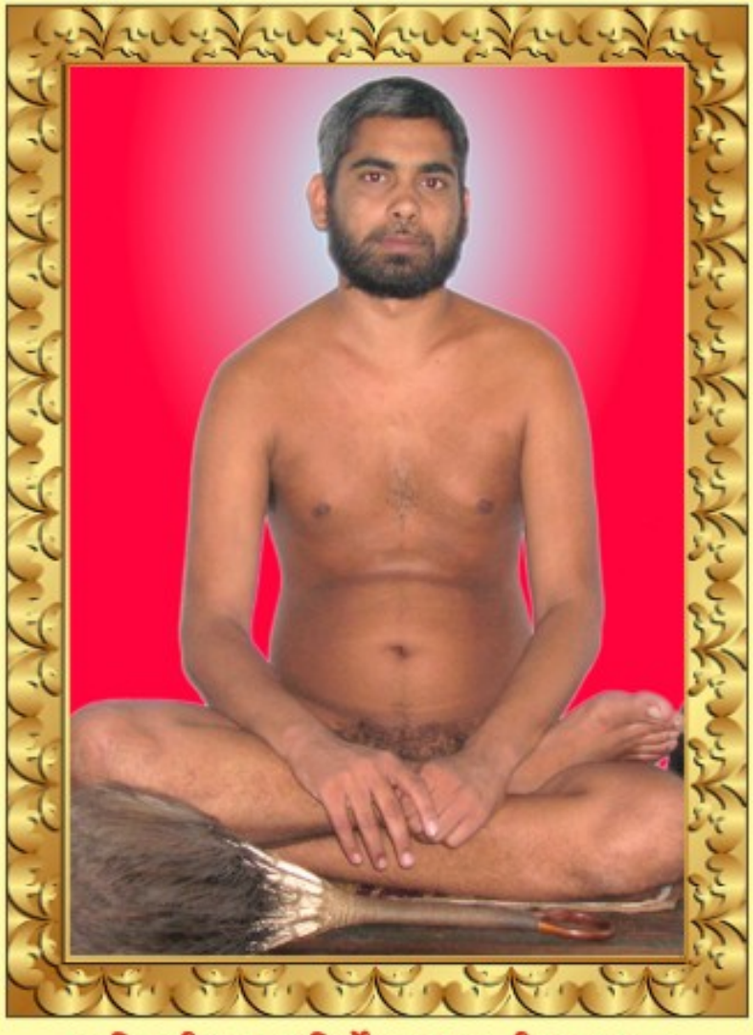

मुनि श्री १०८ निर्वेगसागर जी महाराज

सजदे के सिलसिले में फिरदौस मुझे मंजूर नहीं।
वैलौस बंदा हूँ कोई मजदूर नहीं।।

मुनि श्री १०८ निर्वेगसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. दिलीप कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री बंशीलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमलाबाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सुनीता २. श्रीमती अनीता ३. श्रीमती विनीता ४. श्रीमती बवीता ५. श्री दीपक ६. आपका क्रम ७. बा.ब्र. श्वेता दीदी (वर्तमान में आ. श्री संतुष्टमति जी)
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१०-१२-१९७३,पौष शुक्ल ११, गुरुवार, वि.सं. २०३०, छिंदवाडा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-०७-१९९२, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र (प्रथम बार १९८९ में) कुण्डलपुर, जिला-दमोह (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	०७-१०-१९९५, आश्विन शुक्ल १४ शनिवार वि.सं.२०५२, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला-दमोह (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-१९९६, श्रावण शुक्ल ७ बुधवार, वि.सं. २०५३, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महुआ जी जिला-सूरत (गुजरात)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, आश्विन शुक्ल १५ गुरूवार वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी गृहस्थ जीवन की बहिन आर्यिका श्री संतुष्ट मति माता जी आपके ही गुरू द्वारा दीक्षित हैं। (आर्यिका श्री १०५ अनंतमति माता जी संघ में है)

मुनि श्री १०८ विनीतसागर जी महाराज

जिन धर्म को जिसने धरा वह, उठा संसार से।
शाश्वत् सुखी हो मुक्ति पायी, सर्वथा दुख क्षार से॥

मुनि श्री १०८ विनीतसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. कुलभूषण जी बारे (जैन)
पिता का नाम	:	श्री गणपत राव जी बारे (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती फूला बाई जी बारे (जैन)
भाई-बहिन के नाम	:	१. आपका क्रम २. श्री देशभूषण
(जन्म के क्रम से)		३. श्री सकल भूषण ४. श्री वीर भूषण
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०९-०२-१९६१, फाल्गुन कृष्ण ८ वि.सं. २०१७
दिन/ स्थान/समय		महातपुर, जिला-सोलापुर (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१४-०९-१९८०, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		मुक्तागिरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	०७-१०-१९८५, आश्विन शुक्ल १४ शनिवार वि.सं. २०५२, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला-दमोह (म.प्र.)
एलक दीक्षा	:	२१-०८-१९९६, श्रावण शुक्ल ७ वि.सं.२०५३
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		बुधवार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महुआ जी जिला-सूरत (गुजरात)
मुनि दीक्षा	:	१६-१०-१९९७, आश्विन शुक्ल १५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		(शरदपूर्णिमा) गुरूवार वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावरजी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ निर्णयसागर जी महाराज

सूरज से कीरत बड़ी, बिना पंख उड़ जाये।
सूरत तो जल जात है, कीरत यहाँ रह जाये।।

मुनि श्री १०८ निर्णयसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. रंजन कुमार जी 'निरंजन'
पिता का नाम	:	स्व. श्री निर्मल कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती स्वर्णलता जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती निशा २. श्री भूपेन्द्र ३. श्री सुनील ४. आपका क्रम ५. श्रीमती कल्पना
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१२-०९-१९६९ शुक्रवार, भाद्र शुक्ल-१ वि.सं. २०२६, मुरारिया (सिरोंज) जिला-विदिशा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम. कॉम. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-०१-१९९०, सिरोंज (पंचकल्याणक के बाद)
क्षुल्लक दीक्षा	:	०७-१०-१९९५, अश्विन शुक्ल १४ शनिवार वि.सं. २०५२, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला-दमोह (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-१९९६, श्रावण शुक्ल ७ वि.सं. २०५३ बुधवार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महुआ जी जिला-सूरत (गुजरात)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, अश्विन शुक्ल १५ गुरूवार (शरद पूर्णिमा) वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावरजी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके सानिध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, शिविर, पाठशाला के प्रभावक कार्य हुए एवं संस्कृत में लेखन कार्य हुये हैं।

मुनि श्री १०८ प्रवुद्धसागर जी महाराज

वह चाल चल कि उम्र खुशी से कटे तेरी।
वह काम कर कि याद सबको रहे तेरी।।

मुनि श्री १०८ प्रवुद्धसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. प्रदीप कुमार जी जैन 'विद्यार्थी'
पिता का नाम	:	श्री प्रबोध कुमार जी जैन 'विद्यार्थी'
माता का नाम	:	श्रीमती श्रीबाई जी जैन 'विद्यार्थी'
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुधेश २. श्री राजकुमार ३. श्री मुकेश ४. श्री पंकज ५. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१३-११-१९६९ गुरुवार, कार्तिक शुक्ल ४
दिन/ स्थान/समय	:	वि.सं. २०२६, जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी. (गणित)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०९-१०-१९९२, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	२०-०४-१९९६, वैशाख शुक्ल ०३ शनिवार वि.सं. २०५३ (अक्षय तृतीया), श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तारंगा जी जिला-महेसाणा (गुजरात)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-१९९६, श्रावण शुक्ल ७ वि.सं. २०५३ बुधवार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महुआ जी जिला-सूरत (गुजरात)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, आश्विन शुक्ल १५ गुरूवार (शरद पूर्णिमा) वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावरजी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ प्रवचनसागर जी महाराज

ये जमाना तो मेरा हो न सका, मुद्दत से।
हम ही अब दूर जमाने से चले जाते हैं।।

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ प्रवचनसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. चन्द्रशेखर जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री बाबूलाल जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती फूलरानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री विपद २. स्व. श्री अरविंद ३. श्रीमती सुषमा ४. श्री सतीश ५. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२९-१०-१९६०कार्तिक शुक्ल १२, मंगलवार वि.सं. २०१७ बेगमगंज जिला-रायसेन (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२९ अक्टूबर १९८७, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र थूवौन जी, गुना (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०४-१९९६ वैशाख शुक्ला ०३ शनिवार वि.सं.२०५३ (अक्षय तृतीया), श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तारंगा जी जिला-महेसागणा (गुज.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९-१२-१९९६ मार्ग शीर्ष १० वि.सं. २०५३, गुरूवार श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र गिरनार जी जिला-जूनागढ़ (गुजरात)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, आश्विन शुकला १५ गुरूवार वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	२९ नवम्बर २००३, शनिवार, दिन ११:२० बजे मगसिर शुक्ल ६, कटनी (म.प्र.)
विशेष	:	आपके गृहस्थ जीवन के भतीजे मुनि श्री निर्मद सागर जी आपके दीक्षा गुरू से दीक्षित हुये है।

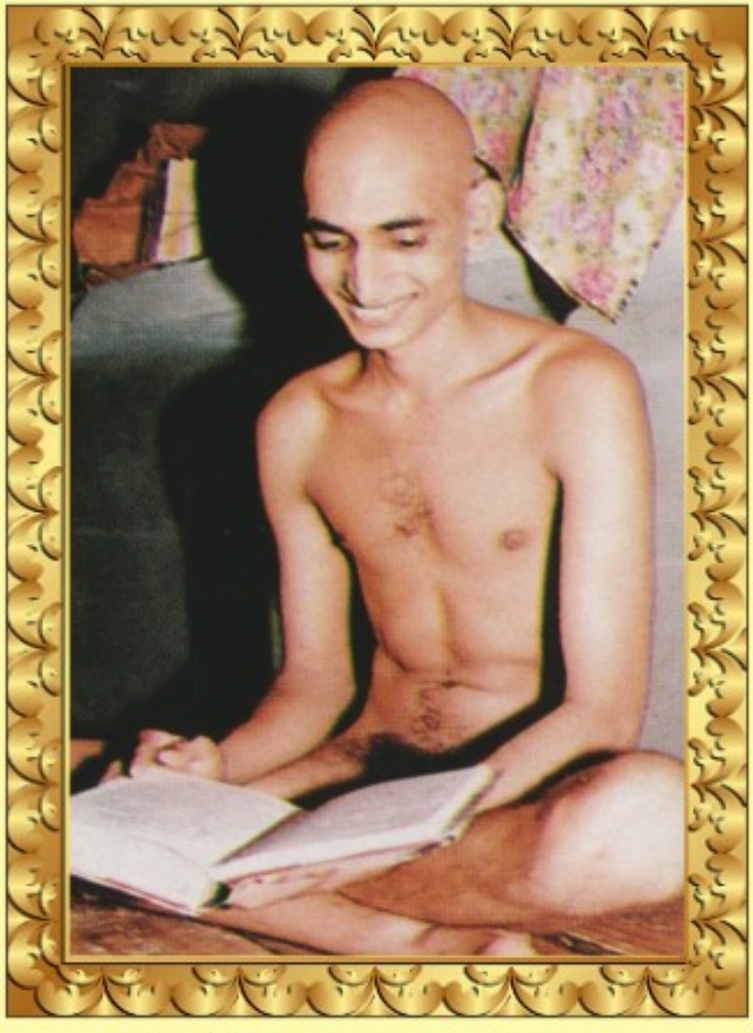

मुनि श्री १०८ पुण्यसागर जी महाराज

अजर अमर यह आत्म तत्व है, ध्रुव अक्षय अविनाशी है।
तन तो है पुद्गल अध्रुव, क्षयी अविनाशी है।।

मुनि श्री १०८ पुण्यसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. श्री शान्तिनाथजी जैन
पिता का नाम	:	श्री नागप्पा जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सरोज बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री २. श्री ३. श्री
(जन्म के क्रम से)		४. ५. ६.
		७. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१९६८
दिन/ स्थान/समय	:	येलबट्टी, जिला-धारवाड़ (कर्नाटक)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाईस्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१९९०, सिरगुप्पी (कर्नाटक) में मुनि श्री
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		नियमसागर जी से
क्षुल्लक दीक्षा	:	२०-०४-१९९६, वैशाख शुक्ल ०३ शनिवार वि.सं. २०५३ अक्षय तृतीया,श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तारंगा जी जिला-महेसाणा (गुजरात)
एलक दीक्षा	:	१९-१२-१९९६, मार्गशीर्ष शुक्ल १०, गुरूवार
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं.२०५३ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र गिरनार जी जिला-जूनागढ़ (गुजरात)
मुनि दीक्षा	:	१६-१०-१९९७, अश्विन शुक्ल १५ गुरूवार
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		(शरद पूर्णिमा) वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावरजी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ पायसागर जी महाराज

कोई ऐसा संयोग नहीं जिसके पीछे हो वियोग नहीं।
है कोई ऐसा भोग नहीं जिसके पीछे हो रोग नहीं।।

मुनि श्री १०८ पायसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. श्री पायप्पा जी जैन
पिता का नाम	:	श्री दानप्पा जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती मंजम्मा जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री एम.डी. बाबू जैन २. श्री एम.डी. पद्मराज जैन ३. श्री एम.डी. राजकुमार जैन ४. एम.डी. कुबेर जैन ५. एम.डी. संतोष जैन ६. आपका क्रम ७. स्वदारी यशोदा जैन
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१५-०३-१९६९ शनिवार, चैत्र कृष्ण १२, वि.सं.
दिन/स्थान/समय	:	२०२५ हड़ससीग्राम (सिमोगा) (कर्नाटक)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	चौथी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-०४-१९९६, रविवार तारंगा जी (कर्नाटक)
क्षुल्लक दीक्षा	:	२०-०४-१९९६, वैशाख शुक्ल ०३ शनिवार वि.सं. २०५३ अक्षय तृतीया,श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तारंगा जी जिला-महेसाणा (गुजरात)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९-१२-१९९६, मार्गशीर्ष शुक्ल १० गुरूवार वि.सं. २०५३ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र गिरनार जी जिला-जूनागढ़ (गुजरात)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, आश्विन शुक्ल १५ गुरूवार (शरद पूर्णिमा) वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावरजी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ प्रसादसागर जी महाराज

तुम जिन मेघमयूर मैं, गरजो बरसो नाथ।
चिर प्रतीक्षित हूँ खड़ा, ऊपर करके माथ ।।

मुनि श्री १०८ प्रसादसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. अजितकुमार जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री पदमचंद जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती सरला देवीजी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री महावीर जी २) आपका क्रम ३) श्री सन्मति जी ४) श्रीमती सरिता ५) श्रीमती वर्षा ६) श्रीमती रीता
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२०-०३-१९६६, चैत्र कृष्ण १४,रविवार वि.सं. २०२२, सिहोरा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ई. (इलेक्ट्रिकल इंजीनियर)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-११-१९९५, बुधवार सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०९-०८-१९९७, शनिवार, श्रावण शुक्ल ६, वि.सं. २०५४ श्री दि. जैन सिद्धक्षेत्र नेमावर, जि. देवास (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	एलक दीक्षा नहीं हुई।
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, गुरूवार, आश्विन शुक्ल १५ शरद पूर्णिमा, वि.सं. २०५४, श्री दि. जैन सिद्धोदयसिद्धक्षेत्र नेमावर, जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आप ब्रह्मचारी अवस्था में विभिन्न कार्य करते हुए प्रभावना करते रहे वैय्यावृत्ति और संघ, गुरु जिनवाणी की सेवा में तत्पर रहते हैं।

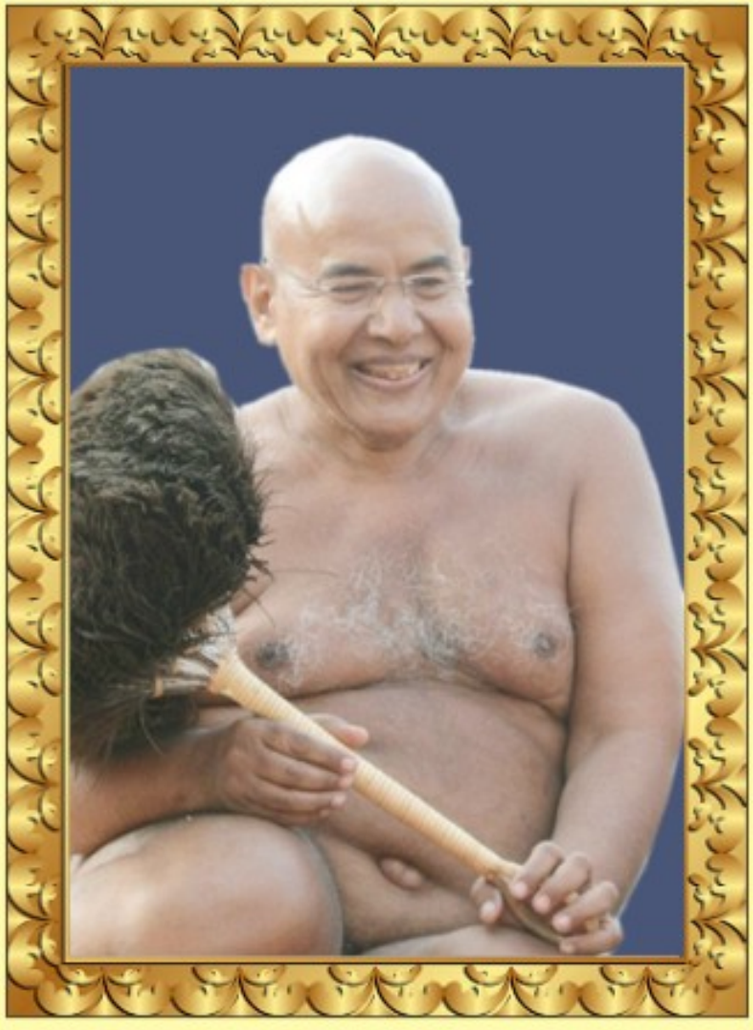

मुनि श्री १०८ अभयसागर जी महाराज

अभिनन्दनीय होते हैं वही संसार में।
अंधेरे को हरने जो देते हैं दीप जला।।

मुनि श्री १०८ अभयसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बाहुबली जी सांधेलिया
पिता का नाम	:	स्व. श्री सिंघई हुकुमचंद्र जी सांधेलिया
माता का नाम	:	श्रीमती चन्द्रानी देवी जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री अभिनंदन २) श्रीमती ममता ३) श्री श्रेयांस ४) श्रीमती समता ५) आपका क्रम
जन्म दिनाँक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	३०-०१-१९६०, माघ सुदी तृतीया, शनिवार वि.सं. २०१६, पाटन, जिला-जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनाँक/दिन/तिथि/स्थान	:	२९-०८-१९८२, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरजी, छतरपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनाँक/दिन/तिथि/स्थान	:	क्षुल्लक दीक्षा नहीं हुई।
एलक दीक्षा दिनाँक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८३, प्रथम फाल्गुन कृष्ण १३, गुरुवार, वि.सं. २०३९, श्री दि. जैन सिद्धक्षेत्र सम्मेद शिखरजी मधुबन, जिला-गिरडीह (बिहार)
मुनि दीक्षा दिनाँक/दिन/तिथि/स्थान	:	११-०२-१९९८, बुधवार, माघ शुक्ल १५, वि.सं. २०५४, श्री दिग. जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरिजी जिला-बैतूल (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके द्वारा प्राप्त मार्गदर्शन, प्रेरणा, सान्निध्य में अहिंसा के क्षेत्र में विभिन्न ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। मूकमाटी संबंधी विभिन्न कार्यों में आपका योगदान हैं।

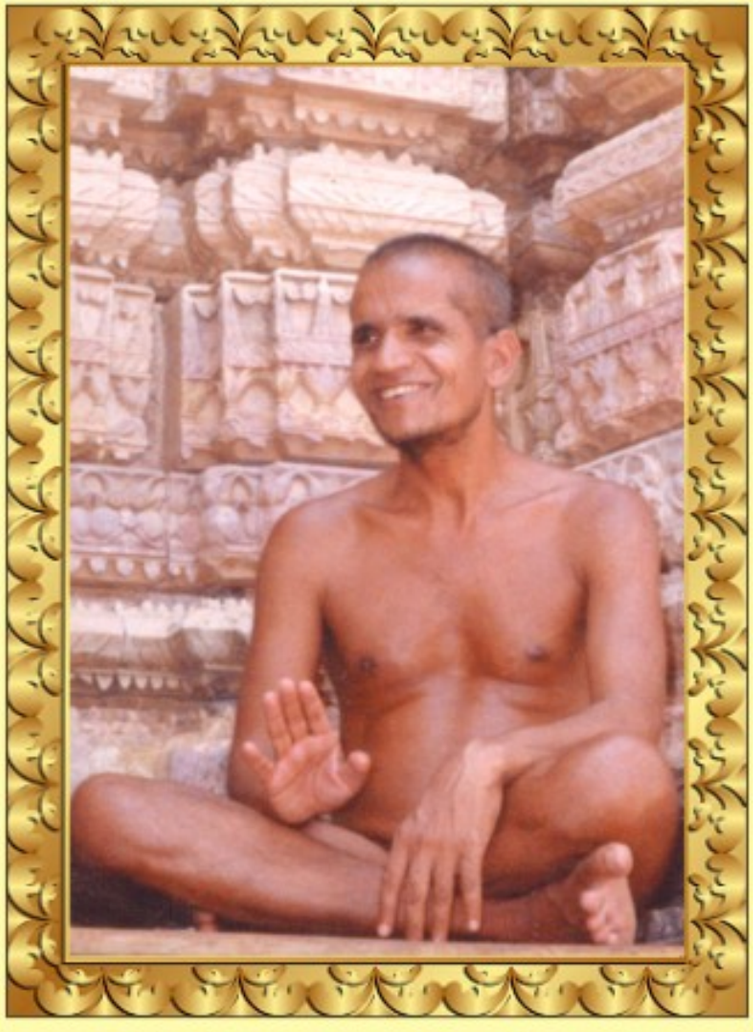

मुनि श्री १०८ अक्षयसागर जी महाराज

हम दरिया हैं, अपना हुनर मालूम है।
जिधर भी चल देंगे, रास्ता हो जायेगा।।

मुनि श्री १०८ अक्षयसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. श्री बकुल जी कांते (जैन)
पिता का नाम	:	श्री तात्यासाहिब पुरंदर जी कांते (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती सुवर्णा तात्यासाहिब जी कांते (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती विजया २. श्री जवाहर ३. श्री राजेन्द्र ४. श्री सुभाष ५. आपका क्रम ६. श्रीमती सुरेखा ७. श्रीमती जय श्री
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०१-०६-१९६२, ज्येष्ठ शुक्ल १४, शुक्रवार
दिन/ स्थान/समय	:	वि.सं. २०१९ शिरोल, जिला-कोल्हापुर (महा.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बारहवीं (कॉमर्स), मराठी माध्यम से
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१९८७
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		थूवौन जी, जिला अशोक नगर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	१६-०५-१९९१, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला-बैतूल (म.प्र.)
एलक दीक्षा	:	२५-०७-१९९१, आषाढ़ शुक्ल १४,
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०४८ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
मुनि दीक्षा	:	११-०२-१९९८, बुधवार, माघ शुक्ल १५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र, मुक्तागिरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

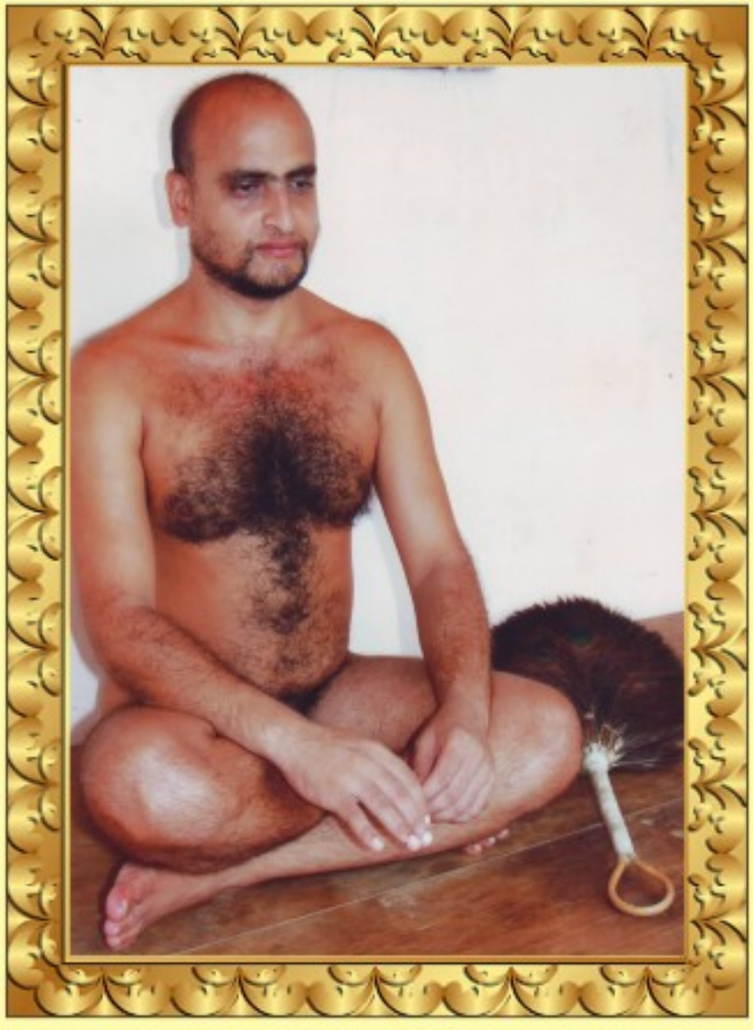

मुनि श्री १०८ प्रशस्तसागर जी महाराज

जिनको देखा था हमने तस्वीर में।
बस गये आज हमारी वह तकदीर में।।

मुनि श्री १०८ प्रशस्तसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र.श्री स्वतंत्र कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री नरेन्द्र कुमार जैन
माता का नाम	:	श्रीमती जीवनलता जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१) श्री राजेश
(जन्म के क्रम से)		२) आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१५-०८-१९७५, शुक्रवार, श्रावण शुक्ल ९,
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०३२, सनावद, जिला-खरगोन (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी/ पॉलीटेक्निक (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०९-०२-१९९४, गुरुवार, श्री दि. जैन सर्वोदय
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		तीर्थ अमरकंटक, जिला अनुपपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	२०-०४-१९९६, शनिवार, वैशाख शुक्ल ३,
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०५३, श्री दि. जैन सिद्धक्षेत्र तारंगाजी
		जिला-मेहसाणा (गुजरात)
एलक दीक्षा	:	१९-१२-१९९६, गुरुवार, मार्गशीर्ष शुक्ल १०,
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०५३, श्री दि. जैन सिद्धक्षेत्र गिरनारजी
		जूनागढ़ (गुजरात)
मुनि दीक्षा	:	११-०२-१९९८, बुधवार, माघ शुक्ल १५,
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		पूर्णिमा वि.सं. २०५४, श्री दि. जैन सिद्धक्षेत्र
		मुक्तागिरि बैतूल (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

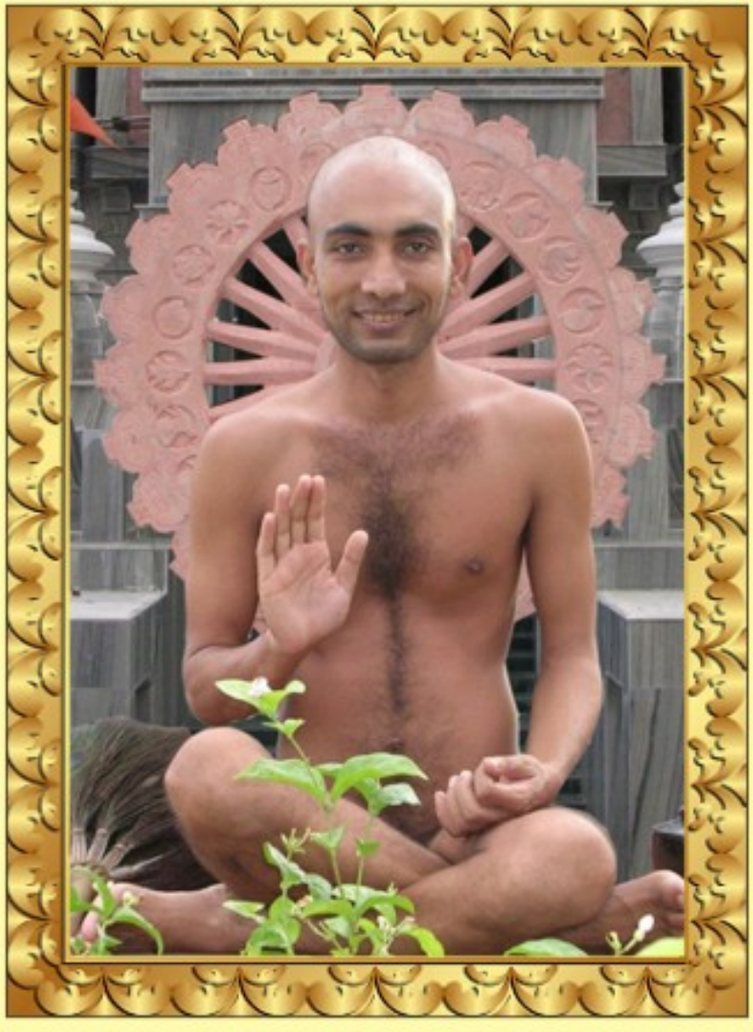

मुनि श्री १०८ प्रयोगसागर जी महाराज

यह माल दौलत कोठियाँ, नाज जिस पर दोस्तों।
संग कुछ जाना नहीं, फालतू एतबार है।।

मुनि श्री १०८ प्रयोगसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. श्री श्रेयांस कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री सुधीर कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती डिसेन्ट बाला जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. आपका क्रम २. श्रीमती महिमा
(जन्म के क्रम से)		३. श्री प्रशांत
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२२-२-१९७४, फाल्गुन कृष्ण ३० (अमावस्या)
दिन/ स्थान/समय	:	शुक्रवार , वि.सं. २०३० सनावद् जिला-खरगोन (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०९-०२-१९९४, श्री दिगम्बर सर्वोदय तीर्थ,
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		अमरकंटक, अनूपपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	०९-०८-१९९७, श्रावण शुक्ल ०६ शनिवार
		वि.सं. २०५४, श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय क्षेत्र नेमावरजी जिला-देवास (म.प्र.)
एलक दीक्षा	:	०५-०१-१९९८, पौष शुक्ल ०७, सोमवार
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
मुनि दीक्षा	:	११-०२-१९९८, बुधवार, माघ शुक्ल १५ पूर्णिमा
		वि.सं. २०५४, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र,
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		मुक्तागिरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ प्रबोधसागर जी महाराज

दिखाने के हैं सब ये दुनिया के मेले।
भरी बज्म में हम रहे है अकेले।।

मुनि श्री १०८ प्रबोधसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र.श्री संदेश कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री धीरेन्द्र कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सरलादेवी जी
भाई-बहिन के नाम	:	१) श्रीमती भारती २) आपका क्रम
(जन्म के क्रम से)		३) स्व. श्री जिनेन्द्र
जन्म दिनांक/तिथि/	:	३१-०७-१९७४, बुधवार, श्रावण सुदी १३
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०३१, सनावद, जिला-खरगोन (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	पॉलीटेक्निक (मेकेनिकल इंजी.)
ब्रह्मचर्य व्रत कब/कहाँ	:	०९-०२-१९९४, बुधवार, श्री दि. जैन सर्वोदय
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		तीर्थ क्षेत्र, अमरकंटक, जिला-अनुपपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	०९-०८-१९९७, शनिवार, श्रावण शुक्ल ६,
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०५४, श्री दि. जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र
		नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
एलक दीक्षा	:	०५-०१-१९९८, सोमवार, पौष शुक्ल ७, वि.सं.
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		२०५४, श्री दि. जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर
		जिला-देवास (म.प्र.)
मुनि दीक्षा	:	११-०२-१९९८, बुधवार, माघ शुक्ल १५, पूर्णिमा
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०५४, श्री दि. जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरि
		बैतूल (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ प्रणम्यसागर जी महाराज

धरती सेज, ओढ़ना अम्बर चिंतन है इनका भोजन।
जिओ और जीने दो सबको, इनका है जीवन दर्शन।।

मुनि श्री १०८ प्रणम्यसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. सर्वेश जी जैन
पिता का नाम	:	श्री वीरेन्द्र कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सरितादेवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. आपका क्रम २. श्रीमती सपना
(जन्म के क्रम से)		३. श्री सचिन
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१३-०२-१९७५, शनिवार, भाद्र शुक्ल ९, वि.सं.
दिन/ स्थान/समय	:	२०३२ भोगांव, जिला-मैनपुरी (म.प्र.)
		(बाद में सिरसागंज निवास) फिरोजाबाद (उ.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी. (अंग्रेजी माध्यम)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२५-०४-१९९६ (गृहत्याग)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र तारंगा जी गुजरात
क्षुल्लक दीक्षा	:	०९-०८-१९९७, श्रावण शुक्ल ०६ शनिवार
		वि.सं. २०५४, श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय क्षेत्र
		नेमावरजी जिला-देवास (म.प्र.)
एलक दीक्षा	:	०५-०१-१९९८, पौष शुक्ल ०७ वि.सं. २०५४
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र
		नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
मुनि दीक्षा	:	११-०२-१९९८, बुधवार, माघ शुक्ल १५ पूर्णिमा
		वि.सं. २०५४, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		मुक्तागिरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपने कई ग्रन्थों की संस्कृत टीकायें लिखी हैं टीका की हिन्दी की है, पद्यानुवाद किये हैं अर्हंमयोग की शुरूआत की अंग्रेजी, प्राकृत, संस्कृत, हिन्दी आदि भाषाओं का ज्ञान रखते हैं अनेकों प्रभावक कार्य किये हैं।

मुनि श्री १०८ प्रभातसागर जी महाराज

व्यर्थ नहीं वह साधना, जिसमें नहीं अनर्थ ।
भले मोक्ष हो देर से, दूर रहे अघ-गर्त ।।

मुनि श्री १०८ प्रभातसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा. ब्र. श्री अजय कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री कोमलचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्रभादेवी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१) आपका क्रम
(जन्म के क्रम से)		२) श्री संजय
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०२-१२-१९७१, गुरूवार, मार्गशीर्ष सुदी पूर्णिमा
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०२८, दर्शनी सिहोरा (वर्तमान में जबलपुर) (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी. (गणित) पॉलीटेक्निक सिविल
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१०-१०-१९९२, शनिवार, श्री दिग. जैन सिद्धक्षेत्र
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		कुण्डलपुर, जिला-दमोह (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	०९-०८-१९९७, शनिवार, श्रावण शुक्ल ६,
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०५४ श्री दि. जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
एलक दीक्षा	:	०५-०१-१९९८, सोमवार, पौष शुक्ल ७, वि.सं.
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		२०५४, श्री दि. जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जिला-देवास (म.प्र.)
मुनि दीक्षा	:	११-०२-१९९८, बुधवार, माघ शुक्ल १५,
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		पूर्णिमा वि.सं. २०५४, श्री दि. जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरि बैतूल (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आप सिद्धान्त, अध्यात्म अनेक ग्रंथों के स्वाध्यायी रहे हैं।